आदिवासी एक्सप्रेस

आमजन का एक मात्र हिंदी दैनिक अखबार

रांची, शुक्रवार
25 अप्रैल 2025
वर्ष: 38, अंक: 145
पृष्ठ: 12, मूल्य: 3 रु
RNI NO.: 49065/1989
DAVP CODE: 130961

देश

प्रधानमंत्री ने मधुबनी में आयोजित कार्यक्रम से रेलवे की तीन नवनिर्मित रेल लाइनें राष्ट्र को किया समर्पित

झारखंड

पहलगाम आतंकी हमले पर भारत सरकार के हर निर्णय के साथ है झामुमो

हजारीबाग

राज्य में पड़ रही भीषण गर्मी को देखते हुए स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग ने विद्यालयों के समय सारणी में किया परिवर्तन

सुन लो पाकिस्तान, पहलगाम के गुनहगारों को किसी मांद में छिपा लो, खींच कर मारेंगे: प्रधानमंत्री मोदी

पटना, ब्यूरो: पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बिहार की ऐतिहासिक धरती से पूरे देश और दुनिया को एक कड़ा संदेश दिया. इस भाषण में सिर्फ संवेदना नहीं थी, चेतावनी थी. एक राष्ट्र सेवक 140 करोड़ देशवासियों के मन के गुस्से को बयान कर रहा था. उन्होंने किसी देश का नाम नहीं लिया लेकिन आतंकवादियों और उनके आकाओं को साफ चेतावनी दे डाली- भारत हर एक आतंकी और उनके समर्थकों की पहचान करेगा और उन्हें सज़ा देगा. हम उनका पीछा धरती के आखिरी छोर तक करेंगे. आतंकवादियों को मिट्टी में मिलाने का समय आ गया है. आका कौन हैं ये समझना मुश्किल नहीं है. कल कैबिनेट कमिटी ऑन सेक्युरिटी की बैठक के बाद ये साफ हो गया है कि आका कौन है.

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बयान के बाद इस बात में रत्ती भर शक नहीं बचा है कि इस बार की कार्रवाई सिर्फ पहलगाम के हमलावरों के खिलाफ नहीं बल्कि आतंकियों के पीछे खड़े देश के खिलाफ भी होगी. मिट्टी में मिलाने वाले बयान से साफ है कि भारत सैन्य कार्रवाई से नहीं हिचकेगा. हो सकता है उरी और पुलवामा के बाद हुए सर्जिकल स्ट्राइक से बड़ी सजा इस बार मिले. तैयारी शुरू हो चुकी है. कल की बैठक में अमित शाह के साथ एस जयशंकर और सुपर स्पाई अजित डोभाल भी मौजूद थे. आम तौर पर कैबिनेट कमिटी ऑन सेक्योरिटी की बैठक साउथ ब्लॉक में होती है लेकिन इस बार मोदी के घर पर हुई. ऐसा ही बालाकोट स्ट्राइक के पहले हुआ था. आज होम मिनिस्ट्री में रॉ और आईबी के अधिकारियों के साथ बड़ी बैठक हुई है. शाम को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह सभी दलों के नेताओं से मिलेंगे जिसमें अमित शाह पहलगाम को लेकर सभी जानकारी साझा करेंगे.

कोई भी कार्रवाई से पहले सटीक प्लानिंग जरूरी होती है. रॉ और आईबी से जरूरी जानकारी हासिल की जाएगी. मिलिट्री इंटेलिजेंस भी गुनहगारों की डिटेल जानकारी हासिल कर रहा है. इसी बिना पर तय होता है कि आतंकवादी ठिकाने को किस तरह निशाना बनाया जाए. जब मोदी भाषण के आखिर में आए उन्होंने पूरी दुनिया तक आवाज पहुंचाने के लिए अंग्रेजी में संदेश दिया. उन्होंने दुनिया के उन देशों का धन्यवाद भी किया जो भारत के साथ खड़े हैं. यह बताता है कि भारत अब अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी आतंक के खिलाफ मोर्चा खोलने को तैयार है.

सीमापार सर्जिकल स्ट्राइक - 2016 में उरी हमले के बाद भारत ने PoK में जाकर आतंकी लॉन्च पैड्स पर सर्जिकल स्ट्राइक की थी. मोदी सरकार एक बार फिर ऐसे कदम उठा सकती है. मुजफ्फराबाद के टेरर ट्रेनिंग कैंपों की जानकारी खुफिया महकमे को पहले से है. एक ऑप्शन एयर स्ट्राइक या मिसाइल अटैक का भी है.2019 में पुलवामा के बाद बालाकोट पर एयर स्ट्राइक हुई थी. इंटेलिजेंस आधारित कार्रवाई भी हो सकती है. हम अपनी एजेंसियों को आंतकवादियों और उसके नेटवर्क को नेस्तनाबूद करने की छूट दे सकते हैं. एक ऑप्शन मोसाद या सीआईए वाला भी है. आतंक के आका कहीं भी छिपे हों, उन्हें मिटाने के लिए गुप्त मिशन चलाया जा सकता है. मोदी के धरती के अंतिम छोर तक वाले शब्दों से यही संकेत मिलता है.

आतंक के 'सपोर्ट सिस्टम' को खत्म किए बिना आतंकवाद की जड़ नहीं काटी जा सकती. मोदी के भाषण से ये साफ हो गया हैं. पाकिस्तान जैसे देशों को साफ़ और कठोर संदेश देना होगा कि भारत अब केवल निंदा नहीं करेगा, कार्रवाई करेगा.

अब मोदी के भाषण के उस हिस्से को हू-ब-हू पढ़िए जिसमें पहलगाम का जिक्र था - 22 अप्रैल को जम्मू कश्मीर के पहलगाम में आतंकियों ने मासूम देशवासियों को जिस बेरहमी से मारा है उससे पूरा देश व्यथित है. कोटि-कोटि देशवासी दुखी हैं. सबी पीड़ित परिवारों के इस दुख में पूरा देश उनके साथ खड़ा है. जिन परिवारजनों का अभी इलाज चल रहा है वे जल्द स्वस्थ हों , उसके लिए सरकार हर प्रयास कर रही है. साथियों, इस आतंकी हमले में किसी ने अपना बेटा खोया, किसी ने भाई खोया, किसी ने अपना जीवनसाथी खोया है. उनमें से कोई बांग्ला बोलता था, कोई कन्नड़ बोलता था, कोई मराठी था, कोई उड़िया था, कोई गुजराती था, कोई बिहार का लाल था. आज उन सभी की मौत पर, करगिल से कन्याकुमारी तक हमारा आक्रोश एक जैसा है. ये हमला सिर्फ निहत्थे पर्यटकों पर नहीं हुआ है. देश के दुश्मनों ने भारत की आत्मा पर हमला करने का दुस्साहस किया है. मैं बहुत स्पष्ट शब्दों में कहना चाहता हूं, जिन्होंने ये हमला किया है, उन आतंकियों को और इसकी साजिश रचने वालों को उनकी कल्पना से भी बड़ी सजा मिलेगी. सजा मिलकर रहेगी.अब आतंकियों की बची खुची जमीन को भी मिट्टी में मिलाने का समय आ गया है. 140 करोड़ भारतीयों की इच्छाशक्ति आतंकियों के आकाओं की कमर तोड़ कर रहेगी.

इसके बाद मोदी अंग्रेजी में बोले- आज बिहार की धरती से मैं पूरी दुनिया को साफ शब्दों में कहना चाहता हूं कि भारत हर आतंकवादी और उसके समर्थकों, साजिशकर्ताओं की पहचान करेगा, उनका पता लगाएगा और उन्हें सजा देगा। हम उन्हें धरती के अंत तक खदेड़ेंगे। उन्हें उनकी कल्पना से परे सजा दी जाएगी÷, पीएम मोदी ने पंचायती राज दिवस के अवसर पर उत्तर बिहार के मधुबनी जिले के झंझारपुर में दर्शकों को संबोधित करते हुए अंग्रेजी में कहा।

पाकिस्तान का जवाब: शिमला समझौता सस्पेंड, कारोबार और एयरस्पेस छूट खत्म

दिल्ली ब्यूरो

पाकिस्तान ने भारत को जवाब देते हुए कई घोषणाएं की हैं। इनमें सबसे महत्वपूर्ण घोषणा शिमला समझौते का रद्द होना है। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने गुरुवार को हाई लेवल बैठक बुलाई थी। जिसमें भारत को जवाब देने का फैसला किया गया। पाकिस्तान ने गुरुवार को भारत के साथ व्यापार, शिमला समझौता समेत तमाम द्विपक्षीय समझौतों और हवाई क्षेत्रों को निलंबित करने सहित अन्य कदमों की घोषणा की। यह कदम उसने पहलगाम में हुए घातक हमले के मद्देनजर भारत द्वारा उसके खिलाफ उठाए गए आक्रामक कदमों के जवाब में उठाया है। भारत ने बुधवार को सिंधु जल समझौता निलंबित, पाकिस्तानी नागरिकों को 48 घंटे में भारत छोड़ने और अटारी बॉर्डर बंद करने की घोषणा की थी। इसके अलावा पाकिस्तान के टॉप राजनयिक को तलब करके बताया कि पाकिस्तान एम्बैसी में कार्यरत सैन्य सलाहकार अवांछित घोषित कर दिए गए हैं, उन्हें भारत छोड़ना होगा। एम्बैसी में कर्मचारियों की संख्या भी कम कर दी गई।

इस्लामाबाद में गुरुवार को राष्ट्रीय सुरक्षा समिति (एनएससी) की बैठक हुई। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में रक्षा मंत्री, विदेश मंत्री, आंतरिक मंत्री, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार और सशस्त्र बलों के प्रमुखों सहित शीर्ष सरकारी और सैन्य अधिकारियों ने भाग लिया। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) द्वारा जारी एक बयान के अनुसार, बैठक में भाग लेने वालों ने राष्ट्रीय सुरक्षा माहौल और क्षेत्रीय स्थिति, विशेष रूप से पहलगाम हमले के मद्देनजर चर्चा की, जिसमें 26 लोगों की जान चली गई और 17 लोग घायल हो गए।

बयान में कहा गया, पर्यटकों की हत्या पर चिंता जताते हुए पाकिस्तान की समिति ने 23 अप्रैल 2025 को घोषित भारतीय उपायों की समीक्षा की और उन्हें एकतरफा, अन्यायपूर्ण, राजनीति से प्रेरित, अत्यंत गैर-जिम्मेदाराना करार दिया।

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री कार्यालय के बयान में कहा गया है, पाकिस्तान शिमला समझौते सहित भारत के साथ सभी द्विपक्षीय समझौतों को स्थगित रखने के अधिकार का प्रयोग करेगा, जब तक कि भारत पाकिस्तान के अंदर आतंकवाद को बढ़ावा देने, अंतरराष्ट्रीय हत्याओं और कश्मीर पर अंतर्राष्ट्रीय कानून और संयुक्त राष्ट्र के प्रस्तावों का पालन न करने के अपने स्पष्ट व्यवहार से बाज नहीं आता।

भारत की तरह ही पाकिस्तान ने भी भारतीय नागरिकों को जारी किए गए सार्क वीजा छूट योजना (एसवीईएस) के तहत सभी वीजा निलंबित कर दिए हैं और सिख धार्मिक तीर्थयात्रियों को छोड़कर उन्हें तत्काल प्रभाव से रद्द कर दिया है। इसमें कहा गया है, एसवीईएस के तहत वर्तमान में पाकिस्तान में मौजूद भारतीय नागरिकों को सिख तीर्थयात्रियों को छोड़कर 48 घंटे के भीतर बाहर निकलने का निर्देश दिया गया है। पाकिस्तान ने इस्लामाबाद में भारतीय रक्षा, नौसेना और वायु सलाहकारों को भी अवांछित व्यक्ति घोषित कर दिया है और उन्हें तुरंत लेकिन 30 अप्रैल 2025 से पहले वहां से चले जाने का निर्देश दिया है।

शिमला समझौता क्या है : शिमला समझौता 2 जुलाई 1972 को भारत और पाकिस्तान के बीच हिमाचल प्रदेश की राजधानी शिमला में हस्ताक्षरित एक शांति संधि थी। यह समझौता 1971 के भारत-पाकिस्तान युद्ध के बाद हुआ, जिसमें भारत की सैन्य सहायता से पूर्वी पाकिस्तान (अब बांग्लादेश) स्वतंत्र हो गया था। इस समझौते पर भारत की तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी और पाकिस्तान के तत्कालीन राष्ट्रपति जुल्फिकार अली भुट्टो ने हस्ताक्षर किए थे।

बोकारो एनकाउंटर का असर, लातेहार में तीन इनामी नक्सलियों ने किया सरेंडर

क्राइम संवाददाता द्वारा

लातेहार: जेजेएमपी नक्सली संगठन के तीन इनामी नक्सलियों ने गुरुवार को लातेहार एसपी कुमार गौरव और सीआरपीएफ के कमांडेंट याद राम बुनकर के समक्ष आत्मसमर्पण किया. आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों में लातेहार जिले के बालूमाथ थाना अंतर्गत लक्ष्मीपुर गांव के रहने वाले नक्सली पलेंद्र भोक्ता, प्रमोद गंझू और तुलसी गंझू शामिल हैं.

तीनों के ऊपर एक- एक लाख रुपए इनाम भी घोषित है. एसपी कुमार गौरव और कमांडेंट ने आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों को माला पहनाकर स्वागत किया. साथ ही नक्सलियों को इनाम की राशि का चेक भी दिया गया. वहीं एसपी ने क्षेत्र में सक्रिय अन्य नक्सलियों को भी कहा है कि नक्सली आत्मसमर्पण करें.

दरअसल तीनों नक्सली पिछले कई वर्षों से लातेहार जिले के अलावा आसपास के जिलों में सक्रिय थे. इनके खिलाफ विभिन्न थाना क्षेत्र में कई मामले दर्ज हैं. तीनों नक्सली पहले टीएसपीसी नक्सली संगठन के साथ जुड़े हुए थे. परंतु बाद में तीनों टीएसपीसी नक्सली संगठन को छोड़कर जेजेएमपी नक्सली संगठन के साथ जुड़ गए. सरकार ने तीनों के ऊपर 1 लाख रुपए इनाम भी घोषित किया.

इधर पुलिस के द्वारा नक्सलियों के खिलाफ चलाए जा रहे लगातार अभियान से नक्सलियों का संगठन भी काफी कमजोर हो गया. कई नक्सलियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया तो कई नक्सली मुठभेड़ में मारे गए. पुलिस की लगातार बढ़ रही दबिश को देखते हुए तीनों नक्सलियों ने आत्मसमर्पण करने की योजना बनाई. झारखंड सरकार के आत्मसमर्पण नीति से प्रभावित होकर नक्सलियों ने गुरुवार को पुलिस के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया. लातेहार एसपी कार्यालय के सभागार में आयोजित समारोह में नक्सलियों को एसपी कुमार गौरव और सीआरपीएफ कमांडेंट यादराम बुनकर ने माला पहनाकर स्वागत किया. तीनों को इनाम की राशि का चेक भी दिया गया.

इधर एसपी कुमार गौरव ने बताया कि तीनों नक्सलियों के खिलाफ नक्सली हिंसा के मामले दर्ज हैं. उन्होंने कहा कि पुलिस के द्वारा लगातार में की जा रही छापेमारी तथा सरकार की आत्मसमर्पण नीति से प्रभावित होकर नक्सलियों ने पुलिस के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया. एसपी ने इस दौरान क्षेत्र में सक्रिय अन्य नक्सलियों को चेतावनी देते हुए कहा कि यदि नक्सली अच्छी जिंदगी चाहते हैं तो पुलिस के समक्ष आत्मसमर्पण करें. उन्होंने कहा कि आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों को सरकारी प्रावधान के तहत सभी प्रकार की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी.

जरूरत एकता-एकजुटता की, लेकिन ध्रुवीकरण-विभाजन को बढ़ावा दे रही बीजेपी: सीडब्ल्यूसी ने प्रस्ताव पारित

दिल्ली ब्यूरो

सीडब्ल्यूसी ने पारित प्रस्ताव में कहा गया कि बीजेपी आधिकारिक और प्रॉक्सी सोशल मीडिया प्लेटफार्मों के माध्यम से इस गंभीर त्रासदी का फायदा उठाकर ऐसे समय में अविश्वास, ध्रुवीकरण और विभाजन को बढ़ावा दे रही है। पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद आज शाम को केंद्र सरकार द्वारा बुलाई गई सर्वदलीय बैठक में कांग्रेस की ओर से दोनों सदनों के नेता प्रतिपक्ष शामिल होंगे। मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस ने अपनी शीर्ष नीति निर्धारक इकाई कांग्रेस कार्य समिति (सीडब्ल्यूसी) की बैठक में यह फैसला किया।

कांग्रेस ने यह मांग भी की है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को इस बैठक की अध्यक्षता करनी चाहिए। कार्य समिति ने कहा कि बैठक में कुछ क्षण मौन रखकर पहलगाम आतंकी हमले में मारे गए लोगों को श्रद्धांजलि दी गई।

बैठक के बाद कांग्रेस के वरिष्ठ नेता गुलाम अहमद मीर ने दावा किया कि सुरक्षा और खुफिया नाकामी का भी सवाल है। उन्होंने कहा, ÷ऐसी जानकारी है कि कुछ सूचना पहले से थी। ऐसे में हमारी एजेंसियो और सुरक्षा से जुड़े लोगों को ज्यादा सजग रहना चाहिए था। यह हमारी चिंता है। मीर ने कहा कि वहां पहले जितनी सुरक्षा नहीं थी।

कांग्रेस कार्यसमिति द्वारा पारित गए ये प्रस्ताव÷कांग्रेस कार्यसमिति द्वारा पारित प्रस्ताव में कहा गया कि जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए जघन्य आतंकवादी हमले पर गहरा दुख और निंदा व्यक्त करती है, जिसमें 26 निर्दोष पर्यटकों की जान चली गई और 20 से अधिक लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। कांग्रेस कार्यसमिति शोक संतप्त परिवारों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करती है। इस दुख की घड़ी में वह तहे दिल से उनके साथ खड़ी है। पाकिस्तान द्वारा रची गई यह कायराना और सोची-समझी आतंकी कार्रवाई हमारे गणतंत्र के मूल्यों पर सीधा हमला है। हिंदुओं को जानबूझकर निशाना बनाया गया, ताकि पूरे देश में भावनाएं भड़काई जा सकें। हम इस गंभीर उकसावे के सामने शांति बनाए रखने की अपील करते हैं और विपरीत परिस्थितियों का सामना करने के लिए अपनी सामूहिक ताकत की पुष्टि करते हैं। सीडब्ल्यूसी शांति बनाए रखने की अपील करती है और दृढ़ संकल्प और एकता के साथ सीमा पार आतंकवाद का मुकाबला करने के भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के दीर्घकालिक संकल्प की पुष्टि करती है।

प्रस्ताव में आगे कहा गया कि सीडब्ल्यूसी स्थानीय टट्टूवालों और पर्यटक गाइडों को भी श्रद्धांजलि अर्पित करती है, जिनमें से एक भारत के विचार को बनाए रखने के लिए पर्यटकों की निस्वार्थ रक्षा करने की कोशिश करते हुए शहीद हो गए। देश की सामूहिक इच्छा को प्रदर्शित करने के लिए, भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने 22 तारीख की रात को ही माननीय प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में एक सर्वदलीय बैठक बुलाई थी। यह बैठक अब आज के लिए निर्धारित की गई है। प्रस्ताव में कहा गया कि पहलगाम को एक भारी सुरक्षा वाला क्षेत्र माना जाता है, जो तीन-स्तरीय सुरक्षा व्यवस्था द्वारा सुरक्षित है। यह जरूरी है कि खुफिया विफलताओं और सुरक्षा खामियों का व्यापक विश्लेषण किया जाए, जिसने केंद्र शासित प्रदेश में इस तरह के हमले को सक्षम बनाया - एक ऐसा क्षेत्र जो सीधे केंद्रीय गृह मंत्रालय के अधिकार क्षेत्र में है। यह सवाल व्यापक जनहित में उठाए जाने चाहिए। यही एकमात्र तरीका है जिससे उन परिवारों को सही मायने में न्याय मिल सकता है, जिनका जीवन इतनी क्रूरता से तबाह हो गया है।

सीडब्ल्यूसी ने यह भी नोट किया कि अमरनाथ यात्रा जल्द ही शुरू होने वाली है। इस वार्षिक यात्रा में भारत भर से लाखों तीर्थयात्री भाग लेते हैं, और उनकी सुरक्षा को राष्ट्रीय प्राथमिकता माना जाना चाहिए। बिना किसी देरी के मजबूत, पारदर्शी और सक्रिय सुरक्षा व्यवस्था लागू की जानी चाहिए। तीर्थयात्रियों की सुरक्षा के साथ-साथ जम्मू और कश्मीर के लोगों की आजीविका, जिनमें से कई पर्यटन पर निर्भर हैं, की पूरी ईमानदारी और गंभीरता से रक्षा की जानी चाहिए।

प्रस्ताव में आगे कहा गया कि इस नरसंहार की जम्मू और कश्मीर के सभी राजनीतिक दलों और इसके नागरिकों के एक बड़े वर्ग ने निंदा की है। हालांकि, यह चौंकाने वाला है कि बीजेपी आधिकारिक और प्रॉक्सी सोशल मीडिया प्लेटफार्मों के माध्यम से इस गंभीर त्रासदी का फायदा उठाकर ऐसे समय में और अधिक कलह, अविश्वास, ध्रुवीकरण और विभाजन को बढ़ावा दे रही है, जब एकता और एकजुटता की सबसे अधिक आवश्यकता है।

भीषण गर्मी की चपेट में झारखंड, पारा पहुंच गया 43 पार

संवाददाता द्वारा

रांची: झारखंड के कई हिस्से भीषण गर्मी की चपेट में हैं। यहां के डाल्टनगंज में तापमान 43 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। अधिकारी ने बताया कि सिमडेगा, सरायकेला-खरसावां, पूर्वी और पश्चिमी सिंहभूम जिलों के लिए 26 अप्रैल तक भीषण गर्मी का 'यलो अलर्ट' जारी किया गया है। रांची मौसम विज्ञान केंद्र के उप निदेशक अभिषेक आनंद ने बताया कि राज्य भर में अधिकतम तापमान 40 डिग्री सेल्सियस के आसपास बना हुआ है। उन्होंने कहा कि दक्षिणी क्षेत्र के लिए भीषण गर्मी की चेतावनी जारी की गई है। इसके साथ ही झारखंड के मौसम को लेकर एक खुशखबरी भी है। आइए जानते हैं पूरे झारखंड के मौसम का हाल।

झारखंड के मौसम को लेकर जानकारी देते हुए अभिषेक आनंद ने कहा कि संथाल परगना क्षेत्र में भी अधिकतम तापमान बहुत अधिक है। राज्य भर में बुधवार को डाल्टनगंज में सबसे अधिक तापमान 43 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया जो सामान्य से 2.2 डिग्री अधिक था। इसके बाद जमशेदपुर में अधिकतम तापमान 42.6 डिग्री सेल्सियस और चाईबासा में अधिकतम तापमान 42.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। राज्य की राजधानी रांची में अधिकतम तापमान 38.8 डिग्री सेल्सियस रहा। अब मौसम विभाग ने अगले हफ्ते मौसम से राहत मिलने की संभावना

झारखंड कांग्रेस की संविधान बचाओ रैली 03 मई को रांची में

संवाददाता द्वारा

रांची: झारखंड कांग्रेस संविधान रक्षा कार्यक्रम के तहत 03 मई को रांची के विधानसभा मैदान में संविधान बचाओ रैली करेगी. झारखंड कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने गुरुवार को संवाददाता सम्मेलन कर इसकी जानकारी दी. कांग्रेस विधायक दल के नेता प्रदीप यादव और उपनेता राजेश कच्छप की उपस्थिति में केशव महतो कमलेश ने कहा कि आज हमारा संविधान खतरे में है. देश में लगातार संविधान और संविधान द्वारा गठित संस्थानों पर हमले हो रहे हैं, लेकिन कांग्रेस पार्टी और हमारे नेता राहुल गांधी-मल्लिकार्जुन खड़गे बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर के संविधान की रक्षा के प्रति प्रतिबद्ध हैं.

वहीं इस मौके पर कांग्रेस विधायक दल के नेता प्रदीप यादव ने पहलगाम में हुए आतंकी घटना की तीव्र शब्दों में निंदा करते हुए केंद्र सरकार से कठोर एक्शन लेने की मांग की है. प्रदीप यादव ने कहा कि इतने महत्वपूर्ण समय में जब पूरा देश प्रधानमंत्री मोदी से पहलगाम आतंकी घटना के दोषियों को सबक सिखाने की उम्मीद लगाए बैठा है तो प्रधानमंत्री बिहार में रैली कर रहे हैं.

झारखंड पीसीसी अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने कहा कि संविधान में भारत के नागरिकों को अधिकार दिए गए हैं, उनके अधिकारों को छीनने का प्रयास सत्ताधारी दल द्वारा किया जा रहा है. संविधान बदलने का मुखर अभियान देशवासियों के बीच चलाया जा रहा है. इस वास्तविकता से जनता को अवगत कराने के लिए राज्य स्तर के बाद जिला और विधानसभा स्तर पर झारखंड कांग्रेस रैली आयोजित करेगी. उसके बाद पार्टी के नेता-कार्यकर्ता घर-घर जाकर संविधान में दिए गए अधिकारों से लोगों को अवगत कराएंगे, संविधान के प्रति जागरूकता का यह महाअभियान है.उन्होंने कहा कि जिस दिन आम लोगों के घरों में बाबा साहेब का संविधान होगा और जनता सजग रहेगी, तब तक कोई उनके अधिकार को छीन नहीं सकेगा.

झारखंड कांग्रेस विधायक दल नेता प्रदीप यादव ने कहा कि पहलगाम की घटना निंदनीय है. जिस प्रकार हिंदुओं को चुन-चुन कर मारा गया है उससे साफ है कि आतंकी चाहते हैं कि देश में वैमनस्यता फैलै, देश की एकता कमजोर हो. उन्होंने कहा कि इस मामले में भारत सरकार को कठोर कार्रवाई करनी चाहिए. आज देश में एकता की जरूरत है. आतंकियों और उनके पीछे बैठे पाकिस्तान की मंशा पर हमें पानी फेरना है. प्रदीप यादव ने कहा कि दुखद यह है कि भाजपा भी अपने फोल्डर से देश की एकता को कमजोर करने वाले तथ्यों को परोस रही है.

वहीं कांग्रेस विधायक दल के उप नेता राजेश कच्छप ने कहा कि इस देश में खाई सी बनती जा रही है, इसे पाटने के लिए उनके नेता राहुल गांधी ने एकता का संदेश देने के लिए पूरे भारतवर्ष की पदयात्रा की. कांग्रेस का मकसद है कि देश एक सूत्र में बंधा रहे. संविधान और कानून के अनुरूप देश चले. पहलगाम की घटना के विरोध में कांग्रेस सरकार के साथ खड़ी है, इस घटना के पीछे जिसका भी हाथ हो उसका पर्दाफाश हो,जो चूक हुई है उसकी जांच हो ताकि भविष्य में पुनरावृत्ति ना हो.

देश को सुरक्षित रखने के लिए कांग्रेस ने कीमत चुकायी है और संवैधानिक मूल्यों को सुरक्षित रहने के लिए आगे भी संघर्षरत रहेगी. संवाददाता सम्मेलन में पूर्व प्रदेश अध्यक्ष डॉ. प्रदीप कुमार बालमुचू, प्रदेश मीडिया प्रभारी राकेश सिन्हा, मीडिया विभाग के चेयरमैन सतीश पॉल मुंजनी, प्रवक्ता सोनाल शांति, जगदीश साहू, सोशल मीडिया के गजेंद्र सिंह भी उपस्थित थे. और उसके समर्थकों, साजिशकर्ताओं की पहचान करेगा, उनका पता लगाएगा और उन्हें सजा देगा। हम उन्हें धरती के अंत तक खदेड़ेंगे। उन्हें उनकी कल्पना से परे सजा दी जाएगी, पीएम मोदी ने पंचायती राज दिवस के अवसर पर उत्तर बिहार के मधुबनी जिले के झंझारपुर में दर्शकों को संबोधित करते हुए अंग्रेजी में कहा।

सिंधु जल समझौता खत्म होने का पाकिस्तान पर कितना फर्क पड़ेगा?

ब्यूरो

पहलगाम में आतंकी हमले के बाद भारत द्वारा सिंधु जल संधि को स्थगित करने से पाकिस्तान के साथ तनाव बढ़ गया है। इससे पाकिस्तान की कृषि, जल सुरक्षा और अर्थव्यवस्था को खतरा है, जबकि भारत को अंतरराष्ट्रीय प्रतिक्रिया और घरेलू चुनौतियों का जोखिम है। भारत ने हाल ही में पहलगाम में हुए एक आतंकी हमले के बाद इंडस वाटर्स ट्रीटी (सिंधु जल संधि) को निलंबित कर दिया है, जिससे पाकिस्तान के साथ तनाव और बढ़ गया है। यह संधि, जो 1960 में विश्व बैंक की मध्यस्थता में हुई थी, दोनों देशों के बीच सहयोग का एक दुर्लभ प्रतीक थी। इस कदम से पाकिस्तान की कृषि, जल सुरक्षा और अर्थव्यवस्था पर गंभीर खतरा मंडरा रहा है, वहीं भारत को भी अंतरराष्ट्रीय आलोचना और घरेलू चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है। इंडस वाटर्स ट्रीटी के तहत, सिंधु नदी प्रणाली की छह नदियों- सिंधु, झेलम, चिनाब, रावी, ब्यास और सतलुज-का पानी भारत और पाकिस्तान के बीच बांटा गया था। पाकिस्तान को सिंधु, झेलम और चिनाब का अधिकांश पानी मिलता है, जो उसकी कृषि के लिए जीवन रेखा है। पाकिस्तान की लगभग 60% आबादी प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से कृषि पर निर्भर है, और सिंधु नदी प्रणाली उसकी 90% से अधिक सिंचाई की जरूरतों को पूरा करती है। संधि के निलंबन से पाकिस्तान को पानी की भारी कमी का सामना करना पड़ सकता है, जिससे उसकी खाद्य सुरक्षा खतरे में पड़ सकती है। इसके अलावा, पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था पहले से ही संकट में है। पानी की कमी से बिजली उत्पादन पर भी असर पड़ेगा, क्योंकि सिंधु नदी पर बने बांध और जलविद्युत परियोजनाएं उसकी ऊर्जा जरूरतों का एक बड़ा हिस्सा पूरा करती हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि पानी की कमी से सामाजिक अशांति और आर्थिक अस्थिरता बढ़ सकती है, जिसका फायदा आतंकी संगठनों को मिल सकता है। भारत का यह कदम पाकिस्तान को जवाब देने का एक सख्त कूटनीतिक संदेश है, लेकिन

इसके अपने जोखिम भी हैं। सबसे पहले, इस निलंबन से भारत की अंतरराष्ट्रीय छवि को नुकसान पहुंच सकता है। इंडस वाटर्स ट्रीटी को विश्व बैंक ने मध्यस्थता के साथ लागू किया था, और यह दोनों देशों के बीच सबसे टिकाऊसमझौतों में से एक रहा है, जो 1965 और 1971 के युद्धों के दौरान भी बरकरार रहा। संधि को तोड़ने से भारत पर एकतरफा कार्रवाई का आरोप लग सकता है, जिससे विश्व बैंक और अन्य अंतरराष्ट्रीय मंचों पर उसे आलोचना का सामना करना पड़ सकता है। दूसरा, भारत के लिए घरेलू चुनौतियां भी हैं। पंजाब और राजस्थान जैसे राज्यों में पहले से ही पानी की कमी एक बड़ा मुद्दा है। संधि के निलंबन से भारत इन नदियों का पानी अपने उपयोग के लिए रोक सकता है, लेकिन इसके लिए बड़े पैमाने पर बुनियादी ढांचे, जैसे बांध और नहरें, बनाने की जरूरत होगी। यह एक लंबी और महंगी प्रक्रिया होगी, और इस दौरान स्थानीय किसानों और समुदायों के बीच पानी को लेकर विवाद बढ़ सकते हैं। यह पूरा विवाद तब शुरू हुआ जब जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में एक आतंकी हमले में 26 भारतीय पर्यटक मारे गए। भारत ने इस हमले का आरोप पाकिस्तान समर्थित आतंकी संगठनों पर लगाया। जवाब में भारत ने न केवल सैन्य कार्रवाई की धमकी दी, बल्कि इंडस वाटर्स ट्रीटी को निलंबित करने का फैसला भी लिया। भारत का कहना है कि पाकिस्तान आतंकवाद को बढ़ावा दे रहा है, और जब तक वह आतंकी गतिविधियों को रोक नहीं लेता, तब तक संधि को लागू रखना संभव नहीं है। इंडस वाटर्स ट्रीटी 1960 में तत्कालीन भारतीय प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू और पाकिस्तान के राष्ट्रपति अयूब खान ने हस्ताक्षर किए थे। इसके तहत, भारत को रावी, ब्यास और सतलुज का पूरा नियंत्रण मिला, जबकि पाकिस्तान को सिंधु, झेलम और चिनाब का अधिकांश पानी आवंटित किया गया। भारत को पश्चिमी नदियों (सिंधु, झेलम, चिनाब) के पानी का सीमित उपयोग, जैसे सिंचाई और बिजली उत्पादन के लिए, करने की अनुमति थी, लेकिन उसे पानी रोकने की अनुमति नहीं थी। यह संधि दोनों देशों के बीच तनाव के बावजूद एक स्थिर व्यवस्था के रूप में काम करती रही। इस निलंबन से भारत-पाकिस्तान संबंध और खराब हो सकते हैं। पाकिस्तान ने इस कदम को "जल युद्ध" की घोषणा करार दिया है और विश्व बैंक से हस्तक्षेप की मांग की है। विश्व बैंक ने दोनों देशों से संयम बरतने और बातचीत के जरिए समाधान निकालने की अपील की है, लेकिन मौजूदा तनाव को देखते हुए यह मुश्किल लगता है। कुछ विशेषज्ञों का मानना है कि भारत का यह कदम एक रणनीतिक दबाव की रणनीति है, जिसका मकसद पाकिस्तान को आतंकवाद के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए मजबूर करना है। लेकिन अगर यह रणनीति उलटी पड़ती है, तो दोनों देशों के बीच तनाव और बढ़ सकता है, जिसका असर पूरे दक्षिण एशिया पर पड़ेगा। इंडस वाटर्स ट्रीटी का निलंबन भारत और पाकिस्तान के बीच पहले से ही तनावपूर्ण रिश्तों में एक नया अध्याय जोड़ता है। यह कदम पाकिस्तान के लिए एक बड़ा झटका है, लेकिन भारत को भी इसके परिणाम भुगतने पड़ सकते हैं। दोनों देशों को इस संकट से निपटने के लिए कूटनीतिक रास्ता अपनाना होगा, वरना इसका असर न केवल इन दोनों देशों पर, बल्कि पूरे क्षेत्र की स्थिरता पर पड़ सकता है।

भारत के 'सिंधु वाटर बम' से बौखलाया पाकिस्तान शिमला समझौते से हटने का कर सकता है ऐलान

विवेक सिंह

इस्लामाबाद : दक्षिण एशिया में दो परमाणु शक्ति संपन्न पड़ोसियों भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव लगातार बढ़ता जा रहा है। मंगलवार को हुए पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ बड़ा ऐक्शन लेते हुए सिंधु नदी जल संधि पर रोक लगा दी है। भारत ने कहा है कि जब तक पाकिस्तान सीमा पार आतंकवाद पर प्रभावी रूप से रोक नहीं लगाता है, वह जल संधि को जारी नहीं रखेगा। इस फैसले से पाकिस्तान की बर्बादी तय मानी जा रही है, क्योंकि संधि के तहत उसे भारत से पानी मिलता है। पाकिस्तान भारत के इस कदम का जवाब देने की योजना बना रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक, भारत के सिंधु जल समझौते पर रोक के बाद पाकिस्तान ऐतिहासिक शिमला समझौता 1972 से हटने की तैयारी कर रहा है। भारत और पाकिस्तान ने 2 जुलाई 1972 को शिमला समझौते पर हस्ताक्षर किए थे। यह समझौता 1971 के भारत और पाकिस्तान युद्ध में पाकिस्तानी सेना की करारी हार के बाद हुआ था। इस समझौते ने दोनों देशों के बीच शांतिपूर्ण तरीके से विवादों के निपटारे की आधारशिला रखी। समझौते के सबसे महत्वपूर्ण सिद्धांतों में दोनों देशों द्वारा इस बात पर प्रतिबद्धता जताना था कि वे अपने विवादों को शांतिपूर्ण तरीके से, वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलओसी) को पार किए बिना निस्तारण करेंगे। पाकिस्तान के रणनीतिक हलकों शिमला समझौते से हटने की चर्चा तेज हो गई है। इसे लेकर शहबाज शरीफ के ऊपर दबाव बनाया जा रहा है। पाकिस्तान के वरिष्ठ पत्रकार हामिद मीर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'पाकिस्तान में नई बहस। अगर भारत सिंधु जल संधि को अलविदा कहने पर अड़ा है, जिसकी मध्यस्थता विश्व बैंक ने की थी, तो पाकिस्तान को भी शिमला समझौते से पीछे हटने का अधिकार है, जिसकी मध्यस्थता किसी अंतरराष्ट्रीय संस्था ने नहीं की थी। इसके पहले बुधवार को भारत ने पाकिस्तान के साथ चल रही सिंधु नदी जल संधि को तत्काल स्थगित करने का फैसला लिया था। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता विक्रम मिस्त्री ने बताया कि सिंधु जल संधि (1960) को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। यह संधि तभी बहाल की जाएगी, जब पाकिस्तान सीमा पार आतंकवाद का समर्थन करना बंद कर देगा। इसके अलावा अटारी एकीकृत चेक पोस्ट को तत्काल प्रभाव से बंद किया जा रहा है, जो लोग वैध दस्तावेजों के साथ इस मार्ग से भारत आए हैं, वे 1 मई से पहले लौट सकते हैं। इसके साथ ही, विदेश मंत्रालय ने कहा कि सार्क वीजा छूट योजना (एसवीईएस) के तहत पाकिस्तानी नागरिकों को भारत की यात्रा करने की अनुमति नहीं दी जाएगी। पाकिस्तानी नागरिकों को पहले जारी किए गए किसी भी एसवीईएस वीजा को रद्द माना जाएगा। एसवीईएस वीजा के तहत भारत में मौजूद सभी पाकिस्तानी नागरिकों को 48 घंटे के भीतर भारत छोड़ना होगा।

'मैं ईसाई हूं तो जमीन पर गिराकर गोली मार दी', बेटे को घोड़े वाले ने बचाया, पति को खोने वाली जेनिफर

मुनेश्वर कुमार

इंदौर : पहलगाम में हुए आतंकी हमले में आतंकियों ने पहले पर्यटकों के साथ मिलकर इलाके की रेकी की। फिर उन्होंने हमला किया। इस हमले में कई लोगों की जान गई। लेकिन, कुछ बहादुर लोगों ने कई जानें बचाईं। इनमें घोड़े वाले शामिल थे। उन्होंने इंदौर के एक युवक की जान बचाई। इस युवक के पिता सुशील की इस हमले में मौत हो गई। यह दुखद घटना इंदौर के नाथनियल परिवार के साथ हुई। सुशील की पत्नी जेनिफर ने अपनी सास और सुशील की मौसी रोसिना कुमरावत को इस हमले के बारे में बताया। जेनिफर ने बताया कि पहलगाम की बैसरन घाटी में सुबह का मौसम बहुत अच्छा था। उन्हें बिल्कुल भी अंदाजा नहीं था कि आगे क्या होने वाला है। जेनिफर ने रोसिना को इंदौर एयरपोर्ट से लौटते वक्त बताया कि हम सुबह 11 बजे निकले थे। उस दिन घाटी में बहुत भीड़ थी। वहां कई घोड़े थे। मुझे घुड़सवारी का अनुभव नहीं था, इसलिए मैं थोड़ी घबराई हुई थी। जेनिफर, सुशील और उनका बेटा ऑस्टेन घोड़ों पर बैठकर घाटी में घूमने निकले। उन्होंने चाय-नाश्ता किया और तस्वीरें खींची। जेनिफर ने बताया कि भीड़ में दो लोग कश्मीरी लिबास में थे। वे मवेशी चरा रहे थे। जेनिफर को पहले वे संदिग्ध नहीं लगे। लेकिन, एक आदमी बार-बार घूम रहा था। वह दूसरे पर्यटकों की तरह तस्वीरें नहीं खींच रहा था। जेनिफर को उसकी हरकतों पर शक हुआ। उन्हें लगा कि कुछ बुरा होने वाला है। कुछ ही देर बाद, तीन आदमी फौजी कपड़ों में भीड़ से निकले और अंधाधुंध गोलियां चलाने लगे। जेनिफर ने बताया कि किसी को भी रिएक्ट करने का मौका नहीं मिला। जो लोग रेकी करने आए थे, वे गायब हो गए। गोलियां चलने लगीं। दो जुड़वां लड़कों को बुरी तरह से गोली लगी। उन्हें बचने का मौका भी नहीं मिला। जेनिफर के अनुसार कि जब यह सब हो रहा था, तो मेरे पति ने मेरी तरफ एक जैकेट फेंकी। ऐसा लग रहा था कि वे मुझे गोलियों से बचाना चाहते हैं। इसी बीच, वे मेरे पति के पास आए। उन्होंने उनके सिर पर बंदूक रखी और उन्हें कलमा पढ़ने को कहा। जब उन्होंने कहा कि वे ईसाई हैं, तो उन्होंने उन्हें जमीन पर गिरा दिया और कई गोलियां मारीं। वहीं, जेनिफर ने आगे बताया कि गोलियां हवा में चीर रही थीं। मैं कुछ नहीं कर सकी। मुझे धक्का दे दिया गया। मैं किसी को नहीं बचा सकी। उनकी आवाज कांप रही थी। रोसिना ने बताया कि सुशील और जेनिफर की बेटी आकांक्षा उनके साथ घाटी में नहीं गई थी। वह तलहटी में ही थी। जब उसकी मां ने उसे फोन पर बताया कि आतंकियों ने उसके पिता को गोली मार दी है, तो वह तुरंत घटनास्थल की ओर भागी। इस दौरान वह घायल हो गई। रोसिना ने बताया कि आकांक्षा को कैसे चोट लगी, यह अभी तक स्पष्ट नहीं है। रोसिना ने बताया कि ऑस्टेन को स्थानीय घोड़े वालों ने बचाया। उन्होंने उसे घोड़ों के पीछे छिपा दिया और अलग-अलग रास्तों से नीचे ले आए। इस घटना ने नाथनियल परिवार को गहरा सदमा पहुंचाया है। सुशील की मौत से परिवार में मातम छाया हुआ है। जेनिफर ने अपने परिवार को बताया कि मेरे पति ने मुझे बचाने की कोशिश की। उन्होंने अपनी जान दे दी। गौरतलब है कि सुशील नाथनियल का पार्थिव शरीर बुधवार की रात इंदौर पहुंचा था। एयरपोर्ट पर सीएम मोहन यादव समेत कई मंत्रियों ने उन्हें श्रद्धांजलि दी थी। गुरुवार की सुबह इंदौर में उनका अंतिम संस्कार किया गया है। साथ ही चर्च में उनके लिए विशेष प्रार्थना की गई है।

एक और स्टार्ट अप का दुखद अंत, 10 हजार ड्राइवर सड़क पर

मधुरेंद्र सिन्हा

भारत में इलेक्ट्रिक कैब सेवा स्टार्टअप जेनोसोल के ब्लूस्मार्ट के बंद होने से हजारों लोग बेरोजगार हो गए हैं। कंपनी ने फंड का दुरुपयोग किया। भारत में किसी स्टार्टअप का इस तरह बंद होना, दुखद है। वो भी तब जब इनकी सफलता के किस्से सुनाए जा रहे थे। भारत में इस समय 1.59 लाख से भी ज्यादा स्टार्ट अप काम कर रहे हैं जिनमें कुछ तो चमक रहे हैं और कुछ लुढ़क रहे हैं। ऐसा ही एक स्टार्ट अप है जेनोसोल जो ब्लू स्मार्ट के नाम से इलेक्ट्रिक कारों की कैब सर्विस बड़े शहरों में उपलब्ध करा रहा था। लेकिन अचानक ही खबर आई कि यह बंद हो गया। नतीजतन इसके 500 कर्मचारी, एग्जिक्युटिव और लगभग 10 हजार ड्राइवर सड़क पर आ गये हैं। कंपनी ने उन सभी से इलेक्ट्रिक कारें वापस मांग ली। इनकी तादाद 8700 थी। जिन निवेशकों ने इस कंपनी में पैसा लगाया वह डूबने के कगार पर है। इनमें तो दो सार्वजनिक प्रतिष्ठान हैं जिन्होंने इसे लोन दिया था। एक है पॉवर फाइनेंस कॉर्पोरेशन और दूसरा है इंडियन रिन्यूवेबल एनर्जी डेवलपमेंट एजेंसी लिमिटेड। इन दोनों ने जेनसोल को इलेक्ट्रिक कारें खरीदने के लिए लगभग 978 करोड़ रुपये का लोन दिया था। नीले-सफेद रंग की चमचमाती इलेक्ट्रिक कारें आप सभी ने देखी होगी जिन पर बड़े अक्षरों में लिखा होता था ब्लू स्मार्ट। आपने इनकी सवारी भी की होगी और पाया होगा कि इनकी सर्विस बेहतरीन है और ड्राइवर बहुत ही सभ्य तथा प्रशिक्षित। बेंगलुरु, दिल्ली और मुंबई में ये बड़ी तादाद में कैब के रूप में यात्रियों को उनके गंतव्य पर पहुंचा रही थीं। इनके रेट भी पॉकेट के अनुकूल थे और ये पहले से रिजर्व किये जा सकते थे। ग्राहकों की संतुष्टि में यह कंपनी अपने प्रतिद्वंद्वियों से कहीं आगे थी। जेनसोल ग्रुप के संस्थापक जग्गी बंधुओं तथा दो अन्य ने यह स्टार्ट अप शुरू किया था और उसमें अनमोल जग्गी चेयरमैन हैं। 2018 में बेंगलुरु में जेनोसोल समूह ने नई कंपनी ब्लू स्मार्ट की स्थापना हुई थी और धीरे-धीरे उबर तथा ओला को टक्कर देने लगी। कंपनी उन्हीं के पूरे नियंत्रण में थी और वह जैसा चाहते थे, वैसा ही होता था। उन्होंने आदेश दिया कि कंपनी के 500 कर्मचारी घर से काम करें। ऐसा ही हुआ लेकिन यह एक चाल थी ताकि समय पर कंपनी बंद कर दी जाये। कंपनी बंद करके उन कर्मियों को दो महीने की सैलरी तक नहीं दी गई। अब कई मीडिया संस्थान अनमोल जग्गी से पूछताछ कर रहे हैं लेकिन उन्होंने किसी ईमेल या फोन का जवाब नहीं दिया है और पर्दे के पीछे चले गये हैं। बाजार नियामक सेबी ने न केवल इनकी जांच शुरू कर दी है बल्कि जग्गी बंधुओं पर प्रतिबंध लगा दिया है कि वे शेयर बाजार में न उतरें। उसने अपने 29 पेज के अंतरिम आदेश में साफ कहा है कि निवेशकों के पैसे का दुरूपयोग और डयवर्जन हुआ है। पता चला है कि निवेशकों की 977.75 करोड़ रुपये की पूंजी को जग्गी बंधुओं पुनीत सिंह जग्गी और अनमोल सिंह जग्गी ने इधर-उधर कर दिया है। ये पैसे इलेक्टिरिक कारें खरीदने के लिए दिये गये थे। सेबी ने कहा है कि जग्गी बंधुओं ने सेबी को बरगलाने का षडयंत्र किया है।.सेबी ने कहा है कि कंपनी ने रेटिंग एजेंसियों के फर्जी पत्र उसे दिये हैं। जग्गी भाइयों ने बिजनेस में लगाने के लिए दिये धन को बेदर्दी से उड़ाया। यह भी पता चला है कि भाइयों ने गुड़गांव के अति पॉश कैमेलिया हाउसिंग सोसायटी में 35 करोड़ का फ्लैट खरीदा है। उन्होंने 20-20 करोड़ रुपये अपने नजदीकी रिश्तेदारों को भी बांटा है। सेबी के आदेश के बाद दोनों भाइयों ने अपने-अपने पदों से इस्तीफा दे दिया है लेकिन अब इससे ही काम चलने वाला नहीं है क्योंकि इन भाइयों के खिलाफ ईडी ने भी जांच शुरूकर दी है जिसका कहना है कि इन लोगों ने सट्टेबाजी के लिए कुख्यात बहुचर्चित महादेव बुक ऐप्प के जरिये पैसे अपने आईपीओ में लगाये थे। ईडी ने इनकी पैरेंट कंपनी जेवसोल के पांच लाख शेयरों को फ्रीज कर दिया है। इस कंपनी के शेयरों का हाल भी बुरा है। ये शेयर अपने अधिकतम रेट 1126 रुपये प्रति शेयर से गिरकर अब 106 रुपये पर जा पहुंचा है जिससे निवेशक सक्ते में हैं। इस कंपनी में भारत सरकार के दो प्रतिष्ठानों ने भारी निवेश किया था। जेनसोल ने कुल 977.75 करोड़ रुपये का लोन लिया था। इसमें से 663.89 करोड़ रुपये 6,400 इलेक्ट्रिक वाहनों की खरीदे के लिए मुकर्रर किये गये थे लेकिन सेबी के मुताबिक कंपनी ने इस पैसे से सिर्फ 4.704 कारें खरीदीं। इनकी कीमत 567.73 करोड़ रुपये थी। यानी 262.13 करोड़ रुपये का कोई अता-पता नहीं है। शर्तों के मुताबिक जेनोसोल को इक्विटी में 20 फीसदी खर्च करना था जो उसने नहीं किया। जेनोसोल में निवेश करने वालों में देश के मशहूर खिलाड़ी महिन्द्र सिंह धोनी, सुपर स्टार दीपिका पादुकोण और भारत पे के अशनीर ग्रोवर भी हैं। बताया जा रहा है कि दीपिका ने 30 लाख डॉलर की फंडिंग की थी। ऐसा बताया जाता है कि पूर्व भारतीय कप्तान क्रिकेटर धोनी ने इस कंपनी में 400 करोड़ रुपये से भी ज्यादा की फंडिंग की है। बजाज कैपिटल्स के एमडी संजीव बजाज ने भी 2019 में 30 लाख डॉलर की फंडिंग की थी। निवेशकों के साथ इतनी बड़ी धोखाधड़ी का यह मामला हमें अतीत में हुए रैनबैक्सी घोटाले की याद दिलाता है जिसमें भी दो भाई मालविंदर सिंह और शिवेन्दर सिंह ने बहुत बड़ा फ्रॉड किया था और अब वे दोनों जेल में हैं। 2013 में इस धोखाधड़ी की परतें खुलीं और तब लोगों को इन भाइयों की कारगुजारी का पता चला। इन दोनों ने अमेरिका में भी धोखाधड़ी की थी जहां उन्हें मोटी रकम का जुर्माना भुगतने का आदेश दिया गया है। दिल्ली पुलिस के आर्थिक अपराध विंग ने 2397 करोड़ रुपये की हेराफेरी का आरोप इन लोगों पर लगाया था। बहरहाल जेनोसोल की कहानी भारत के कॉर्पोरेट में सेक्टर में हुए बड़े घोटालों की एक दास्तान है। लालच और अति महत्वाकांक्षा ने एक नए स्टार्ट अप को विनाश की ओर धकेल दिया है। इसके प्रमोटर मुफ्त के पैसे से अय्याशी करना चाहते थे लेकिन अब उनकी जिंदगी में कांटे ही कांटे ।

संक्षिप्त समाचार

राज्य में पड़ रही भीषण गर्मी को देखते हुए स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग ने विद्यालयों के समय सारणी में किया परिवर्तन

आदिवासी एक्सप्रेस
हजारीबाग। राज्य में पड़ रही भीषण गर्मी को देखते हुए स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग, झारखंड सरकार द्वारा आदेश जारी कर विद्यालयों की समय सारणी में परिवर्तन किया है। यह परिवर्तन छात्रों और शिक्षकों के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए किया गया है। जारी आदेश के अनुसार जिले के सभी सरकारी, गैर-सरकारी सहायता प्राप्त, निजी और अल्पसंख्यक विद्यालयों के संचालन के समय में बदलाव किया गया है। अब विद्यालय वर्ग केजी से वर्ग 8 तक की कक्षाएं सुबह 7ः00 बजे से दोपहर 11ः30 बजे तक संचालित होंगे। तथा वर्ग 9 से वर्ग 12 तक की कक्षाएं सुबह 7 बजे से दोपहर 12 बजे तक संचालित की जायेंगी।
यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू किया गया है और अगले आदेश तक प्रभावी रहेगा। इस परिवर्तन का मुख्य उद्देश्य छात्रों को अत्यधिक गर्मी और लू से बचाना है, जिससे उनके स्वास्थ्य पर कोई नकारात्मक प्रभाव न पड़े। निजी विद्यालयों का संचालन संबंधित विद्यालय के दिशा निर्देशों के अनुरूप आरटीआई अधिनियम एवं प्रबंधन के प्रावधानों के तहत संचालित होंगे। यह आदेश दिनांक 26.4.2025 के प्रभाव से लागू होगा।

शिक्षक रामदुलार साव जेल में रहने से पठन पाठन में परेशानी हो रहा है

आदिवासी एक्सप्रेस
बड़कागांव। चेपाकला पंचायत के अंतर्गत ग्राम जुगरा पन्नावाटांड़ टोला उत्क्रमित प्राथमिक विद्यालय के सहायक शिक्षक रामदुलार कुमार साव 29 मार्च 2025 से जेल में है । जिसके कारण बच्चों का पठन पाठन बाधित हो रही है। विद्यालय के सचिव बालदेव साव अकेले विद्यालय को देखरेख कर रहे हैं । स्कूल के निरीक्षण में विधानसभा सांसद सह प्रतिनिधि पंसस कृष्णा राम ने स्कूल में पानी की समस्या को देखते हुए प्रखंड विकास पदाधिकारी जितेंद्र मंडल से बात करके अभिलंब पानी पूर्ति कराने की मांग की है । जल मीनार खराब होने के कारण बच्चों को पानी पीने एवं मध्यान भोजन बनाने में काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ा रहा है। उपस्थित ग्रामीणों ने कहा कि हमारे गांव में पानी की घोर समस्या है, इसके अलावा देश की आजादी के बाद आज तक हमारे गांव में बिजली नहीं आई है । जो बहुत ही दुख की बात है। वहीं ग्रामीणों ने विद्यालय का मरम्मती एवं चाहरदीवारी बनाने की मांग की है । कृष्ण राम ने कहा कि मैं सांसद से बात करके बिजली लाने का मांग रखूंगा। मौके पर कृष्ण राम, बालदेव साव, खैंटा सिंह भोगता, अमृता भोगता,बालेश्वर गंझु, मघा गंझु, छोटु गंझु, चेतलाल गंझु, देवा गंझु, तालकेश्वरी गंझू, मंजू देवी,जीरवा देवी, शांति देवी, फागुनी देवी, कमली देवी एवं ग्रामीण लोग उपस्थित थे।

विश्व मलेरिया दिवस 2025 के अवसर पर जिला टास्क फोर्स की बैठक, मलेरिया के रोकथाम एवं बचाव पर हुई विस्तृत चर्चा

आदिवासी एक्सप्रेस
हजारीबाग। विश्व मलेरिया दिवस 2025 के अवसर पर आज दिनांक 24.04.2008 को सिविल सर्जन डॉ एस.पी सिंह की अध्यक्षता में जिला टास्क फोर्स एवं प्रेस मिडिया की बैठक सिविल सर्जन सभागार में आयोजित की गई। इस बैठक में नगर आयुक्त, हजारीबाग, अपर मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी, जिला मी.बी वी पदाधिकारी, जिला आसीएम पदाधिकारी जिला कुष्ठ निवारण पदाधिकारी, जिला पकना पदाधिकारी जिला समाज कल्याण पदाधिकारी, हजारीबाग जिले के सभी प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी एवं प्रेस मिडिया के प्रतिनिधि उपस्थित थे। सिविल सर्जन द्वारा उपस्थित सभी सदस्यों को बताया गया कि मलेरिया की समाप्त करने के लिए किए जा रहे प्रयासों पर ध्यान आकर्षित करने, बीमारी से होने वाली पीड़ा और मृत्यु को कम करने के लिए विश्व मलेरिया दिवस प्रतिवर्ष 25 अप्रैल को मनाया जाता है। मौके पर उपस्थित प्रेस मिडिया के बन्धुओं से आग्रह किया गया कि मलेरिया के रोकथाम तथा जन जागरूकता के लिए दैनिक समाचार पत्रों के माध्यम से इसका व्यापक प्रचार किया जाय ताकि जनहित में इसका लाभ मिल सके।
जिला भीबीडी. पदाधिकारी डॉ. एस के सुबोध द्वारा बताया गया कि हजारीबाग में वर्ष 2024 में कुल 3,03,353 लोगों का जांच किया गया, जिसमें 208 व्यक्ति मलेरिया से ग्रसित पाए गए थे उनमें से 169 लोगों में मलेरिया केल्सीपेरम पाया गया। सभी 208 लोगों का उपचार करा दिया गया। जिला भी.बी.डी पदाधिकारी द्वारा बैठक में उपस्थित सभी सदस्यों को मलेरिया से बचने के लिए

उपाय बताये गये:
जमे हुए पानी को खत्म करना, संभव न तो उस पानी में कीटनाशक या जला हुआ मोबिल डाले ताकि मच्छर उस पानी में अण्डे न दे सकें, पानी की टंकी को ढक कर रखें, घरों की छत पर अनावश्यक रूप से ऐसे सामान न रखे जिसमें बारीश का पानी जमा हो सके।
कूलर, फ्रीज और फूलदान का पानी हटाकर सप्ताह में एक दिन अवश्य सुखा लें, ग्रामीण क्षेत्रों में घर के अन्दर की दीवारों पर कीटनाशी का छिड़काव करवाएं, मलेरिया होने पर चिकित्सक की सलाह माने और सही समय पर दवा लें साथ ही पौष्टिक खाने पर ध्यान दें, बिना मछरदानी के नहीं सोएं, टूटे हुए बर्तन, प्रयोग में नहीं आनेवाले बोतल, टिन, बेकार के टायर को जमा न रखे क्योंकि बारिश के मौसम में इन्हीं पानी में मलेरिया डेंगू के मच्छर पनप सकते हैं, पानी रखने वाले बर्तन, टंकी को खुला न छोडे, कीटनाशी छिडकाव के बाद घर की लिपाई पोताई नहीं करें, बुखार को नजरअंदाज नहीं करें, खाली पेट दवा का सेवन नहीं करें।
उक्त बैठक में जिला भी. बी. डी कार्यालय के जिला भी बी डी. सलाहकार मैमूर सुलतान मलेरिया निरीक्षक गहेन्द्र पाल एफ.एल.ए रामाशंकर, फैयाज आलम एवं अन्य कार्यालय कर्मी उपस्थित थे।

रामनवमी संरक्षण समिति ने उपायुक्त, पुलिस अधीक्षक सहित अन्य पदाधिकारियों को किया सम्मानित

हजारीबाग के युवाओं ने प्रभु श्री राम के आदर्शों का किया पालनः निशांत कुमार प्रधान

आदिवासी एक्सप्रेस
हजारीबाग। राष्ट्रीय स्तर पर ख्याति प्राप्त हजारीबाग की रामनवमी के सफल समापन को लेकर हजारीबाग रामनवमी संरक्षण समिति ने परम्परा का निर्वहन करते हुए हजारीबाग के उपायुक्त नैंसी सहाय, पुलिस अधीक्षक अरविंद कुमार सिंह, अनुमंडल पदाधिकारी बैजनाथ कामती, अपर समाहर्ता संतोष कुमार सिंह, डी सी एल आर राजकिशोर प्रसाद को धार्मिक ग्रन्थ रामायण की पुस्तक और अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया एवं शांतिपूर्ण रामनवमी के सफल समापन को लेकर धन्यवाद किया। हजारीबाग उपायुक्त नैंसी सहाय ने कहा कि हजारीबाग की रामनवमी के सफल समापन में हजारीबाग के लोगों का सहयोग रहा है साथ ही रामनवमी संरक्षण समिति ने अपने कर्तव्यों का निर्वहन करते हुए अपनी भागीदारी सुनिश्चित किया है मुझे आशा ही नहीं बल्कि पूर्ण विश्वास है की आने वाले दिनों में रामनवमी संरक्षण समिति ऐसे ही अपने कर्तव्यों का निर्वहन करेगी वहीं पुलिस अधीक्षक अरविंद कुमार सिंह ने कहा कि रामनवमी के दौरान रामनवमी संरक्षण समिति का जिला प्रशासन और पुलिस प्रशासन को सहयोग मिलता रहा वहीं आगे उन्होंने कहा कि रामनवमी के दौरान संरक्षण समिति ने दंगल प्रतियोगिता का आयोजन करवाया जो आने वाले समय के लिए प्रेरणास्त्रोत बन सकता है। वहीं संरक्षण समिति के कार्यकारी अध्यक्ष निशांत कुमार प्रधान ने कहा कि हजारीबाग के युवाओं ने प्रभु श्री राम के आदर्शों का पालन किया द्य हजारीबाग की रामनवमी हजारीबाग की पहचान है जिसके सफल समापन के लिए जिला प्रशासन का विशेष योगदान रहता है वहीं हजारीबाग उपायुक्त की प्रशंसा करते हुए कहा कि लगातार चार वर्षो से हजारीबाग की रामनवमी के सफल समापन के लिए मातृशक्ति के रूप में उपायुक्त ने नेतृत्व किया जो एक इतिहास है साथ ही साथ पुलिस अधीक्षक अरविंद कुमार सिंह की तारीफ करते हुए उन्होंने कहा कि हजारीबाग के रामनवमी के जुलूस का शांतिपूर्ण समापन में पुलिस अधीक्षक अरविंद कुमार सिंह का अतुलनीय योगदान है जुलूस के दौरान हजारीबाग के सभी क्षेत्रों में पुलिस की चाक चौबंद व्यवस्था रही चप्पे चप्पे पर पुलिस निगरानी करती रही जिससे हजारीबाग की रामनवमी शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण रूप से सम्पन्न हुआ। आगे उन्होंने रामनवमी में सक्रिय रूप से अपने दायित्वों का निर्वहन करने वाले संरक्षण समिति के पदाधिकारी एवं सदस्यों का भी धन्यवाद किया रामनवमी संरक्षण समिति के संरक्षक राजकुमार यादव ने कहा कि हजारीबाग की परम्परागत रामनवमी के सफल संचालन के लिए जिला प्रशासन और पुलिस प्रशासन बधाई के पात्र हैं द्य मौके पर समाजसेवी डॉ प्रभात कुमार प्रधान, संरक्षण समिति सचिव राजेश गोप, रामनवमी संरक्षण समिति मीडिया प्रभारी प्रदीप कुमार सिन्हा, अभिषेक पांडेय सहित अन्य लोग शामिल थे।

संजीवनी सेवा कुटीर को हटाने के फरमान के बाद सदर विधायक प्रदीप प्रसाद ने किया प्रेस वार्ता

- **इंसानियत की सेवा को धर्म के चश्मे से मत देखिए, सेवा कुटीर नहीं हटेगाः प्रदीप प्रसाद**
- **आप एक सेवा कुटीर हटाएँगे, तो हम सौ सेवा कुटीर खड़े कर देंगे, हजारीबाग में सेवा महल बनेगा, पर सेवा कुटीर अपनी जगह से एक इंच भी नहीं हटेगाः प्रदीप प्रसाद**

आदिवासी एक्सप्रेस
हजारीबाग। राज्य के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी द्वारा सदर अस्पताल परिसर में संचालित संजीवनी सेवा कुटीर को हटाने के निर्देश दिए जाने के बाद, सदर विधायक प्रदीप प्रसाद ने गुरुवार को एक विशेष प्रेस वार्ता आयोजित कर इस निर्णय का विरोध किया। उन्होंने इसे जनसेवा पर आघात बताते हुए कहा कि यह कार्य न सिर्फ असंवेदनशील है, बल्कि राजनीतिक दुर्भावना से प्रेरित भी प्रतीत होता है। उन्होंने कहा कि यह सेवा कुटीर दिनांक 4 जनवरी 2025 को शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल परिसर में स्थापित किया गया था, और तब से आज तक करीब 6000 से अधिक जरूरतमंदों को चिकित्सा सहयोग प्रदान कर चुका है। कई आपातकालीन मामलों की सेवा बिना रजिस्ट्रेशन के भी दी गई है, क्योंकि प्राथमिकता मरीज की जान बचाना रही, कागज़ी प्रक्रिया नहीं। विधायक ने स्वास्थ्य मंत्री से सवाल किया कि वे हजारीबाग आते तो हैं, पर अस्पताल परिसर का निरीक्षण क्यों नहीं करते? सिर्फ सर्किट हाउस में बैठक कर चले जाने से उन्हें कैसे जानकारी होगी कि ज़मीनी स्तर पर क्या कार्य हो रहा है? बिना कोई जायजा लिए, सेवा कुटीर को हटाने का आदेश देना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। प्रदीप प्रसाद ने कहा की आप कहते हैं कि यह सेवा किसी विशेष समुदाय के लिए है, पर मैं स्पष्ट कर दूं कि जिन 6000 लोगों का इलाज किया गया है, उनमें हर धर्म, जाति, वर्ग के लोग शामिल हैं। हमारे पास पूरा डाटा है आप खुद आकर देख सकते हैं। अगर आप एक सेवा कुटीर हटाएँगे, तो हम सौ सेवा कुटीर खड़े कर देंगे। हजारीबाग में सेवा महल बनेगा, पर सेवा कुटीर अपनी जगह से एक इंच भी नहीं हटेगा। विधायक ने बताया कि सेवा कुटीर में 12 युवा स्वयंसेवक चौबीसों घंटे तैनात रहते हैं। बीते बुधवार को ही मरीजों की सुविधा के लिए एयर कंडीशनर लगाया गया है। यह सेवा निस्वार्थ भाव से जनमानस की भलाई हेतु संचालित है, इसका कोई राजनीतिक उद्देश्य नहीं है।

प्रेस वार्ता में कई लाभार्थियों ने भी इस आदेश के विरोध में अपनी बात रखी।
एक अल्पसंख्यक समुदाय से आए व्यक्ति ने स्पष्ट कहा मैं मुस्लिम हूं, लेकिन सेवा कुटीर ने कभी मेरा धर्म नहीं पूछा। यहां सिर्फ इंसानियत की सेवा होती है, और मैं मंत्री जी से निवेदन करता हूं कि वे अपने निर्णय पर पुनर्विचार करें।
प्रदीप प्रसाद ने यह भी बताया कि वे विधायक बनने से पूर्व लगभग 20 वर्षों तक समाजसेवा में सक्रिय रहे हैं। रक्तदान, सांप का इंजेक्शन, कोरोना काल में सेवाएं इन सभी कार्यों में उन्होंने व्यक्तिगत रूप से भाग लिया। उन्होंने कहा की मेरा उद्देश्य राजनीति नहीं, सेवा है और मैं अपने आसपास के सभी लोगों को भी इसी सोच से जोड़ता हूं।
उन्होंने एक ताज़ा घटना का भी जिक्र किया जिसमें बाबूगांव कोर्रा चौक निवासी आलेख गौरव की झील में डूबने से मृत्यु हो गई थी। विधायक ने स्वयं मौके पर पहुंचकर झील से शव निकलवाने का प्रयास किया और सफलता भी मिली। जबकि स्वास्थ्य मंत्री रात में झील पर सिर्फ वीडियो बनाकर चले गए पीड़ित परिवार से मिलना भी जरूरी नहीं समझा। विधायक ने स्पष्ट चेतावनी देते हुए कहा की मैं स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी को चेतावनी देता हूं सेवा कुटीर किसी भी कीमत पर नहीं हटेगा। हम धर्म देखकर सेवा नहीं करते, बल्कि इंसानियत के नाते करते हैं, और करते रहेंगे। प्रेस वार्ता में प्रदीप प्रसाद के साथ मनोज श्रीवास्तव, अशफाक अहमद उर्फ राजा सहित कई लोग मौजूद रहें।

मईया सम्मान योजना के लिए अब प्रज्ञा केंद्र से नहीं किए जा सकेंगे आवेदन

- **योग्य लाभुक अब केवल प्रखंड व अंचल कार्यालय में ही कर सकेंगे आवेदन**

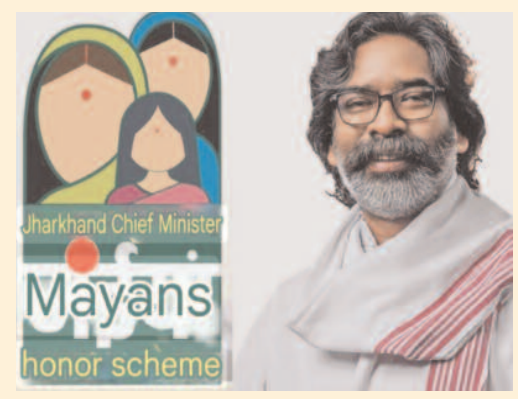

आदिवासी एक्सप्रेस
हजारीबाग। मईया सम्मान योजना झारखंड सरकार द्वारा शुरू की गई एक कल्याणकारी योजना है,जिसका उद्देश्य राज्य की महिलाओं को आर्थिक सहायता प्रदान करना है। इस योजना के तहत, पात्र महिलाओं को हर महीने 2500 की वित्तीय सहायता दी जाती है, जो सीधे उनके आधार से जुड़े बैंक खाते में हस्तांतरित की जाती है।

योजना के मुख्य उद्देश्य :
राज्य की गरीब और मध्यम वर्गीय महिलाओं को वित्तीय रूप से सशक्त बनाना। महिलाओं की आर्थिक सुरक्षा और जीवन स्तर में सुधार करना। महिलाओं को आर्थिक रूप से स्वतंत्र बनाना।

पात्रता मापदंड :
आवेदक महिला झारखंड राज्य की स्थायी निवासी होनी चाहिए। आवेदक की आयु 18 से 50 वर्ष के बीच होनी चाहिए। आवेदक या उसके पति को केंद्र/राज्य सरकार या केंद्र/राज्य सार्वजनिक उपक्रमों, सांविधिक निकाय, स्थानीय निकाय, शहरी निकाय और सरकार द्वारा सहायता प्राप्त शैक्षणिक संस्थान में नियमित/स्थायी कर्मचारी/संविदा कर्मचारी/मानदेय कर्मचारी के रूप में कार्यरत नहीं होना चाहिए या पेंशन प्राप्त नहीं कर रहा होना चाहिए।

आवश्यक दस्तावेज :
पासपोर्ट साइज फोटो, राशन कार्ड, वोटर आईडी, आधार कार्ड, बैंक पासबुक, स्व-घोषणा पत्र

आवेदन प्रक्रिया :
इच्छुक आवेदक कार्यालय समय के दौरान प्रखंड विकास अधिकारी/अंचल अधिकारी के कार्यालय में जा सकते हैं और आवेदन पत्र का निर्धारित प्रारूप प्राप्त कर सकते हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में, भरे हुए आवेदन पत्र को आवश्यक दस्तावेजों के साथ प्रखंड विकास अधिकारी के कार्यालय में जमा किया जा सकता है।
शहरी क्षेत्रों में, आवेदन पत्र अंचल अधिकारी के कार्यालय में जमा किया जा सकता है।

महत्वपूर्ण बातें :
योजना के तहत वित्तीय सहायता सीधे लाभार्थी के आधार से जुड़े बैंक खाते में जमा की जाती है।
महिलाओं का बैंक खाता आधार से जुड़ा होना अनिवार्य है। जो महिलाएं पहले से ही झारखंड सरकार के महिला, बाल विकास और सामाजिक सुरक्षा विभाग द्वारा संचालित किसी अन्य सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना का लाभ उठा रही हैं, वे इस योजना के लिए पात्र नहीं होंगी।
यह योजना झारखंड की महिलाओं को आर्थिक रूप से मजबूत बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यदि आप इस योजना के लिए पात्र हैं, तो आप निर्धारित प्रक्रिया का पालन करके आवेदन कर सकती हैं।

हजारीबाग में इलिका ग्रुप का भव्य शुभ मुहूर्त पूजन कान्हा एन्क्लेव का शुभारंभ

आदिवासी एक्सप्रेस
हजारीबाग। झारखंड के प्रतिष्ठित रियल एस्टेट डेवलपर ILIKA GROUP ने आज अपने प्रीमियम रेजिडेंशियल प्रोजेक्ट कान्हा एन्क्लेव का शुभ मुहूर्त पूजन किया। यह प्रोजेक्ट हजारीबाग टाउन के न्यू कॉलोनी, कानी बाजार में स्थित है, जो पंचमुखी हनुमान मंदिर के पास है।
कान्हा एन्क्लेव इलिका ग्रुप की एक स्टैंडअलोन प्रीमियम पेशकश है, जिसकी टैगलाइन है चुने हुए कुछ के लिए रचा गया। ज़िंदगी भर के लिए डिज़ाइन किया गया।
इस अवसर पर शुभ मुहूर्त पूजन का पावन अनुष्ठान पूज्य पिथापुरम गुरुजी (आंध्र प्रदेश) द्वारा संपन्न किया गया, जिनकी आध्यात्मिक उपस्थिति ने कार्यक्रम को और भी मंगलमय बना दिया।
इस प्रोजेक्ट में 2 और 3 बीएचके के कुल 30 हवादार और प्राकृतिक रोशनी से भरपूर फ्लैट हैं, जो आधुनिक जीवनशैली और लग्ज़री सुविधाओं का बेहतरीन संगम पेश करते हैं। प्रमुख सुविधाओं में शामिल हैं रूफटॉप स्विमिंग पूल, एसी जिम, इंडोर किड्स प्ले ज़ोन, गेम्स रूम, एयर कंडीशन्ड मल्टीपरपज हॉल, 24/7 पानी और बिजली की सुविधा (डीजी बैकअप सहित), सुरक्षा के लिए सीसीटीवी, और लोअर ग्राउंड फ्लोर में पर्याप्त कार पार्किंग। कान्हा एन्क्लेव, हजारीबाग निवासियों के दिल में एक शानदार जीवनशैली का प्रतीक है एक ऐसा घर जो सिर्फ रहने के लिए नहीं, बल्कि जीने के लिए है।

हृदयविदारक और दर्दनाक सड़क हादसे में दो महिला मजदूरों की मौत, एक रेफर, पांच मजदूर का हजारीबाग में चल रहा है इलाज

- **घटना की जानकारी पाते ही सांसद मनीष जायसवाल हुए सक्रिय, अपने मीडिया प्रतिनिधि रंजन चौधरी को घायलों की मदद के लिए भेजा अस्पताल**

आदिवासी एक्सप्रेस
हजारीबाग। गुरुवार की अहले सुबह हजारीबाग- धनबाद मुख्य मार्ग पर दारू थाना क्षेत्र के ग्राम पिपचो के समीप एक भीषण सड़क हादसा हुई। जिसमें मजदूरों से भरी एक पिकअप वाहन की टक्कर यहां खराब होकर खड़ी एक ट्रक से इतना जोरदार हुई कि दो महिला मजदूरों की मौत हो गई और आधा दर्जन मजदूर घायल हो गए। एक घायल को नाजुक स्थिति में हजारीबाग के मेडिकल कॉलेज अस्पताल से प्राथमिक उपचार कर बेहतर इलाज के लिए रिम्स भेजा गया वहीं चार घायल मजदूरों का हजारीबाग के मेडिकल कॉलेज अस्पताल में ही भर्ती कर इलाज किया जा रहा है। इस पिकअप वैन में मौजूद अधिकतर मजदूर हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के मांडू विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत विष्णुगढ़ प्रखंड के गोविंदपुर पंचायत अवस्थित ग्राम चितरामो के टोला गिधनीय के निवासी थे और एक मजदूर चतरा का रहने वाला बताया गया। सभी मजदूर छत ढलाई में मजदूरी का काम करते थे और हजारीबाग से पूरी रात काम करके वापस अपने घर लौट रहें थे तभी ये हृदयविदारक सड़क हादसा हो गई। इस दुर्घटना में विष्णुगढ़ प्रखंड के गोविंदपुर पंचायत के ग्राम चितरामो के टोला गिधनीय की रहने वाली मजदूर मणि कुमारी और ललिता कुमारी का निधन हो गया। इसी गांव की रहने वाली संगीता कुमारी को बेहतर इलाज के लिए रिम्स रेफर किया गया जबकि दशमी हांसदा, भानुमती मरांडी, सूरजमुनि और चतरा निवासी सहदेव कुमार को मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती करके इलाज किया जा रहा हैं। इधर घटना की जानकारी मिलते ही हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के सांसद मनीष जायसवाल सक्रिय हुए और उन्होंने तत्काल अपने हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के सांसद मीडिया प्रतिनिधि रंजन चौधरी को अस्पताल जाकर घायलों का सुध लेते हुए उन्हें हरसंभव मदद का निर्देश दिया। सांसद मनीष जायसवाल के निर्देश पर तत्काल उनके प्रतिनिधि रंजन चौधरी हजारीबाग मेडिकल कॉलेज अस्पताल पहुंचे और घायलों के समुचित इलाज में हरसंभव सहयोग में जुट गए। उन्होंने विष्णुगढ़ थाना प्रभारी और स्थानीय सांसद प्रतिनिधि के माध्यम से मृतकों और घायलों के परिजनों को खबर भेजवाया और फ़िर मृतकों के पोस्टमार्टम की प्रक्रिया के साथ सभी घायलों के समुचित इलाज का चिकित्सकों और चिकित्साकर्मियों से आग्रह किया। सांसद मनीष जायसवाल ने भी इस भीषण सड़क दुर्घटना पर गहरा शोक जताते हुए मृतकों की आत्मा की शांति और घायलों के जल्द स्वास्थ्य होने की कामना की।

संक्षिप्त समाचार

अर्पिता महिला मण्डल ने भीषण गर्मी को देखते हुए प्याऊ की व्यवस्था की

संवाददाता राम कुमार

बालूमाथ। बालूमाथ अर्पिता महिला मण्डल के अंतर्गत मगध संघमित्रा महिला समिति के द्वारा गर्मी से राहत हेतु बालूमाथ प्रखंड के गोलीटांड़ शेरेगाड़ा मोड़ बारह नंबर चेक पोस्ट के पास प्याऊ की व्यवस्था की गई है। प्याऊ का उद्घाटन मगध संघमित्रा महिला समिति की अध्यक्षा विभानाथ ने किया। इस दौरान मगध संघमित्रा महिला समिति की अन्य सदस्य ममता सड़ाला, पम्मी राकेश कुमार, रीना मुकुंद राय,दीप्ति चट्टराज, निशा सिन्हा एवं संगीता कुमार उपस्थित थे। इन प्याऊ मे पीने के पानी के अलावा चना एवं गुड की भी व्यवस्था की गई है। इससे रास्ते मे आने जाने वाले राहगीर एवं ग्रामीणों को गर्मी से राहत मिल रही है।पक्षियों एवं गाय के लिए जल पात्र की भी व्यवस्था की गई है। यह प्याऊ पूरी गर्मी संचालित किया जाएगा। प्याऊ सुबह से शाम तक चालू रहता है।प्याऊ के संचालन के लिए स्थानीय व्यक्ति की नियुक्ति किया गया है।

राष्ट्रीय मानवाधिकार एसोसिएशन का संगठन विस्तार, बीरेंद्र गुप्ता बने प्रखंड अध्यक्ष

संवाददाता राम कुमार

बालूमाथ। बालूमाथ राष्ट्रीय मानवाधिकार एसोसिएशन के अध्यक्ष अरविंद सिंह की अध्यक्षता में बालूमाथ स्थित शहीद चौक के समीप बैठक आयोजित की गई।जिसमें संगठन विस्तार पर चर्चा हुई। साथ ही पुराने संगठन को भंग करते हुए बालूमाथ,बारियातू व हेरहंज प्रखंड के नए अध्यक्ष चुने गए।बालूमाथ प्रखंड अध्यक्ष के रूप में बीरेंद्र प्रसाद गुप्ता उर्फ बबलू गुप्ता हेरहंज प्रखंड अध्यक्ष शिवलाल यादव तथा बारियातू प्रखंड अध्यक्ष के रूप में संजय यादव को नेतृत्व का भार दिया गया।राष्ट्रीय मानवाधिकार एसोसिएशन के जिला अध्यक्ष गुडु वर्मा के द्वारा नवनियुक्त प्रखंड अध्यक्षों को संगठन विस्तार का निर्देश दिया गया। बैठक में मुख्य रूप से संतोष पासवान, मनोज यादव, राजेश साव, ज्ञानी पांडेय, मो जहूर, कृष्णा प्रसाद, रवि रजक, देवेंद्र यादव, रोहित कुमार, कृष्णा कुमार, राजेंद्र चावल, अनूज़ कुमार, महेंद्र गुप्ता, मो एनामुल, अंकित पांडेय सहित कई लोग मौजूद रहे।

एमिटी यूनिवर्सिटी झारखंड ने 'अग्नि सुरक्षा उपाय, सावधानियाँ और मॉक ड्रिल' पर सत्र आयोजित किया

रांची। 17/04/2025: झारखंड सरकार के अग्निशमन विभाग के विशेषज्ञों के सहयोग से 17 अप्रैल, 2025 को छात्र कल्याण विभाग द्वारा 'अग्नि सुरक्षा उपाय, सावधानियाँ और मॉक ड्रिल' पर सत्र आयोजित किया गया। एमिटी यूनिवर्सिटी झारखंड के कुलपति डॉ. अशोक के. श्रीवास्तव ने इस अवसर पर अपनी शुभकामनाएँ दीं।
अग्नि सुरक्षा उपाय के बारे में बताते हुए, फायर स्टेशन के प्रभारी अधिकारी श्री शैलेंद्र कुमार ने छात्रों को एहतियाती उपाय और जीवन रक्षक उपाय करने, सतर्क रहने और प्रतिकूल परिस्थितियों में कैसे कार्य करना है, इस बारे में बताया। उन्होंने आग की विभिन्न श्रेणियों और अग्निशामक यंत्रों की विभिन्न श्रेणियों और उनके तकनीकी पहलुओं के बारे में भी बताया और उसके बाद मॉक ड्रिल का आयोजन किया।
इस अवसर पर झारखंड सरकार के अग्निशमन विभाग के अन्य अधिकारी श्री हरिलाल मेहता, श्री गौतम कुमार, श्री रवि कुमार पॉल, श्री अमर कुजूर और श्री विकास कुमार उपस्थित थे।

राष्ट्रीय पंचायत दिवस पर स्वच्छता शपथ कार्यक्रम का आयोजन

विकाश कुमार कान्हाचट्टी

राष्ट्रीय पंचायत दिवस के शुभ अवसर पर प्रखंड के राजपुर पंचायत सचिवालय में मुखिया विकाश कुमार सिंह के अध्यक्षता के अगुवाई में भव्य कार्यक्रम में का आयोजित किया गया। जिसमें पंचायत के सैकड़ों ग्रामीण उपस्थित रहे जिसमें मुख्य रूप से ग्राम सभा को सशक्त और क्रियाशील बनाने प्लास्टिक, थर्मोकोल के बने उत्पाद को उपयोग नहीं करने, अधिक से अधिक पेड़ लगाने , जल संचयन करने की अपील की गई। वही कार्यक्रम में मुख्य रूप से पंचायत सचिव सतीश कुमार, रोजगार सेवक संतोष कुमार यादव, पीएसएस विनय विनय कमा, भी एल भी राहुल कुमार, जल सहिया दीदी, कृषक मित्र उपस्थित रहे।

विस्थापित मुक्ति वाहिनी ने दी चेतावनी, विस्थापितों का हक छीना गया तो होगा संघर्ष

चांडिल। गुरुवार को चांडिल बांध स्थल पर विस्थापित मुक्ति वाहिनी की बैठक हुई।जिसमें झारखंड सरकार के पर्यटन विभाग द्वारा विस्थापितों के हक छीनने के प्रयास का कड़ा विरोध किया गया। चांडिल बांध में नौका विहार का संचालन अधिकार विस्थापितों की सहकारी समिति के बजाय गिरीडीह की एक निजी एजेंसी को सौंप दिया गया है। जो पुनर्वास नीति 2012 के प्रावधानों का खुला उल्लंघन है।इस नीति में स्पष्ट रूप से लिखा हुआ है - जलाशय क्षेत्र के मत्स्य उद्योग एवं पर्यटन उद्योग संबंधी संभावनाओं के दोहन में भी विस्थापितों को संबद्ध किया जाएगा तथा जलाशय में मत्स्य पालन हेतु नवसृजित जलधार की बंदोबस्ती विस्थापितों के समूहों के साथ किया जाएगा। जिससे विस्थापित परिवारों के आर्थिक पुनर्वास से इस परिसंपत्ति को संबद्ध किया जा सके।ज्ञात हो कि अथक संघर्ष के बाद बिहार एवं बाद में झारखंड सरकार ने पुनर्वास नीति घोषित कर विस्थापितों के हक को सुनिश्चित किया है। इसी क्रम में सबसे पहले 1990 में पहले पुनर्वास नीति बनी जिसे 2003 और 2012 में संशोधित कर बेहतर पुनर्वास पैकेज उपलब्ध कराए गए हैं। बैठक में यह निर्णय लिया गया कि विस्थापितों के अधिकारों पर किसी भी प्रकार के हमले का सड़क से लेकर न्यायालय तक प्रतिवाद किया जाएगा।जयदा शहीद दिवस के अवसर पर आगामी 30 अप्रैल को शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करने के पश्चात अधिकारियों को विस्थापितों एवं चांडिल क्षेत्र की जनता के अन्य मांगों से अवगत कराया जाएगा ताकि उसका समुचित समाधान हो सके। चांडिल क्षेत्र में न तो वन अधिकार कानून का सही तरीके से अमल किया जा रहा है और न ही हाथियों द्वारा किए जा रहे उत्पात को वन विभाग रोकने में सक्षम है।जनता दहशत में जीने को विवश है।इस क्षेत्र को औद्योगिक हब बनाने की कोशिश चल रही थी और अब यह प्रदूषण हब बन कर रह गया है। कंपनियों के प्रदूषण ने तो जीवन को नर्क बना दिया है। विस्थापितों की दुर्गति की गाथा का तो अंत ही नहीं है।विगत दो वर्षों से सारे पुनर्वास कार्य ठप पड़े हैं। आवासीय भूखंडों का न तो मालिकाना दिया गया है और न ही पुनर्वास स्थलों का सीमांकन कार्य पूरा हुआ है। लिफ्ट इरिगेशन द्वारा सिंचाई सुविधा उपलब्ध कराने के बारे में तो किसी को चिंता ही नहीं है। इस मौके पर श्यामल मार्डी, अंबिका यादव, नारायण गोप, किरण वीर, ईश्वर गोप, पंचानन महतो, देवेन महतो,बासु घुनिया, डोमन बास्के अरविंद अंजुम आदि मुख्य रूप से मौजूद थे।

राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस पर बालूमाथ प्रखंड परिसर में स्वक्षता अभियान का हुआ आयोजन

बालूमाथ। बालूमाथ प्रखंड परिसर में राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस के अवसर पर स्वक्षता अभियान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में पंचायत व्यवस्था को मजबूत करने और स्थानीय स्वशासन को सशक्त बनाने की दिशा में चर्चा की गई। इस अवसर पर प्रखंड विकास पदाधिकारी सोमा उरांव ने उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए पंचायती राज व्यवस्था के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र की जड़ें तभी मजबूत होंगी जब गांव की सरकार यानी पंचायतें मजबूत होंगी। ग्रामीण विकास की दिशा में पंचायत प्रतिनिधियों की भूमिका को सराहा और सभी को इस दिशा में सक्रिय भागीदारी निभाने की अपील की. कार्यक्रम की अगुवाई प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी मुजफ्फर कमाल ने की। उन्होंने पंचायती राज के इतिहास और इसकी वर्तमान प्रासंगिकता पर विस्तार से जानकारी दी। कार्यक्रम में प्रधान सहायक राजीव रंजन, प्रखंड कोऑर्डिनेटर वकील उरांव, कंप्यूटर ऑपरेटर सोनू कुमार, गोलू कुमार, चीकू कुमार, संजय कुमार, एजाज खान सहित दर्जनों प्रखंड कर्मियों की उपस्थिति ने आयोजन को सफल बनाया। कार्यक्रम के दौरान पंचायत प्रतिनिधियों और कर्मचारियों को सम्मानित भी किया गया और उन्हें ग्राम विकास में अपनी सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित किया गया।उपस्थित कर्मियों एवं पंचायत प्रतिनिधियों ने इस अवसर पर शपथ भी ली। इधर बालूमाथ पंचायत सचिवालय में भी मुखिया नरेश लोहरा की अध्यक्षता में राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें पंचायत समिति सदस्य ममता देवी, पंचायत सचिव, वार्ड सदस्य व आम नागरिकों की सहभागिता रहा।

आज दिनांक 24.04 2025 को झारखंड अंगीभूत महाविद्यालय शिक्षकेत्तर कर्मचारी मोर्चा के द्वारा लगातार 18वां दिन राजभवन के समीप अपनी मांगो को लेकर शांति पूर्ण धरना जारी रखें हुए है. लेकिन अब तक राजभवन और सरकार की तरफ से कोई भी पदाधिकारी सुध लेने के लिए नहीं आए हैं. इस धारणा की सूचना सरकार और राजभवन दोनों के पास दी गई है लेकिन इसके बावजूद भी राजभवन या सरकार के कोई लोग धरना स्थल पर नहीं पहुंचे हैं. वहीं धरना स्थल पर स्थानीय नोटीफाइड के द्वारा कोई मूलभूत सुविधाएं धरना स्थल पर उपलब्ध नहीं कराया गया है. झारखंड में लगातार बढ़ रहे गर्मी की वजह से धरना स्थल पर मौजूद कर्मचारियों की लगातार तबियत बिगड़ रही हैं वहीं आज भी धरना स्थल पर मौजूद एक महिला कर्मचारी की अचानक तबियत बिगड़ गई. वहीं इस सभी चीजों को देख अब कर्मचारियों का राज भवन और सरकार के ऊपर एक रोष पैदा हो गई हैं. अब यह मामला धीरे धीरे राज्य स्तरीय बनता जा रहा हैं अब रांची विश्वविद्यालय के साथ अन्य राज्य के विश्वविधालय के सभी अंगीभूत महाविद्यालय में कार्यरत कर्मचारियों को अब डर सता रहा हैं कि जिस प्रकार रांची विश्वविद्यालय में कर्मचारियों को नौकरी से अचानक हटा दिया गया ठीक वैसा ही बाकी के विश्वविद्यालय में कार्यरत कर्मचारियों को नौकरी से अचानक हटा न दिया जाए।
कर्मचारियों ने कहा उच्च शिक्षा मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू जी से इस मामले को लेकर पहले भी कर्मचारी मिल चुके हैं उन्होंने भरोसा दिलाया था कि हम कर्मचारियों को बेरोजगार नहीं होने देंगे. वही एक और रांची विश्वविद्यालय के कुलपति के द्वारा कर्मचारियों को नौकरी से गैर कानूनी ढंग से निकलवा दिया गया है, जेएलकेएम के नेता देवेंद्र महतो के नेतृत्व में इस मामले को लेकर काफी गंभीर दिखे और उन्होंने कर्मचारियों के साथ विश्वविद्यालय में दो बार वार्ता करने का प्रयास किया लेकिन वार्ता सफल नहीं रहा. वहीं पुनः 13 तारीख को रांची विश्वविद्यालय के कुलपति द्वारा वार्ता का समय दिया गया है. कर्मचारी आस लगाए बैठे हैं कि 13 तारीख को इनका कुछ समाधान निकाल पाएगा.
अगर समस्या का समाधान नहीं निकलता है तो कर्मचारी भूख हड़ताल पर बैठने के लिए विवश हो जाएंगे. और इसकी पूरी जवाबदेही रांची विश्वविद्यालय की होगी. जबकि सरकार ने नई शिक्षा नीति 2020 के तहत सरकार को महाविद्यालय से इंटर की शिक्षा को पृथक करने के लिए कहा गया था। जबकि 2008 में यूजीसी के गाइडलाइन के तहत महाविद्यालय में इंटरमीडिएट की पढ़ाई को अलग करने के लिए आदेश दिया गया था. आखिर किसके आदेश से पिछले 17 सालों से महाविद्यालय में इंटरमीडिएट की शिक्षा जारी रखा गया है. आखिरकार कौन इसका जवाब देगा. इन कर्मचारियों के भविष्य के साथ खिलवाड़ क्यों किया गया इसका जवाब कौन देगा. आखिकार आज सभी कर्मचारी बेरोजगार हो रहे हैं इनके समायोजन पर सरकार क्यों नहीं विचार कर रही हैं.

महुडंड पंचायत में नहीं चालू हुआ BSNL4G मोबाइल नेटवर्क

आदिवासी एक्सप्रेस लालू कुमार यादव हुसैनाबाद पलामू

हुसैनाबाद पलामू: हुसैनाबाद प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत सुदूरवर्ती इलाके महुडंड पंचायत में कुल आठ बिएसएनएल का 4त्त मोबाइल नेटवर्क लगा था लेकिन आज भी वह केवल पंचायत का शोभा बढ़ा रहा है। कई वर्षों वित्त जाने के बाद भी आज तक नहीं हुआ चालू। ग्रामीण आनन्द पासवान ने बताया कि दो महीने पहले थर्ड आई ऑफ समाचार- पत्र ने प्रमुखता से छापा था तो दूरसंचार विभाग नई दिल्ली के टीम पहुंच कर जांच पड़ताल किया था और दो दिनों तक चालू किया और पुनः बंद कर दिया गया। महुडंड पंचायत के ग्रामीण की सपना आधी अधुरी रह गई। ग्रामीणों ने विरोध प्रदर्शन किया और काहा कि सांसद महोदय पलामू के द्वारा असवासन मिला था कि महुडंड में दो महीने में मोबाइल नेटवर्क चालू हो हो जाएगा लेकिन दो वर्षों के बाद भी चालू नहीं हुआ सांसद/विधायक चुनाव आने के बाद बड़े वादे पूरे करने के सपने दिखाते हैं। और जितने के बाद बिल्कुल भूल जाते हैं। आज भी महुडंड पंचायत 4G नेटवर्क विहीन पंचायत है। साथ ही साधारण मोबाइल फोन से बात नहीं होता है ?।इस मामले में महुडंड मुखिया श्रीमती मिना देवी व युवा समाज सेवी शिवशंकर यादव ने कई बार उपायुक्त पलामू, सांसद महोदय पलामू, और विधायक महोदय हुसैनाबाद को ज्ञापन सौंप चुके हैं। ग्रामीण संजय कुमार यादव ने कहा की सरकारी कार्यों में जियो टैग और बच्चों को ऑनलाईन शिक्षा के लिए काफी कठिनाई का समना करना पड़ता है। जो एक महुडंड पंचायत के लिए दुर्लभागय है ?।ग्रामीणों ने समाचार - पत्र के माध्यम से उपायुक्त पलामू,सांसद महोदय पलामू, और विधायक महोदय हुसैनाबाद से मांग किया है की तात्कालिक एयरटेल 5G /जियो 5G मोबाइल नेटवर्क इसी नेटवर्क में मर्ज कर चालू करने की कृपा प्रदान करेंगे।

हाईवा चोरी और नंबर प्लेट बदल कर धोखाधड़ी करने वाले को पुलिस ने किया गिरफ्तार

बालूमाथ। बालूमाथ पुलिस ने वाहन चोरी और कूटकरण के संगीन मामले का खुलासा करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार कर बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने चोरी की गई हाईवा (नंबर JH13D8775) को जब्त कर लिया है।जिसे चतरा जिले के एक युवक द्वारा साजिश के तहत चुराया गया था। गिरफ्तार आरोपी की पहचान एमडी वहाजुल, पिता मो वहाब, निवासी ग्राम किरकिरा, थाना गिधौर, जिला चतरा के रूप में हुई है। उसके खिलाफ बलूमाथ थाना में कांड संख्या 38/25 मामला दर्ज किया गया था।आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धाराएं 317(5), 61(2), 338, 336(3), 340(2), 318(4) और 3(5) के तहत केस दर्ज किया गया है। जो गंभीर आपराधिक षड्यंत्र, धोखाधड़ी, चोरी, और सरकारी दस्तावेजों में हेराफेरी से संबंधित है। पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपी ने हाईवा वाहन को चोरी कर उसके दस्तावेजों और नंबर प्लेट में बदलाव किया था। ताकि वाहन को दूसरे जिले में बेचा या चलाया जा सके। यह पूरी योजना एक सुनियोजित आपराधिक साजिश का हिस्सा थी।बलूमाथ थाना प्रभारी अमरेंद्र कुमार ने बताया कि उक्त कार्रवाई वाहन चोरी के एक बड़े नेटवर्क की ओर इशारा करती है. उन्होंने कहा,हम इस पूरे गिरोह की तह तक जाने के लिए गंभीरता से जांच कर रहे हैं। आने वाले दिनों में और भी गिरफ्तारियां हो सकती हैं। वाहन को बरामद कर आरोपी को 23 अप्रैल 2025 को न्यायालय में प्रस्तुत किया गया। जहां से उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

ट्रांसफर के बाद अधिकारियों को महाप्रबंधक अमरेश कुमार सिंह ने दी सम्मानपूर्वक विदाई

आदिवासी एक्सप्रेस संवाददाता-अबुल कलाम

टंडवा- (चतरा) आम्रपाली-चन्द्रगुप्त क्षेत्र, सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड (सीसीएल) से आठ अधिकारियों का स्थानांतरण उनकी पदोन्नति के उपरांत किया गया है। सभी अधिकारियों को मैनेजर से सीनियर मैनेजर पद पर पदोन्नत किया गया है। इस अवसर पर महाप्रबंधक अमरेश कुमार सिंह ने विदाई समारोह में उपस्थित होकर अधिकारियों को सम्मानपूर्वक विदाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। स्थानांतरित अधिकारियों के नाम और नवीन पदस्थापन स्थल निम्नलिखित हैं। पवन कुमार गुप्ता, क्षेत्रीय गुणवत्ता अधिकारी। सुशिल कुमार क्षेत्रीय उत्खनन अधिकारी। दिगंबर यादव परियोजना सुरक्षा अधिकारी। प्रमोद कुमार काडडिया भूमि एवं राजस्व विभाग (उपरोक्त सभी का ट्रांसफर महानदी कोलफील्ड्स लिमिटेड, ओडिशा) रथिस कुमार क्षेत्रीय सेल्स अधिकारी। अशोक मंडल अधिकारी। (दोनों का ट्रांसफर बीसीसीएल, धनबाद) के पी सिंह क्षेत्रीय ई एंड एम अधिकारी (ट्रांसफर एसईसीएल, छत्तीसगढ़) समारोह के दौरान स्टाफ अधिकारी (पी एंड पी) समेत क्षेत्र के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित रहे। महाप्रबंधक ने सभी अधिकारियों के योगदान की सराहना करते हुए कहा, इन सभी अधिकारियों ने अपने कार्यकाल में सराहनीय सेवाएं दी हैं। हम उनके भविष्य की सफलता की कामना करते हैं।

पहलगाम आतंकी हमले के विरुद्ध यूथ फोर्स ने आक्रोश मार्च निकाला

गोमो। 24 अप्रैल 2025 को यूथ फोर्स के बैनर तले पहलगाम आतंकी हमले के विरुद्ध आक्रोश मार्च निकाला गया, जिसका नेतृत्व जदयू के प्रदेश महासचिव सह यूथ फोर्स के प्रधान संयोजक दीप नारायण सिंह ने किया। आक्रोश मार्च यूथ फोर्स प्रधान कार्यालय से प्रारंभ होकर श्यामडीह मोड़ पहुंचा। और श्यामडीह मोड़ पहुंच कर आक्रोश मार्च सभा में तब्दील हो गई।सभा में शामिल सभी लोगों ने पहलगाम आतंकी हमले में मारे गए लोगों की आत्मा की शांति के लिए 2 मिनट की मौन रखकर श्रद्धांजलि दी। सभा को सम्बोधित करते हुए दीप नारायण सिंह ने कहा कि पहलगाम आतंकी हमले का जितनी भी निंदा की जाए वह कम है। आतंकियों ने धर्म पूछ कर सैलानियों के उपर गोलियां बरसाई । भारत सरकार को इस घटना की मुंहतोड़ जवाब देनी चाहिए। अगर इस समय पहलगाम आतंकी घटना में शामिल आतंकवादियों और इसका साजिश रचने वाले पाकिस्तान के ऊपर भारत सरकार ने हमला नहीं किया,तो देश की जनता देश के प्रधानमंत्री को कभी माफ नहीं करेगी। इस आतंकी घटना के विरुद्ध सभी पार्टियों के साथ - साथ देश की जनता को एकजुट होकर देश के साथ खड़ा होने की जरूरत है,ताकि हम पाकिस्तान को तोड़ जवाब दे कर घाटी पार आतंकवादियों को सदा के लिए समाप्त कर सकें। सभा का संचालन यूथ फोर्स के केन्द्रीय सचिव सूरज कुमार सिंह और धन्यवाद ज्ञापन गोतम कुमार ने किया। आक्रोश मार्च में मिट्ठू रजवार,भागिरथ सिंह, प्रदीप सिंह , संजीत सिंह , विजय सिंह , अजय सिंह , साबिर अंसारी , राजेश शर्मा , सुभाष सिंह , कार्तिक ठाकुर ,राजेश सिंह , समरेश , सौरभ , रंजीत आदि दर्जनों शामिल रहे।

संक्षिप्त समाचार

जिले के विभिन्न प्रखंडों में आयोजित आयुष जांच शिविर में 197 लोगों का स्वास्थ्य जांच किया गया

सुस्मित तिवारी
आदिवासी एक्सप्रेस ब्यूरो पाकुड़

पाकुड़ प्रखंड के जादूपुर एवं संग्रामपुर, लिट्टीपाड़ा प्रखंड के पाकरिया, हिरणपुर प्रखंड के बाबूझुटी एवं पाकुड़िया प्रखंड के मोहनपुर में आयुष विभाग की ओर से गुरुवार को आयुष कैंप लगाकर कुल 197 लोगों का स्वास्थ्य जांच कर आवश्यक दवा दिया गया। डॉ0 सौरभ विश्वास, डॉ0 मो आबूतलीब शेख, डॉ अफरोज आलम, डॉ0 कुलेश कुमार एवं डॉ0 वीरेंद्र कुमार विश्वकर्मा ने बताया की इस कैंप में आज रक्तचाप, मधुमेह, जॉइंट पेन, गठिया, बच्चों से संबंधित आदि रोगों का जांच निःशुल्क किया गया। साथ ही सभी को मुफ्त दवा भी दी गई। वहीं शिविर में आने वाले मरीजों को शुगर, ब्लड प्रेशर का भी जांच की गई। हेल्थ कैंप के साथ साथ पोषण पखवाड़ा के अंतर्गत लोगों को पौष्टिक भोजन /संतुलित आहार /व्यायाम/ के बारे में भी बताया गया।

350 ग्राम गांजा और छोटा वेट मशीन बरामद हुआ वही कारू उर्फ कृष्णा को गिरफ्तार कर लिया गया

आदिवासी एक्सप्रेस W . Alam

साहिबगंज। अनुमंडलीय कार्यालय स्थित एसडीपीओ कक्ष में सदर एसडीपीओ किशोर तिर्की ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर जानकारी दी की गुरुवार को रसूलपुर दहला स्थित स्कूल के पास गांजा की खरीद बिक्री की सूचना पर पुलिस ने टीम का गठन कर सदर सीओ बासुकीनाथ टुडू के साथ छापामारी की इस दौरान कालिदास उर्फ कृष्ण दास के गुमटी से 350 ग्राम गांजा और छोटा वेट मशीन बरामद हुआ वही कारू उर्फ कृष्णा 39 वर्ष को गिरफ्तार कर लिया गया जब्त गाजा का सीओ के समक्ष जब्ती सूची बनाई गई वही नगर थाना में कांड संख्या 68 / 25 दर्ज पर अनुसंधान किया जा रहा है एसडीपीओ ने बताया कि कृष्णा पर पूर्व में चार कैस चोरी का दर्ज है केस आर्म्स एक्ट भी है वही भागलपुर पिरपैती थाना में भी उस पर मामला दर्ज है मिर्जा चौकी में पूर्व में एनडीपीएस एक्ट के तहत जेल जा चुका है उसे पर नगर थाना में भी कैस हैं एसडीपीओ ने बताया कि दर्ज गांजा की कीमत लगभग 5000 हैं छापामारी में पुअनि प्रदीप कुमार महतो आरक्षी मौके पर नगर इंस्पेक्टर अमित कुमार गुप्ता एसआई पीके प्रभाकर सी अनीश कुमार पांडे प्रदीप कुमार महतो अन्य मौजूद थे।

जिला प्रशासन ने राष्ट्रीय पंचायत दिवस के उपलक्ष्य पर प्रोजेक्ट जागृति के तहत रक्तदान शिविर का कराया आयोजन, 200 से अधिक लोगों ने किया रक्तदान

- उपायुक्त ने प्रमाण पत्र देकर डोनर का हौसला बढ़ाया
- इस तरह के आयोजन के लिए जिलावासियों ने उपायुक्त का किया शुक्रगुजार और उपायुक्त ने सभी का अभिवादन किया

सुस्मित तिवारी
आदिवासी एक्सप्रेस ब्यूरो पाकुड़

राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस 24 अप्रैल के अवसर पर आज गुरूवार को प्रोजेक्ट जागृति के तहत जिले के सभी प्रखंडों में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। ये शिविर रक्त अधिकोष, पुराना सदर अस्पताल, पाकुड़, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, हिरणपुर, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, लिट्टीपाड़ा, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अमड़ापाड़ा, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र महेशपुर, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पाकुड़िया में लगाया गया।

शिविर में जिला एवं प्रखंड स्तरीय पदाधिकारी, कर्मचारियों और आम नागरिकों ने स्वैच्छिक रूप से किया रक्तदान

उपायुक्त मनीष कुमार ने रक्तदान के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि रक्तदान न केवल राष्ट्रीय आवश्यकता को पूरा करता है, बल्कि यह समाज और मानवता के प्रति एक बड़ी सेवा भी है। उन्होंने कहा कि आप सभी द्वारा दिए गए रक्त से कई जिंदगियों को बचाया जा सकता है। उन्होंने सभी से नियमित रूप से रक्तदान करने और दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करने की अपील की।

हर स्वस्थ व्यक्ति को प्रत्येक तीन माह में रक्तदान करना चाहिए: डीसी

उपायुक्त ने कहा कि दुर्घटना की वजह से घायल या बीमारी की वजह से रक्त की कमी से जूझ रहे व्यक्ति को, रक्त मिलने से उस व्यक्ति का जीवन बच पाता है। हर स्वस्थ व्यक्ति को प्रत्येक तीन माह में रक्तदान करना चाहिए। पाकुड़ जिले में खून की कमी से किसी की मौत न हो। जिला प्रशासन इस दिशा में निरंतर कार्य कर रहा है। प्रोजेक्ट जागृति के तहत पाकुड़ जिले में प्रत्येक माह के 24 तारीख को सभी प्रखंडों में रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाएगा ताकि अधिकाधिक संख्या में रक्त का संग्रह किया जाये और जरूरतमंद लोगों को सही समय पर रक्त उपलब्ध कराया जा सके। मौके पर उपायुक्त ने रक्तदाता को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया।

राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस के मौके पर बैठक का किया गया आयोजन, बाल संरक्षण और मानव तस्करी को लेकर लोगों को किया गया जागरूक

शिकारीपाड़ा/दुमका। दिनांक 24/04/2025 को राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस के मौके पर मुखिया सुंदरी हेमब्रम की अध्यक्षता मे प्रवाह संस्था के द्वारा सुरक्षित बचपन के लिए दामिन पहल परियोजना के अंतर्गत शिकारीपाड़ा के शहरपुर पंचायत सभागार में ग्राम व पंचायत स्तरीय संस्थाओं के प्रतिनिधियों के साथ एक संवेदिकरण बैठक आयोजित किया गया।

बैठक का मुख्य उद्देश्य बाल संरक्षण और मानव तस्करी के मुद्दे पर बुनियादी समझ विकसित करके पंचायत स्तर पर बाल संरक्षण हेतु पहल करना हैं।

प्रवाह के प्रखण्ड समन्वयक करण मुर्मू ने उपस्थित प्रतिभागियों को पंचायती राज व्यवस्था को दुरुस्त करने की दिशा सरकार द्वारा उठाए गए कदमों और सरकारी योजनाओं के बारे में बताया। साथ ही ÷मिशन वात्सल्य के अंतर्गत बाल मैत्री पंचायत की जिम्मेदारियों पर चर्चा करते हुए बाल संरक्षण के अंतर्गत देखभाल एवं संरक्षण के लिए जरूरतमंद बच्चों की स्थिति में सुधार लाने के उपायों पर विस्तृत जानकारी प्रदान की। बच्चों के समग्र कल्याण के लिए सरकार द्वारा किए जा रहे प्रयासों के बारे में बताने के अलावा आगे उन्होंने पोकसों अधिनियम-2012 के अंतर्गत यौन हमला, यौन उत्पीड़न और प्रवेशात्मक यौन हमला में अंतर, बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम- 2006 के आवश्यक प्रावधानों सहित सजा और जुर्माने के बारे में प्रतिभागियों को जानकारी दी।

पंचायत सचिव श्यामलाल कुमार हर ने बताया की बच्चों को हिंसा और दुर्व्यवहार से बचाने के लिए सभी स्थानीय संस्थाओं को आगे आकर कार्य करने की जरूरत हैं। इसके लिए माँझी बैसी व्यवस्था को और अधिक सशक्त करने की दिशा प्रयास की जरूरत है। समाज में शिक्षा को बढ़ावा देना सभी की पहली प्राथमिकता होनी चाहिए। सामुदायिक प्रयास से ही सरकारी योजनाओं और कानूनों को धरातल पर उतारा जा सकता है।

मौके पर मोनसा हाँसदा, मारथा हाँसदा, बिमोली हेमब्रम, आशा देवी, सुनीता देवी, पूर्णिमा राय, प्रतिमा मुर्मू, लाला अंसारी, पांडा मुर्मू, रामदेव राय एवं अन्य हीतधारक मौजूद थे।

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद दुमका ने आतंकवादियों का फूंका पुतला, सरकार ईट का जवाब पत्थर से दें

दुमका। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद दुमका द्वारा संताल परगना महाविद्यालय के मुख्य मार्ग में पहलगाम में पर्यटक पर किए गए हमले से आक्रोशित होकर आतंकवादियों का पुतला फूंका गया एवं इस हामले में शहीद हुए लोगों के लिए दो मिनट का मौन रखा गया। जिसमें कॉलेज अध्यक्ष अमन शाह ने कहा यह हमला केवल हमारे भारत के बहुसंख्यक पर नहीं, बल्कि हमारे पूरे देश की आत्मा पर किया गया क्रूर प्रहार है। पहलगाम, जो कश्मीर की वादियों में शांति और सौंदर्य का प्रतीक रहा है, वहाँ से खून और दर्द की खबर आती है। उनके बलिदान को शब्दों में समेट पाना असंभव है।

हम सभी को यह समझना होगा कि आतंकवाद का कोई धर्म नहीं होता, उसका कोई चेहरा नहीं होता। वह केवल विनाश चाहता है। हमें एकजुट होकर इस चुनौती का सामना करना होगा, ताकि हमारे देश के हर नागरिक को सुरक्षित भविष्य मिल सके।आज हम उन शहीदों को श्रद्धांजलि देते है एवं हम उनके परिवारों के साथ हैं, उनके दुख में सहभागी हैं, और उनके साहस को सलाम करते हैं।भारत माता के इन वीर सपूतों को नमन भी करते है।

जिला कार्यकारिणी सदस्य रॉकी ने कहा कि पहलगाम के आतंकी हमले से हम सभी भारत वासियों को यह सीख लेनी चाहिए कि हम सभी भारतीय जातिवाद के नाम पर बंट रहे हैं और लड रहे हैं परंतु आंखें खोलकर देख लीजिए आतंकवादियों ने हमला करने से पहले धर्म पुछा जाती नहीं। धर्म के नाम पर कट्टरपंथी आतंकवादियों के खिलाफ हम सरकार से यही मांग करते हैं कि इनको ईट का जवाब पत्थर से देना चाहिए और वे 25 मारे हैं, तो उनके ऊपर बैठे पाकिस्तान से रिमोट कर रहे कुछ आंतकवादी आकाओं की भी सही जगह मिलनी चाहिए।।

मुख्य रूप से विभाग संगठन मंत्री हिमांशु दुबे, नगर मंत्री अभिषेक गुप्ता, सह नगर मंत्री गणेश मुर्मू, कॉलेज अध्यक्ष अमन शाह, विवेक धर, मणिलाल,राज साह, सन्यासिस कुमार , अमन सेन, सुमन कुमार ,अमन साह,रॉकी पाल,विकास कुमार ,गणेश कुमार, लखनारायण दास आदि मौजूद थे।

प्रखंड लिट्टीपाड़ा में राष्ट्रीय पंचायत राज दिवस कार्यक्रम आयोजित सुजल गांव बनाने हेतु दिलाई गई शपथ

आदिवासी एक्सप्रेस प्रतिनिधि, राजेन्द्र नाथ मुर्मू लिट्टीपाड़ा (पाकुड़) गुरुवार को प्रखंड कार्यालय लिट्टीपाड़ा के सभागार 24 अप्रैल राष्ट्रीय पंचायत राज दिवस के अवसर पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में पंचायती राज संस्थाओं की क्षमता,प्रगति एवं संभावनाओं पर विचार विमर्श चर्चा किया गया।इस कार्यक्रम में प्रखंड विकास पदाधिकारी संजय कुमार ने अपने संबोधन में कहा कि राष्ट्रीय पंचायत राज दिवस के अवसर पर लिट्टीपाड़ा प्रखंड के सभी ग्राम पंचायत स्तर पर विशेष ग्राम सभा, बाल सभा एवं महिला सभा का आयोजन किया जा रहा है साथ ही प्रत्येक ग्राम पंचायत में ग्राम जल एवं स्वच्छता समिति गठन किया जायगा। इसी क्रम में आज प्रखंड स्तर के कार्यक्रम में उन्होंने पंचायती राज संस्थाओं के कामकाज में सामुदायिक सहभागिता प्रोत्साहन, जन जागरुकता, पंचायती राज संस्थाओं की उपलब्धियों आदि से संबंधित गतिविधियों एवं चर्चा करते हुए ग्राम पंचायत को प्रदत्त शक्तियों पर कृत कार्रवई, एवं स्वच्छ सुजल गाँव बनाने के बारे में जानकारी दी। इस कार्यक्रम में उपस्थित सभी लोगों को प्रखंड विकास पदाधिकारी संजय कुमार द्वारा सुजल गांव बनाने हेतु शपथ दिलाई गई।

वहीं इस कार्यक्रम में पाँच पंचायत समिति को योजनाओं की स्वीकृति पत्र प्रदान की गई, पाँच पंचायती राज संस्थाओं को इमारती और फलदार पौधों का वितरण सहित पेयजल व्यवस्था हेतु सांकेतिक रूप से मिट्टी का घड़ा वितरण किया गया।

इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से प्रखंड पंचायत राज पदाधिकारी कमल पहाड़िया, प्रखंड कृषि पदाधिकारी के.सी.दास, प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी मानिक चंद्र दास, JSLPS के प्रखंड कार्यक्रम प्रबंधक जन्मजय बाउरी सहित काफ़ी संख्या में पंचायती राज संस्थाओं के प्रतिनिधि सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे।

राज्य सरकार के निदेश के आलोक में पाकुड़ जिला के स्कूलों के समय सारणी में बदलाव

- गर्मी के बढ़ते प्रभाव को दृष्टिगत रखते हुए समय सारणी में बदलाव
- सभी कोटि के सरकारी, गैर सरकारी सहायता प्राप्त/गैर सहायता प्राप्त (अल्पसंख्यक सहित) एवं निजी विद्यालयों के समय सारणी में बदलाव
- वर्ग KG से वर्ग 08 की कक्षाएं सुबह 7:00 बजे से पूर्वाह्न 11:30 बजे तक होंगी संचालित
- वर्ग-09 से वर्ग-12 तक की कक्षाएँ सुबह 07:00 बजे से 12:00 मध्याह्न तक होंगी संचालित
- आदेश दिनांक 26.04.2025 के प्रभाव से होगा लागू

सुस्मित तिवारी
आदिवासी एक्सप्रेस ब्यूरो पाकुड़

पाकुड़- गर्मी के बढ़ते प्रभाव को दृष्टिगत रखते हुए स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग, झारखण्ड सरकार द्वारा स्कूलों के समय सारणी में बदलाव का आदेश दिया गया है। राज्य सरकार के निदेश के आलोक में उपायुक्त मनीष कुमार द्वारा जिले में संचालित सभी कोटि के सरकारी, गैर-सरकारी सहायता प्राप्त/गैर सहायता प्राप्त (अल्पसंख्यक सहित) एवं निजी विद्यालयों में वर्ग KG से कक्षा आठ की कक्षाएं सुबह 7:00 बजे से 11:30 बजे तक एवं वर्ग 09 से वर्ग 12 तक की कक्षाएँ सुबह 07:00 बजे से 12:00 मध्याह्न तक संचालित करने का निदेश दिया गया है।

निजी विद्यालयों का संचालन संबंधित विद्यालय के दिशा निर्देश के अनुरूप आरटीई अधिनियम एवं प्रबंधन के प्रावधानों के तहत संचालित होंगे। यह आदेश आदेश दिनांक 26.04.2025 के प्रभाव से लागू रहेगा।

प्रखंड लिट्टीपाड़ा में राष्ट्रीय पंचायत राज दिवस कार्यक्रम का हुआ आयोजन सुजल गांव बनाने हेतु दिलाई गई शपथ

सुस्मित तिवारी
आदिवासी एक्सप्रेस ब्यूरो पाकुड़

लिट्टीपाड़ा (पाकुड़) गुरुवार को प्रखंड कार्यालय लिट्टीपाड़ा के सभागार 24 अप्रैल राष्ट्रीय पंचायत राज दिवस के अवसर पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में पंचायती राज संस्थाओं की क्षमता, प्रगति एवं संभावनाओं पर विचार विमर्श चर्चा किया गया।

इस कार्यक्रम में प्रखंड विकास पदाधिकारी संजय कुमार ने अपने संबोधन में कहा कि राष्ट्रीय पंचायत राज दिवस के अवसर पर लिट्टीपाड़ा प्रखंड के सभी ग्राम पंचायत स्तर पर विशेष ग्राम सभा, बाल सभा एवं महिला सभा का आयोजन किया जा रहा है साथ ही प्रत्येक ग्राम पंचायत में ग्राम जल एवं स्वच्छता समिति गठन किया जायगा। इसी क्रम में आज प्रखंड स्तर के कार्यक्रम में उन्होंने पंचायती राज संस्थाओं के कामकाज में सामुदायिक सहभागिता प्रोत्साहन, जन जागरुकता, पंचायती राज संस्थाओं की उपलब्धियों आदि से संबंधित गतिविधियों एवं चर्चा करते हुए ग्राम पंचायत को प्रदत्त शक्तियों पर कृत कार्रवई, एवं स्वच्छ सुजल गाँव बनाने के बारे में जानकारी दी। इस कार्यक्रम में उपस्थित सभी लोगों को प्रखंड विकास पदाधिकारी संजय कुमार द्वारा सुजल गांव बनाने हेतु शपथ दिलाई गई। वहीं इस कार्यक्रम में पाँच पंचायत समिति को योजनाओं की स्वीकृति पत्र प्रदान की गई, पाँच पंचायती राज संस्थाओं को इमारती और फलदार पौधों का वितरण सहित पेयजल व्यवस्था हेतु सांकेतिक रूप से मिट्टी का घड़ा वितरण किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से प्रखंड पंचायत राज पदाधिकारी कमल पहाड़िया, प्रखंड कृषि पदाधिकारी के. सी. दास, प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी मानिक चंद्र दास, JSLPS के प्रखंड कार्यक्रम प्रबंधक जन्मजय बाउरी सहित काफ़ी संख्या में पंचायती राज संस्थाओं के प्रतिनिधि सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे।

उपायुक्त की अध्यक्षता में सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजनाओं की समीक्षा बैठक आयोजित

आदिवासी एक्सप्रेस W . Alam

साहिबगंज। उपायुक्त हेमंत सती की अध्यक्षता में सामाजिक सुरक्षा कोषांग अंतर्गत संचालित विभिन्न पेंशन योजनाओं की समीक्षा को लेकर एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन कार्यालय प्रकोष्ठ में किया गया। इस बैठक में जिले में लागू योजनाओं की प्रगति की गहन समीक्षा की गई एवं संबंधित पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।बैठक में इंदिरा गांधी राष्ट्रीय वृद्धावस्था पेंशन योजना, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय विधवा पेंशन योजना, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय दिव्यांग पेंशन योजना, मुख्यमंत्री मैया सम्मान योजना, मुख्यमंत्री राज्य वृद्धावस्था पेंशन योजना, मुख्यमंत्री राज्य आदिम जनजाति पेंशन योजना, मुख्यमंत्री राज्य महिला सम्मान पेंशन योजना, स्वामी विवेकानंद निःशक्त स्वावलंबन प्रोत्साहन पेंशन योजना एवं एचआईवी/एड्स पीड़ित व्यक्तियों हेतु व्यक्तिगत सहायता पेंशन योजना की समीक्षा की गई। उपायुक्त ने योजनाओं के क्रियान्वयन में तीव्रता लाने पर बल देते हुए लाभुकों तक समय पर पेंशन राशि पहुँचाने के निर्देश दिए। उन्होंने यह भी सुनिश्चित करने को कहा कि पात्र लाभार्थियों की समयबद्ध पहचान कर उनका नाम योजनाओं में सम्मिलित किया जाए, ताकि कोई भी जरूरतमंद व्यक्ति वंचित न रह जाए। बैठक में सहायक निदेशक, जिला सामाजिक सुरक्षा कोषांग अनिल कुमार सहित अन्य संबंधित उपस्थित थे।

राष्ट्रीय पंचायत राज दिवस के अवसर पर जिलास्तरीय एकदिवसीय कार्यक्रम का हुआ आयोजन

- जिला प्रशासन की सजगता, कर्मठता और जिला की विकास योजनाओं में नजर रखना जिला के लिये बनी प्रशंसा के पात्र
- उत्कृष्ट कार्य करने वाले पदाधिकारियों एवं कर्मियों को किया गया सम्मानित

सुस्मित तिवारी
आदिवासी एक्सप्रेस व्युरो

पाकुड़- राष्ट्रीय पंचायत राज दिवस के अवसर पर सूचना भवन सभागार में गुरुवार को जिला स्तरीय एक दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ उपायुक्त मनीष कुमार, उप विकास आयुक्त महेश कुमार संथालिया, उपाध्यक्ष, जिला परिषद अशोक कुमार भगत, परियोजना निदेशक आईटीडीए अरूण कुमार एक्का, जिला परिवहन पदाधिकारी संजय पीएम कुजुर, जिला पंचायत राज पदाधिकारी श्रीमती प्रीतिलता मुर्मू, जिला क्रीड़ा पदाधिकारी श्री राहुल कुमार के द्वारा दीप प्रज्वलित कर शुभारंभ किया गया।

उपायुक्त मनीष कुमार ने कहा कि राष्ट्र निर्माण में पंचायतों की भूमिका क्या होना चाहिए, इसे लेकर पंचायत राज दिवस मनाया जाता है। पंचायत प्रतिनिधियों द्वारा गांवों के विकास में योगदान दिया जा रहा है, जो महत्वपूर्ण है। जितनी भी योजनाएं चल रही हैं चाहे वे मनरेगा की योजना हो, अबुआ आवास, स्वच्छ भारत मिशन हो या कोई और कार्यक्रम, सबके स्वरूप में परिवर्तन आया है एवं लाभुकों के चयन से लेकर योजना के क्रियान्वयन तक हर जगह पंचायत के चयनित प्रतिनिधियों की भूमिका बड़ी है। उपायुक्त ने कहा कि पाकुड़ जिले के ग्राम पंचायत विकास के विविध मानकों पर आगे बढ़ रही है। सभी ग्राम पंचायतों को पंचायत उन्नति सूचकांक में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन हेतु आवश्यक कार्रवाई की जायेगी।

उप विकास आयुक्त महेश कुमार संथालिया ने कहा कि उपायुक्त का प्रतिदिन का मेहनत जिले में बेहतर बदलाव ला रहा है। शिक्षा के क्षेत्र में भी अब जिले में प्रगति हो रहा है। जिला प्रशासन द्वारा खराब पड़े चापानल एवं जलमीनार का मरम्मति किया जा रहा है। जल संचयन का बड़ा मुद्दा है इसपर हम सभी को विशेष ध्यान देने की जरूरत है।

जिला पंचायत राज पदाधिकारी श्रीमती प्रीतिलता मुर्मू ने कहा कि केंद्रीय पंचायती राज मंत्रालय की ओर से पहली बार जारी की गई पंचायत उन्नति सूचकांक में पाकुड़ जिले के पाकुड़िया प्रखंड के राजपोखर ग्राम पंचायत ने राज्य भर में तीसरे अन्य दो ग्राम पंचायत पाकुड़िया एवं पलियादाहा ने टॉप 25 में अपनी जगह बनाई है। यह मूल्यांकन नौ प्रमुख थीम गरीबी मुक्त और बेहतर आजीविका, स्वस्थ्य पंचायत, बाल हितैषी पंचायत, जल पर्याप्त पंचायत, स्वच्छ एवं हरित पंचायत, आत्मनिर्भर बुनियादी ढांचा, सामाजिक न्याय, सुशासन और महिला हितैषी पंचायतों के आधार पर किया गया है।

मौके पर जिला कृषि पदाधिकारी, जिला मत्स्य पदाधिकारी, जिला पशुपालन पदाधिकारी, प्रखंड विकास पदाधिकारी पाकुड़, जिला परियोजना प्रबंधक आनंद प्रकाश, पीएमयू सेल, जेएसएलपीएस के कर्मी समेत अन्य उपस्थित थे।

आतंकियों के मंसूबों को नाकाम करने के चार कदम

विचार

> सच यह है कि यह हमला कश्मीर के लोगों की आजीविका पर हमला है। इस साल कश्मीर में टूरिस्ट बड़ी संख्या में आने शुरूहुए थे। यह हमला उन्हें रोकने के लिए था। ऐसी घटना के बाद कम से कम इस टूरिस्ट सीज़न में तो कश्मीर का सबसे बड़ा धंधा ठप्प पड़ जाएगा। हज़ारों परिवारों का रोजगार छिन गया है। कश्मीरी भी इस आतंकी घटना के शिकार हैं। आतंकवादियों से लड़ते हुए सैयद हुसैन शाह ने अपनी जान कुर्बान की है। कश्मीर के तमाम राजनीतिक नेताओं और पार्टियों ने इस हत्याकांड की भर्त्सना की है। पहली बार किसी आतंकी घटना के खिलाफ़ पूरा कश्मीर बंद हुआ है, मस्जिदों से इसके खिलाफ़ पैग़ाम दिए गए हैं। अगर हम समझदारी दिखाए तो यह कठिन घड़ी कश्मीर और शेष भारत को एक दूसरे के नज़दीक ला आतंकियों को मुंह-तोड़ जवाब देने का अवसर बन सकती है।

योगेंद्र यादव

पहलगाम में आतंकियों द्वारा निर्दोष नागरिकों की नृशंस हत्या की तस्वीरें देख कर किस इंसान का कलेजा नहीं फटेगा, किस न्यायप्रिय व्यक्ति का खून नहीं खौलेगा? शोक के साथ क्षोभ होगा। जिम्मेदारी तय करने और सजा देने की इच्छा होगी। तुरत-फुरत बदला लेने और सबक सिखाने की माँग होगी। आतंकवादी यह जानते हैं, और यही चाहते हैं। टीवी और सोशल मीडिया के इस युग में आतंकवादी यह योजना बनाते हैं की उनकी किस कार्यवाही से किस तरह की प्रतिक्रिया होगी। भावना के उबाल में हम अक्सर ठीक वही सब करते हैं जो आतंकवादी हमसे करवाना चाहते थे। आतंकवाद के खिलाफ़ हमारी सफलता यह नहीं है की हमने कितना आक्रोश दिखाया, कितना जल्दी बदला लिया। हमारी सच्ची सफलता यह होगी की हमने आतंकवादियों के असली मंसूबों को किस तरह समझा और विफल किया। अमरीकी उपराष्ट्रपति के भारत दौरे के बीच इतना बड़ा हमला करने के पीछे आतंकियों के आकाओं की जरूर यह सोच रही होगी कि इससे सत्तापक्ष और विपक्ष के बीच तू-तू-मैं-मैं होगी, भारत की कमजोरी दुनिया के सामने उभरेगी। इसलिए हमारा पहला दायित्व बनता है कि हम इस आरोप-प्रत्यारोप की राजनीति से बाज आएं। चाहे महाकुंभ में हुई मौत हो या फिर दिल्ली स्टेशन पर भगदड़ में हुई मौत, किसी भी दुर्घटना के तुरंत बाद सामूहिक शोक की बजाय जूतमपैजार अशोभनीय है। यह समय शोक संतप्त परिवारों के साथ खड़े होने का है, अपने राजनीतिक हिसाब किताब का नहीं। लेकिन जब यह खेल आतंकवादी हमले के बाद खेले जाते हैं तो सिर्फ अशोभनीय ही नहीं, राष्ट्र को कमजोर करने वाले कदम साबित होते हैं। बेशक, अपने जमाने में बीजेपी ने खुलकर ऐसी खेल खेले थे। नरेंद्र मोदी ने तो 2008 के आतंकी हमले के बीचों-बीच मुंबई में जाकर मनमोहन सिंह सरकार की आलोचना करते हुए प्रेस कांफ्रेंस तक की थी। लेकिन अगर उस समय विपक्ष ग़लत था तो आज भी विपक्ष द्वारा ऐसी कोई हरकत ग़लत होगी। ज़िम्मेदारी तय करने का वक्त आयेगा, लेकिन आज वो समय नहीं है। आज राज्यपाल, मुख्यमंत्री, गृह मंत्री या प्रधानमंत्री का इस्तीफ़ा मांगने का समय नहीं है। अगर हम आतंकवादियों के मंसूबों को विफल करना चाहते हैं पक्ष-विपक्ष या विचारधारा की दीवार के आर पार सब भारतीयों को आज एक साथ खड़ा होने की जरूरत है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे का बयान और नेता विपक्ष राहुल गांधी द्वारा गृह मंत्री अमित शाह को फ़ोन कर समर्थन देना सही दिशा में सही कदम हैं। आतंकवादियों की दूसरी योजना यह रही होगी कि इस हत्याकांड से भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव बढ़कर विस्फोटक बिंदु पर पहुँच जाय। जनता के गुस्से के दबाव में भारत सरकार को जल्दबाजी में कुछ जवाबी कार्यवाही करनी पड़े। भारत-पाकिस्तान में सीमा पर तनाव बढ़ेगा तो पाकिस्तानी की राजनीति में फौज का वजन बढ़ेगा, आतंकियों के सरगना और ताकतवर बनेंगे। अगर हम आतंकियों की इस रणनीति को विफल करना चाहते हैं तो जरूरी है कि हम सरकार पर तुरंत बदले की कार्यवाही दिखाने का दबाव ना बनायें। पहलगाम हत्याकांड की जिम्मेदारी पाकिस्तान स्थित आतंकी संगठन ने ली है, वैसे भी यह साफ़ था की इस घटना के तार पाकिस्तान से जुड़े हैं। जाहिर है भारत सरकार को इसका जवाब देना होगा। लेकिन जल्दबाजी और दबाव में की गई किसी कार्यवाही से टीवी की सुर्खियां तो बन जाती हैं, वोट भी मिल सकते हैं, लेकिन आतंकवाद पर लगाम नहीं लगती। वर्ष 2008 के मुंबई आतंकी हमले के बाद भारत सरकार ने ऊपरी तौर पर बदला लेने की बजाय चुपचाप पाकिस्तान को अंतरराष्ट्रीय मंचों पर आतंकवाद समर्थक साबित करने और उसे अलग-थलग करने में सफलता प्राप्त की। सबक यह है कि सरकार पर फौरी दबाव डालने की बजाय उस पर भरोसा किया जाय ताकि सेना, सुरक्षा एजेंसियां और राजनयिक सही समय पर और अपने तरीके से आतंकवाद के पाकिस्तानी आकाओं को जवाब दे सकें। पहलगाम के आतंकियों की तीसरी साजिश यह रही होगी कि इससे कश्मीर और शेष भारत के बीच की दरार और चौड़ी हो जाएगी। पाकिस्तानी सेना के इशारे पर चलने वाले आतंकवादियों की दरिंदगी का ठीकरा हमारे अपने कश्मीर की जनता के सिर फोड़ने से आतंकवादियों की यह साजिश कामयाब हो जाएगी। सच यह है कि यह हमला कश्मीर के लोगों की आजीविका पर हमला है। इस साल कश्मीर में टूरिस्ट बड़ी संख्या में आने शुरू हुए थे। यह हमला उन्हें रोकने के लिए था। ऐसी घटना के बाद कम से कम इस टूरिस्ट सीजन में तो कश्मीर का सबसे बड़ा धंधा ठप्प पड़ जाएगा। हज़ारों परिवारों का रोजगार छिन गया है। कश्मीरी भी इस आतंकी घटना के शिकार हैं। आतंकवादियों से लड़ते हुए सैयद हुसैन शाह ने अपनी जान कुर्बान की है। कश्मीर के तमाम राजनीतिक नेताओं और पार्टियों ने इस हत्याकांड की भर्त्सना की है। पहली बार किसी आतंकी घटना के खिलाफ़ पूरा कश्मीर बंद हुआ है, मस्जिदों से इसके खिलाफ़ पैग़ाम दिए गए हैं। अगर हम समझदारी दिखाए तो यह कठिन घड़ी कश्मीर और शेष भारत को एक दूसरे के नज़दीक ला आतंकियों को मुंह-तोड़ जवाब देने का अवसर बन सकती है। पहलगाम के आतंकियों की सबसे गहरी साजिश भारत में हिंदू-मुस्लिम के बीच झगड़ा-फ़साद करवाने की है। उन्होंने अपने शिकारों की शिनाख्त उसके धर्म से की, चुन-चुन कर हिंदुओं को मारा। उनकी योजना साफ़ थी - उन्हें भरोसा था कि भारत में बहुत लोग उनकी नकल करेंगे। जैसे उन्होंने धर्म के नाम पर इंसानों को मारा उसी तरह दूसरे लोग भी अब धर्म के नाम पर हमला करेंगे। हिंदू-मुसलमान की आग में भारत को जलाने का षड्यंत्र है यह। इसलिए जो भी पाकिस्तानी आतंकियों से बदला लेने के नाम पर भारतीय मुसलमानों के खिलाफ़ ज़हर उगलता है, जो नाम और कपड़ों से इंसान की शिनाख्त करता है, वो आतंकवादियों के षड्यंत्र का हिस्सा बनता है। पहलगाम का हत्याकांड भारत में नफ़रत की आग फैलाने की योजना है। हिंदू-मुस्लिम एकता का संकल्प लेना और कहीं भी साम्प्रदायिक आग ना लगने देना ही पहलगाम के आतंकवादियों को सबसे करारा जवाब है।

संपादकीय

पाकिस्तान के मंसूबों को विफल करना होगा

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में मंगलवार को पर्यटकों पर हुआ आतंकी हमला चिंताजनक है। यह हमला ऐसे समय हुआ है, जब अमरीका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस भारत यात्रा पर हैं और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सऊदी अरब के दौरे पर हैं। आतंकी सेना और पुलिस जैसी वर्दी में थे। सभी के पास एके-47 और दूसरे हथियार थे। आतंकी हमले के बाद सामने आए वीडियो में इस बात की पुष्टि हुई है कि हथियारबंद हमलावरों ने नाम पूछकर गोली मारी। यह पर्यटकों पर ही हमला नहीं है, बल्कि स्थानीय लोगों के रोजगार पर भी हमला है, जिनकी आजीविका पर्यटन पर निर्भर है। निर्वाचित सरकार के सत्तारूढ़ होने के बाद लगा था कि कश्मीर में धीरे-धीरे स्थिति सामान्य हो रही है, लेकिन बीच-बीच में हुई छिटपुट आतंकी वारदातों से इस बात का संकेत मिल रहा था कि आतंकी मौके की तलाश में हैं। हाल ही पाकिस्तानी सेना के प्रमुख जनरल असीम मुनीर की बयानबाजी ने भी आतंकियों के हौसले को बढ़ाया है। उन्होंने कश्मीर को पाकिस्तान की 'गले की नस' बताया था। उन्होंने 'टू नेशन थ्योरी' का जिक्रकरते हुए हिंदुओं के खिलाफ नफरती बयान देते हुए कहा था कि पाकिस्तानियों को नहीं भूलना चाहिए कि हम उनसे अलग हैं। बदहाली और कई स्थानों पर विद्रोह से जूझ रहे पाकिस्तान को एकजुट रखने के लिए शायद जनरल मुनीर को नफरती भाषण की जरूरत महसूस हुई हो, लेकिन उनकी बातों से पाकिस्तान का भी बड़ा तबका सहमत नहीं हो सकता। इसके बावजूद कट्टरपंथियों को जनरल मुनीर की बातों से ताकत मिली होगी और उनको जनरल मुशर्रफ की याद आ गई होगी, जो भारत के खिलाफ छद्म युद्ध तेज करने के लिए जाने जाते हैं। जनरल मुनीर के बयानों से आतंकियों का दुस्साहस निश्चित रूप से बढ़ा है, इसका प्रमाण कश्मीर में हुआ आतंकी हमला है। असल में बांग्लादेश में तख्तापलट और वहां भारत विरोधी भावनाओं के उभार के बाद पाकिस्तान की शैतानी आंखों में चमक है। उसे लगता है कि अब उसे बांग्लादेश का साथ भी मिल जाएगा। चीन के साथ संबंध मजबूत करके पाकिस्तान अमरीका की कमी पूरी करने में पहले से ही लगा हुआ है। कश्मीर हथियाने के साथ ही 1971 का बदला लेने के लिए वह भारत में अशांति फैलाने की नए सिरे से कोशिश कर सकता है। यह साफ हो गया है कि पाकिस्तान, भारत में आतंकी हमलों के साथ धार्मिक अलगाव भी पैदा करना चाहता है। पाकिस्तान की इस कुटिल चाल को समझते हुए देश में अमन-चैन बनाए रखना पहली प्राथमिकता होनी चाहिए। सभी समुदायों की यह जिम्मेदारी है कि देश का माहौल नहीं बिगड़े। सरकार आतंकियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करेगी ही। सुरक्षा एजंसियां चौकस हैं और आतंकियों को मुंहतोड़ जवाब देने के लिए हर संभव प्रयास किए जाएंगे। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह पूरी स्थिति पर निगाह रखे हुए हैं। इस संवेदनशील मौके पर सभी राजनीतिक दलों को एकजुटता दिखानी होगी। पाकिस्तान के मंसूबों को विफल करने और उसे कड़ा जवाब देने की रणनीति पर काम करना होगा।

पहलगाम : हमला पाकिस्तान प्रायोजित, लेकिन क्या केंद्र सरकार की नाकामी कुछ कम है?

संजय पराते

नोटबंदी के बाद मोदी सरकार का दावा था कि आतंकवाद की कमर तोड़ दी गई है। संविधान के अनुच्छेद-370 को खत्म करते हुए दूसरा दावा था कि आतंकवाद की जड़ को खत्म कर दिया गया है। संसद में इस सरकार ने बार बार अपनी पीठ ठोंकी है कि कश्मीर घाटी में सब ठीक है, आतंकवाद कांग्रेस के जमाने की चीज रह गई है। कल पहलगाम में पर्यटकों पर हुए हमले ने साबित कर दिया कि जम्मू कश्मीर में न आतंकवाद की जड़ खुदी है और न कमर टूटी है। कुछ ही दिनों पहले पाकिस्तान ने आरोप लगाया था कि बलूचिस्तान में ट्रेन पर हुए हमले में भारत का हाथ है। भारत और पाकिस्तान की सरकारों के बीच ऐसे आरोप-प्रत्यारोप चलते रहते हैं। लेकिन क्या यह बात मानी जा सकती है कि केवल पाकिस्तान ही भारत पर आतंकी हमला करता रहता है और पाकिस्तान के अंदर भारत कोई गड़बड़ी नहीं करता? हो सकता है कि ये आतंकी हमला इसी की प्रतिक्रिया हो। यदि न भी हो, तो भी इस हमले के पाकिस्तान प्रायोजित होने में किसी को कोई संदेह नहीं है। सवाल सिर्फ यही है कि यदि पहलगाम हमले में पाकिस्तान का हाथ है, तो भारत सरकार की आंख और कान (इंटेलीजेंस) कहां थी, क्या कर रही थी? जैसी कि खबरें छनकर आ रही है कि ऐसी अनहोनी होने की भनक इंटेलीजेंस को थी, उसका सक्रिय न होना या निष्क्रियता की हद तक जाकर ऐसी सूचनाओं को नजरअंदाज करना हमारी इंटेलीजेंस की सक्षमता पर और बड़े सवाल खड़े करता है। इतना ही बड़ा सवाल खड़ा होता है कश्मीर मामले को डील करने में केंद्र सरकार की नीतियों की विफलता पर। पिछले 12 सालों में कम-से-कम 6 बड़े हमले हुए हैं, जिनमें कम-से-कम 95 लोगों की जान गई है। पिछला हमला तो पिछले साल जून में ही हुआ था। भाजपा सरकार लोगों को सुरक्षा देने में और हमलावरों को पकड़ने में बार-बार फेल हुई है। संविधान के अनुच्छेद-370 को हटाने और जम्मू-कश्मीर से राज्य का दर्जा छीन लेने के बाद इस राज्य की सुरक्षा व्यवस्था के मामले में राज्य सरकार और विधानसभा की कोई खास भूमिका नहीं है। इस राज्य और यहां के नागरिकों की सुरक्षा की पूरी जिम्मेदारी केंद्र सरकार और उसके अधीनस्थ गृह मंत्रालय और केंद्रीय सुरक्षा बलों की और इस प्रदेश के उपराज्यपाल की है। इसलिए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और उपराज्यपाल मनोज सिन्हा को इस घटना की और इससे निपटने में सरकार की नाकामी की पूरी जिम्मेदारी लेनी चाहिए। इस समय इस केंद्र शासित प्रदेश की आबादी लगभग 1.4 करोड़ होगी। पुलिस, अर्ध सैनिक बलों और सैन्य बलों को मिलाकर 4 लाख से ज्यादा जवान यहां तैनात है, यानी हर 35 नागरिक पर एक जवान। इतने सघन सशस्त्रीकरण के बावजूद, किश्तवाड़ जंगल के रास्ते से हमलावरों का आना, पर्यटकों पर 15 मिनट तक अंधाधुंध गोलीबारी करके 27 लोगों की हत्या कर देना आश्चर्य की बात है। लेकिन इससे ज्यादा आश्चर्य इस बात पर है कि इतने संवेदनशील क्षेत्र में भी इस हमले के समय पुलिस या सुरक्षा बल का कोई जवान तक तैनात नहीं था, जो हमलावर आतंकवादियों पर गोली चलाता। यही कारण है कि सुरक्षा बलों की ओर से एक भी गोली नहीं चली और न ही हमले के तत्काल बाद पीड़ितों को कोई मेडिकल सुविधा मिली। इसके कारण होने वाली मौतों की संख्या बढ़ गई। देश के किसी भी हिस्से में लोगों के जान-माल की रक्षा की जिम्मेदारी से सरकार मुकर नहीं सकती। फिर यह हमला केंद्र की मोदी सरकार की असफलता नहीं, तो और क्या मानी जाएगी? पाकिस्तान प्रायोजित इस हमले की जितनी निंदा की जाए, कम है, लेकिन इतना ही यह भी साफ है कि कश्मीर के मामले में इंटेलीजेंस की चौकसी और भारत सरकार की नीतियां बार-बार फेल हुई है। हमले के तुरंत बाद गोदी मीडिया और संघी गिरोह का यह प्रचार भी अब पूरी तरह से झूठा साबित हो गया है कि पर्यटकों से उनका धर्म पूछ-पूछकर हिंदुओं को गोलियां मारी गई है। साफ है कि इस घटना की आड़ में भाजपा और संघी गिरोह 'हिंदू-मुस्लिम' और 'भारत-पाकिस्तान' के नाम पर नफरत की राजनीति करने और सांप्रदायिक ध्रुवीकरण करने के खेल में लग गया है, ताकि बिहार और कुछ राज्यों के होने वाले चुनावों में फायदा उठा सकें। अब यह संभव है कि मुस्लिम विरोधी सांप्रदायिक भावना और पाकिस्तान विरोधी राष्ट्रवादी भावना उभारने के लिहाज से मोदी सरकार कोई 'सर्जिकल स्ट्राइक' भी कर दें। इस आतंकी हमले में केवल हिन्दू ही नहीं, एक मुस्लिम भी, जिनका नाम सैयद हुसैन शाह है, और कुछ विदेशी पर्यटक भी मारे गए हैं। हमले के बाद पीड़ितों की सेवा में कश्मीर का मुस्लिम समुदाय जिस एकजुटता के साथ सामने आया, वह अभूतपूर्व है। सोशल मीडिया में एक स्टोरी तैर रही है कि छत्तीसगढ़ के चिरमिरी के 11 लोगों को किस तरह एक स्थानीय मुस्लिम कपड़ा व्यापारी नजाकत अली ने बचाया है। इस हमले में कर्नाटक से आए पर्यटक मंजूनाथ भी मारे गए हैं। हमले में जीवित बची उनकी पत्नी पल्लवी के इस वक्तव्य को भी नोट करने की जरूरत है "उस दहशत और लाचारी के पल में तीन कश्मीरी युवक आए और हमें बचाया। हमारी मदद करते हुए वे बिस्मिल्लाह, बिस्मिल्लाह कहते रहे। उन्होंने हमें सुरक्षित जगह पर पहुंचाया। मैं आज उन्हीं की वजह से जिंदा हूं। वे अब अजनबी नहीं रहे वे मेरे भाई हैं। इस तरह की दसियों स्टोरी अभी और सामने आएंगी। यही हिंदू-मुस्लिम एकता की सिल्वर लाइन है, जो न आतंकियों की गोलियों से मिटने वाली है और न संघी गिरोह की नफरत फैलाने वाली सांप्रदायिक राजनीति से। कश्मीर की असली ताकत यही है। यह बात आईने की तरह साफ है कि इस हमले से कश्मीर के पर्यटन उद्योग का बहुत नुकसान होने जा रहा है। लेकिन इन हमलों के पीछे जो लोग हैं, वे कश्मीर के लोग तो नहीं ही हैं, क्योंकि कोई अपनी रोजी रोटी और आजीविका पर लात नहीं मारता। असली दुश्मन तो वे लोग हैं, जो विभाजन, हिंसा और नफ़रत की राजनीति से फ़ायदा उठाते हैं। इस कत्लेआम के विरोध में कश्मीर घाटी बंद रही। इस बंद के समर्थन में सत्तारूढ़ नेशनल कॉन्फ्रेंस, पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी, पीपुल्स कॉन्फ्रेंस, अपनी पार्टी और माकपा सहित घाटी की लगभग सभी राजनैतिक धाराएं साथ आई। कई सामाजिक-धार्मिक और व्यापारिक संगठनों और नागरिक समाज के विभिन्न तबकों ने इस आतंकी हमले की खुलकर खिलाफत की है और बंद का समर्थन किया है। घाटी में कई जगहों पर शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन भी हुए, जिसमें प्रदर्शनकारियों ने हमले की निंदा की है। आतंकी हमले का ऐसा एकजुट विरोध पिछले 35 साल में पहली बार देखने को मिल रहा है। घाटी में बंद की सफलता से हिंदुओं और मुस्लिमों के बीच दरार डालने की आतंकी कोशिशें नाकाम साबित हुई है। यह कश्मीर के सुखद भविष्य का संकेत है। कश्मीर के मामले में संवेदनशील सैन्य सूचनाएं पाकिस्तान तक पहुंचाने के आरोप में जो लोग पकड़े गए हैं, उनमें से कई संघी गिरोह से ही जुड़े हुए हैं। अभी तक गिरफ्तार लोगों में न कोई मुस्लिम है, न ईसाई, और न ही कोई सिख या बौद्ध। मनोज मंडल (मध्यप्रदेश), ध्रुव सक्सेना (बिहार), राजीव शर्मा -- इनमें से ऐसे ही कुछ नाम हैं, जिनके भाजपा से संबंध जगजाहिर थे। मध्यप्रदेश में तो थोक के भाव में आरएसएस के 11 कार्यकर्ता, जिनमें एक भाजपा पार्षद भी शामिल था, जासूसी के आरोप में गिरफ्तार हुए हैं। इसलिए यह बात जोरदार ढंग से कही जा सकती है कि भाजपा-संघ का राष्ट्रवाद छद्म-राष्ट्रवाद हैं, जो व्यक्तिगत या राजनीतिक लाभ के लिए आम जनता की देशभक्ति की भावना का शोषण करता है। संघी गिरोह को पहलगाम के आतंकी हमले में छुपे संकेतों को सही अर्थ ग्रहण करना चाहिए। कश्मीर की समस्या एक राजनीतिक समस्या है और इसलिए इसका समाधान भी राजनीतिक ही होगा। कश्मीर की समस्या का जितना संबंध पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद से है, उतना ही संबंध भाजपा की नीतियों से भी है। इन नीतियों ने इस राज्य का विखंडन कर उसकी अस्मिता को रौंदने का काम किया है, इन नीतियों ने कश्मीर की कॉरपोरेट लूट के लिए दरवाजे खोले हैं। संविधान के अनुच्छेद 370 को हटाकर कश्मीर की विशेष स्थिति को खत्म करने का मकसद भी यही था। भाजपा की नीतियों ने पूरे देश में सांप्रदायिक ध्रुवीकरण के जरिए जो मुस्लिम विरोधी भावनाएं पनपाई हैं, वह पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद को खाद-पानी देने का काम करता है। इसलिए, यदि इस आतंकवाद का मुकाबला करना है, तो हिंदुत्व की राजनीति के साथ कॉरपोरेटों के गठजोड़ को शिकस्त देने के लिए आम जनता को लामबंद करना होगा। कश्मीर के संदर्भ में असली राजनैतिक चुनौती यही है।

(लेखक अखिल भारतीय किसान सभा से संबद्ध)

दूरदराज के इलाकों में इंटरनेट की हाईस्पीड सेवा की कछुआ चाल

शरद शर्मा

सरकारी योजनाओं का फायदा उठाने की बात हो या फिर अत्यावश्यक सेवाओं की सुचारू उपलब्धता की। इंटरनेट अब जीवन का अहम अंग बन चुका है। डिजिटल भुगतान से लेकर ऑनलाइन शिक्षा तक इंटरनेट के कारण ही संभव हो पा रही है। देखा जाए तो आज इंटरनेट के बिना पूरी दुनिया में कामकाज की रफ्तार तेज होने की उम्मीद नहीं की जा सकती। दूरदराज इलाकों में चिकित्सा व्यवस्था और सरकारी महकमों में जनता से जुड़े कामकाज भी काफी हद तक इंटरनेट सुविधा पर आश्रित हो गए हैं। इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि दूरदराज के इलाकों में संचार क्रांति पहुंचाने के प्रयास पिछले वर्षों में खूब हुए हैं। केंद्र और राज्य सरकार ने ई-गवर्नेंस सेवा को सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों तक सुदृढ करने के लिए सालभर पहले ही 'फाइबर टू द होम' के जरिए हाईस्पीड इंटरनेट सेवा पहुंचाने की कवायद भी शुरू की थी। इसका उद्देश्य दूर दराज के इलाकों तक केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं का सीधा लाभ देना था। राजस्थान के चार हजार गांवों में आठ हजार सरकारी कार्यालय, स्कूल और डिस्पेंसरी को इस सेवा से जोडने़ का लक्ष्य रखा गया था। दूरसंचार विभाग की ओर से राज्य सरकार को करीब 120 करोड़ रुपए भी जारी कर दिए गए। राजस्थान के सूचना और प्रौद्योगिकी विभाग ने बीएसएनएल के माध्यम से काम कराने का निर्णय कर राशि जारी भी कर दी। लेकिन चिंता की बात यह है कि केंद्र सरकार की 'डिजिटल इंडिया' की मुहिम पर सरकारी लेटलतीफी हावी होती दिख रही है। करीब एक साल बीत जाने के बाद भी जिम्मेदारों में समन्वय के अभाव में हाईस्पीड इंटरनेट का काम अभी तो शुरू ही नहीं हो पाया है। एक तरफ इंटरनेट में एआइ तकनीक के उपयोग ने कामकाज और आसान किया है वहीं तमाम सुविधाओं के बाद भी सरकारी कार्यप्रणाली अपने पुराने ढर्रे पर ही चल रही है। इस लेटलतीफी के कारण सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों में जहां खराब मोबाइल कनेक्टिविटी के कारण लोगों का आपस में बात करना तक मुश्किल हो रहा है, वहां हाईस्पीड इंटरनेट के जरिए तमाम सेवाओं को सुचारू कर आमजन को राहत मिलना फिलहाल दूर की कौड़ी बना हुआ है। ऐसे में ज्यादा परेशानी उनको हो रही है जिन्हें केंद्र व राज्य सरकार की पेंशन, राहत या अन्य योजनाओं का पैसा डिजिटली ट्रांसफर किया जा रहा है। राज्य सरकार को संबंधित एजेंसियों को पाबंद करना होगा कि वे काम की रफ्तार बढ़ाएं ताकि लोगों को राहत मिले अन्यथा लोग परेशान होते ही रहेंगे।

स्वामित्वाधिकारी, मुद्रक व प्रकाशक व संपादक **सरोज चौधरी** द्वारा ई-37, अशोक विहार रांची से प्रकाशित तथा भास्कर प्रिंटिंग प्रेस लालगुटवा रांची से मुद्रित, **संस्थापक संपादक : स्व. राधाकृष्ण चौधरी, प्रबंध संपादक अरूण कुमार चौधरी * फोन :** 9471170557/08084674042, **ई-मेल :** aadivashiexpress@gmail.com

यूजी सेमेस्टर-2 (2023-27) का हिन्दी मेजर-2 की परीक्षा गलत पाठ्यक्रम से परीक्षा ली गई

छात्रों के भविष्य के साथ हो रही है खिलवाड़ - छात्र नेता सोयेब अख्तर

अजय कुमार कुशवाहा
आदिवासी एक्सप्रेस

आज दिनांक 24 अप्रैल 2025 को साहिबगंज जिला अंतर्गत बी0 एस0 के0 महाविद्यालय बरहरवा में एनएसयूआई छात्र नेता सोयेब अख्तर के नेतृत्व में विश्वविद्यालय परीक्षा नियंत्रक के नाम पर ज्ञापन सोपा गया। बताते चले की दिनांक 23 अप्रैल को दूसरी पाली में हिंदी मेजर दो की परीक्षा थी जिसमें प्रश्न पत्र गड़बड़ी का मामला सामने आया है। बी0 एस0 के0 महाविद्यालय बरहरवा के छात्रों ने इसकी सूचना छात्र नेता सोयेब अख्तर किया तथा उन्होंने पाठ्यक्रम और प्रश्न पत्र को देखकर छात्रों की भविष्य को देखते हुए इस विषय को संज्ञान में यह एवं बी0 एस0 के0 महाविद्यालय बरहरवा के प्राचार्य से वार्तालाप करने के बाद प्राचार्य द्वारा सिद्धू कानू मुर्मू विश्वविद्यालय के परीक्षा नियंत्रक को ज्ञापन देकर इस पर संज्ञान लेने का मांग रखा। ज्ञापन में बताया गया है कि विगत दिनांक 23 अप्रैल 2025 को Memo No.- SKMU/Exam/ 125/25 के अनुसार दूसरी पाली में हिंदी मेजर-2 की परीक्षा संपन्न हुई है। परंतु विद्यार्थियों का कहना है कि यूजी सेमेस्टर-2 (2023-27) NEP का हिन्दी मेजर -2 और मेजर -3 के लिए जो पाठ्यक्रम जारी की गई थी। यूजी सेमेस्टर-2 (2023-27) NEP का हिन्दी मेजर-2 का पाठ्यक्रम से प्रश्न नहीं थे बल्कि हिंदी मेजर -3 के पाठ्यक्रम से प्रश्न थे। इसकी शिकायत परीक्षा कक्षा में उपस्थित शिक्षक से की गई, तो शिक्षक छात्रों को बताया कि यह विश्वविद्यालय की गलती है। इसमें हम लोग कुछ नहीं कर सकते यह कहकर छात्रों को अपने स्थान पर बैठा दिया गया। उपरोक्त विषय पर एनएसयूआई आपसे मांग करती है कि इसकी जांच की जाए तथा छात्रों की भविष्य को देखते हुए सही पाठ्यक्रम की परीक्षा ली जाए। गलत पाठ्यक्रम की परीक्षा ली गई है। जिससे सैकड़ो विद्यार्थी मानसिक तनाव में है। छात्र नेता सोयेब अख्तर ने बताया कि विश्वविद्यालय को छात्रों की भविष्य की कोई चिंता नहीं है। अगर आपको ज्ञात हो पूर्व में भी ऐसे मामले सामने आए हैं। विश्वविद्यालय इतनी बड़ी लापरवाही छात्रों के भविष्य के साथ खिलवाड़ कर रही है। विश्वविद्यालय हमेशा से ही सत्र को देरी से चला रहे हैं एवं परीक्षा के डेढ़ महीना पहले नए विषय जोड़े जाते हैं एवं नए पाठ्यक्रम जारी की जाते हैं। क्या ऐसे विषय है जिनमें शिक्षक नहीं है। छात्र लगातार इसकी मांग करते आ रहे हैं परंतु विश्वविद्यालय विद्यार्थियों की एक ना सुन रही है। जब छात्र द्वारा अर्थात छात्रसंघ द्वारा मांग रखी जाती है तब विश्वविद्यालय सचेत होकर उसे पर कार्रवाई करती है। हमें बहुत अफसोस हो रहे है कि संथाल परगना के एकमात्र विश्वविद्यालय कितने लापरवाही से चल रही है। मौके पर एनएसयूआई पूर्व जिला संयोजक रफत हुसैन, एनएसयूआई सदस्य मो रहमोतुल्ला, देवब्रत चक्रवर्ती, अमीर अंसारी, राकेश घोष, सोहेल शेख एवं छात्र तौफीक, जुली कुमारी, प्रतिमा कुमारी, दीप्ति कुमारी, ज्योति कुमारी, शिल्पी कुमारी तथा अन्य की छात्र उपस्थित थे।

सरकार द्वारा बच्चों के लिए संचालित योजनाओं का लाभ बच्चों को शत् प्रतिशत मिले- मो मारूफ

आदिवासी एक्सप्रेस W . Alam

साहिबगंज। सरकार के द्वारा गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए जो भी योजनाएं बच्चों के लिए संचालित की जा रही है उसका शत् प्रतिशत लाभ विद्यालय के बच्चों को मिले। इस दिशा में विद्यालय के प्रधानाध्यापक, संकुल के पदाधिकारी और प्रखंड के शिक्षा पदाधिकारी गंभीरता पूर्वक ध्यान दें. उपरोक्त बातें गुरुवार को नगर पंचायत क्षेत्र के पीएमश्री राजकीय मध्य विद्यालय नया बाजार के निरीक्षण के दौरान आदरणीय विधायक प्रतिनिधि मो मारूफ उर्फ गुड्डू जी ने कहीं. विधायक प्रतिनिधि व नपं प्रशासक स्मिता किरण जी ने संयुक्त रूप से विद्यालय के पठन पाठन एवं विधि व्यवस्था का निरीक्षण किए. विद्यालय में बच्चों को दिए जाने वाले मध्यान भोजन में अनियमितता देखते हुए विधायक प्रतिनिधि ने नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा कि बच्चों को मेन्यू के अनुसार पौष्टिक आहार उपलब्ध कराएं. वहीं परिसर स्थित एक जर्जर भवन के मरमती में भी अनियमित बरतने का मामला सामने आया. भवन की छत इतनी कमजोर है कि पंखा चलाने पर अनहोनी होने की आशंका बनी रहती है। ऐसे में उमस भरी गर्मी में बच्चों को कमरे में रहना पड़ रहा है। उन्होंने विद्यालय के प्रधानाध्यापक को इस पर सकारात्मक संज्ञान लेते हुए पहल करने को कहा है. वहीं उन्होंने कहा कि मामले को विधायक मो ताजुद्दीन उर्फ एमटी राजा के संज्ञान में भी दिया जाएगा. मौके पर शिक्षा परियोजना के बीपीओ कुणाल कुमार, विद्यालय के प्रधानाध्यापक दिलीप कुमार, झामुमो नगर अध्यक्ष मो आजाद, सहित अन्य मौजूद थे.

गुरुवार के दोपहर खाना बनाने के क्रम में आग लगने से सात घर जलकर राख हो गया

आदिवासी एक्सप्रेस W . Alam

साहिबगंज। उधवा राधानगर थाना क्षेत्र के कटहलबाड़ी सरस्वती शिशु विद्या मंदिर स्कूल के पास गुरुवार के दोपहर खाना बनाने के क्रम में आग लगने से सात घर जलकर राख हो गया है। मिली जानकारी के अनुसार आग सबसे पहले पांडव मंडल के घर में खाना बनाने के दौरान लगी। जिससे पूरे घर जलकर राख हो गया। प्रत्यक्षदर्शियों के माने तो पांडव मंडल के रसोई घर से गैस सिलेंडर भी ब्लास्ट हुआ है। गैस सिलेंडर ब्लास्ट होने के बाद ग्रामीणों ने नदी से मशीन के सहारे पानी की जुगाड़ कर आग बुझाने का प्रयास किया। हालांकि तेज हवा के कारण पड़ोस के लक्ष्मण स्वर्णकार समेत अन्य पांच घरों को भी आग अपने चपेट में ले लिया। जिसमें कुलिया बेवा, दुर्जु मंडल, वीरू मंडल, हीरु मंडल और संतोष स्वर्णकार का घर में रखें सभी सामग्री जलकर राख हो गया है। आगलगी घटना की सूचना देने के बावजूद दमकल वाहन मौके पर नहीं पहुंच सकी। ग्रामीणों के सहयोग से आग पर काबू पाया जा सका। ग्रामीणों ने बताया कि आग बुझाने के बाद दमकल वाहन पहुंची। हालांकि राधानगर थाना के एएसआई रवि शंकर झा दलबल के साथ मौके पर पहुंच कर दमकल वाहन के लिए लगातार संपर्क कर रहे थे। विदित हो कि पिछले 1 साल से राधानगर थाना में दमकल वाहन नहीं रहता है। उधवा में आगलगी की सूचना मिलने पर राजमहल से दमकल वाहन उधवा पहुंचती है। जिससे आगलगी पर काबू पाने में असफल रहते हैं। हाल ही उधवा में दर्जनों आगलगी की घटनाएं हुई, जिसमें दमकल वाहन पहुंचने से पहले ही आग से कई घर आग के चपेट में आ जाने से जलकर राख हो जाते हैं।

पंचायत भवन में मुखिया आरती कुमारी के अध्यक्षता में राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस मनाया गया

आदिवासी एक्सप्रेस W . Alam

साहिबगंज। बोरियों प्रखंड के बड़ा तौकीर पंचायत के पंचायत भवन में मुखिया आरती कुमारी के अध्यक्षता में राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस मनाया गया.मुख्य अतिथि के रूप में बाल कल्याण समिति के अध्यक्ष पूर्व मनरेगा लोकपाल अब्दुल सुभान ने अपने पंचायती राज व्यवस्था के बारे में विस्तार से प्रकाश डाला गया. उन्होंने कहा की देश के संवैधानिक रूप से जो संस्थाएं जैसे राज्यसभा लोकसभा और विधानसभा का संचालन किया जाता है ठीक उसी प्रकार 73वां संशोधन सविधान संशोधन में श्री स्तरीय पंचायती राज व्यवस्था का संचालन निहित किया गया है.कहा की ग्राम पंचायत विकास कार्यक्रम के अंतर्गत भारत सरकार के सतत विकास लक्ष्य के अंतर्गत पंचायती राज संस्थाओं द्वारा अपने गए 9 व्यापक विषयों पर जैसे गरीबी मुक्त गांव पर्याप्त जल उपलब्धता वाला गांव हरा भरा गांव आत्मनिर्भर बुनियादी ढांचा युक्त गांव सामाजिक सुरक्षा वाला गांव महिला हितैषी गांव बाल हितैषी गांव सुशासन युक्त विकसित गांव पर विस्तार से ग्रामीणों को संबोधित किया गया.बाल कल्याण समिति के सदस्य दिनेश शर्मा ने समाज में फैली लैंगिक और समानता पर चर्चा किया एवं मिशन वात्सल्य की योजनाओं को जमीन पर लाभ को लाभ मिले इसके लिए भी ग्रामीणों को संबोधित किया गया कार्यक्रम में संवाद की समन्वय अन्य टुडू बड़ा तौकीर पंचायत के पंचायत सचिव प्रियंका तिवडेवाल रोजगार सेवक पंचायत सहायक ग्राम प्रधान एवं ग्रामीण उपस्थित थे.

बच्चा चोरी की अफवाह में भीड़ को उकसाने वाला आरोपी गिरफ्तार, पुलिस ने भेजा जेल

आदिवासी एक्सप्रेस प्रिंस मिश्रा

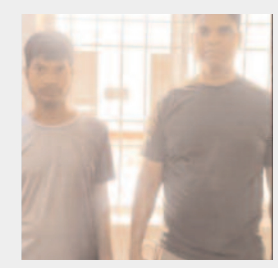

बरहेट थाना पुलिस ने बच्चा चोरी की अफवाह फैलाकर भीड़ में उपस्थित लोगों को उकसाने तथा मारपीट के लिए उतारू होने के मामले के आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। इस घटना पर पुलिस ने थाना कांड ना संख्या 75/25 के तहत चार नामजद व 50-60 अज्ञात लोगों पर प्राथमिकी दर्ज कर मामले में संलिप्त लोगों की खोज कर रही है। थाना प्रभारी पवन कुमार ने इस मामले में बताया कि थाना क्षेत्र के खैरवा गांव निवासी आरोपी चुनु मड़ैया को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है। घटना के संबंध में बताया गया कि थाना क्षेत्र में दरियापुर गांव में बीते शनिवार की देर रात एक अज्ञात का महिला टहलते हुए गांव पहुंची। ग्रामीणों ने बच्चा चोर के संदेह पर महिला को बंधक बना लिया। इस घटना की सूचना थाना प्रभारी को मिलते ही पुलिस बल के साथ तुरंत मौके पर पहुंचें और पुलिस ने लोगों को काफी समझा बुझाकर भीड़ से महिला को मुक्त करवाया। मौके से पुलिस ने महिला को इलाज के लिए सीएचसी बरहेट में भर्ती कराया। चिकित्सक ने प्रारंभिक जांच में बताया किमहिला मानसिक रूप से अस्वस्थ है। हालांकि इस मामले के दौरान भीड़ में कुछ लोग बच्चा चोर बताते हुए महिला के साथ मारपीट करने के लिए उकसाने लगे थे। और महिला से मारपीट करने के लिए उतारू हो गए। मौके पर पहुंची पुलिस ने काफी प्रयास के बाद मामले को शांत कराया। पुलिस इस मामले में अन्य आरोपी की गिरफ्तारी के लिए भी छापेमारी व संलिप्त लोगों पर छानबीन कर रही है। बरहेट थाना प्रभारी पवन कुमार ने कहा कि कोई भी ग्रामीण बच्चा चोरी की अफवाह को लेकर कानून को कतई अपने हाथ में ना लें। ऐसे मामले पर पुलिस को त्वरित सूचित करें। अगर, कोई व्यक्ति कानून को हाथ में लेता है तो उसके विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी। महिला मानसिक रूप से अस्वस्थ है। हालांकि इस मामले के दौरान भीड़ में कुछ लोग बच्चा चोर बताते हुए महिला के साथ मारपीट करने के लिए उकसाने लगे थे। और महिला से मारपीट करने के लिए उतारू हो गए। मौके पर पहुंची पुलिस ने काफी प्रयास के बाद मामले को शांत कराया। पुलिस इस मामले में अन्य आरोपी की गिरफ्तारी के लिए भी छापेमारी व संलिप्त लोगों पर छानबीन कर रही है। बरहेट थाना प्रभारी पवन कुमार ने कहा कि कोई भी ग्रामीण बच्चा चोरी की अफवाह को लेकर कानून को कतई अपने हाथ में ना लें। ऐसे मामले पर पुलिस को त्वरित सूचित करें। अगर, कोई व्यक्ति कानून को हाथ में लेता है तो उसके विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी।

गुरुवार को सिविल सर्जन डॉक्टर प्रवीण कुमार संथालिया ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बरहेट का 10:30 बजे सुबह औचक निरीक्षण किया

आदिवासी एक्सप्रेस W . Alam

साहिबगंज। बरहेट आज 24 अप्रैल 2025 दिन गुरुवार को सिविल सर्जन डॉक्टर प्रवीण कुमार संथालिया ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बरहेट का 10:30 बजे सुबह औचक निरीक्षण किया। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बरहेट में स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता, कर्मियों की उपस्थिति तथा ओपीडी, आईपीडी एवं लैब सेवाओं के संचालन की वास्तविक स्थिति का निरीक्षण किया। निरीक्षण के समय अधिकांश कर्मी उपस्थित पाए गए। ओपीडी का संचालन, आईपीडी में भर्ती मरीजों को आवश्यक दवाएं व देखभाल, रजिस्टरों का रखरखाव, लैब में की जा रही जांच, उपकरणों की नियमित कैलिब्रेशन, लैब टेक्नीशियन की उपस्थिति आदि को बारी बारी से देखा गया। सिविल सर्जन ने निरीक्षण के क्रम में सभी कर्मियों को समय पर उपस्थिति दर्ज कराने, अपना निर्धारित कार्य ईमानदारी से करने एवं मरीजों के साथ व्यवहार में संवेदनशीलता बनाए रखने, बीपीएम एवं ब्लॉक टीम को नियमित मॉनिटरिंग सुनिश्चित करने को कहा गया।

पहलगाम में हिंदू या मुस्लिम की नहीं, इंसानियत की हत्या..झामुमो

अजय कुमार कुशवाहा
आदिवासी एक्सप्रेस

झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले की कड़ी निंदा करता है। यह इंसानियत की हत्या है। इस घटना में हिंदू या मुस्लिम नहीं, बल्कि इंसानियत की हत्या हुई है। पहलगाम में जिन पर्यटकों की हत्या की गई है, उनमें सिर्फ हिंदू नहीं बल्कि मुस्लिम, ईसाई एवं विभिन्न धर्मों के लोग भी शामिल हैं। यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण और मानवता को शर्मसार करने वाली घटना है। इस प्रकार के नरसंहार की जितनी भी निंदा की जाए, वह कम है। हम केंद्र सरकार से इस हमले के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग करते है। भारत सरकार को ऐसा कदम उठाना चाहिए जिससे भविष्य में कोई भी आतंकवादी कश्मीर की ओर देखने की हिम्मत न कर सके। पहलगाम देश और दुनिया के पर्यटकों के लिए एक सुरक्षित और लोकप्रिय स्थल है। जब यह स्थान इतना संवेदनशील और लोकप्रिय है, तब हमले के वक्त वहां केंद्रीय सुरक्षा बलों की अनुपस्थिति पर्यटकों की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े करता है। इस हमले के बाद देशभर में गम और गुस्से का माहौल है। सुरक्षा में हुई इस चूक का जवाब धर्म नहीं हो सकता, बल्कि यह एक प्रशासनिक विफलता है। हम केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह से नैतिकता के आधार पर इस्तीफा देने की मांग करते हैं। केंद्र सरकार ने पुलवामा जैसे घटनाओं से कोई सबक नहीं लिया। अगर सबक लिया गया होता, तो पहलगाम में निर्दोष पर्यटकों का इस तरह से कत्लेआम नहीं होता। हमले के बाद स्थानीय कश्मीरियों, टैक्सी ड्राइवरों, होटल संचालकों और घुड़सवारों ने पर्यटकों की मदद कर उन्हें सुरक्षित घर पहुंचाने के लिए निःशुल्क व्यवस्था की। वहीं दूसरी ओर दिल्ली से फ्लाइट किराए में भारी वसूली की गई, जिससे लोग आहत हैं। हम केंद्र सरकार से पाकिस्तान समर्थित आतंकवाद के खिलाफ कठोर कदम उठाने और पर्यटकों की सुरक्षा व्यवस्था में हुई चूक के सवालों का जवाब देने की मांग करते हैं।

संक्षिप्त समाचार

घाट मोहब्बतपुर में जल्द लगेगा बिजली ट्रांसफार्मर: बरकत खान

आदिवासी एक्सप्रेस मोहित मंसूरी

पथरिया पंचायत के घाट मोहब्बतपुर ग्राम में बाघमारा पोखर के पास स्थित ट्रांसफार्मर बीते 5-6 दिन से जल जाने के कारण परेशान पूरे गांव वाले ने जिला अध्यक्ष सह विधायक प्रतिनिधि बरकत खान जी के आवासीय कार्यालय पर आज अहले सुबह पहुंचकर अपनी समस्याओं से अवगत कराया। ग्रामीणों ने कहा की पिछले 5 दिनों से बिजली ट्रांसफार्मर जल जाने के कारण पूरा ग्राम अंधेरे में है, छात्रों के पठन पाठन एवं आम लोगों की रोजमर्रा के कार्यों में समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों ने बरकत खान को लिखित आवेदन भी दिया। विधायक प्रतिनिधि बरकत खान ने संज्ञान में लेते हुए बिजली विभाग के पदाधिकारियों से वार्तालाप कर यथाशीघ्र खराब बिजली ट्रांसफार्मर के स्थान पर नया ट्रांसफार्मर लगाकर बिजली बहाल करने का आग्रह किया,विभागीय अधिकारियों ने जल्द बिजली ट्रांसफार्मर लगाने का आश्वासन दिया। मौके पर उपस्थित हसमत शेख, अंजारुल शेख, रमजान पासी,जगमोहन पासी,नासिक शेख,सुल्तान शेख,एजाज अहमद,नूरुल शेख,सैफुल शेख,बीरन पासी,सलाम शेख,रफीकुल शेख,मोहन पासी, आशीष शेख सहित दर्जनों ग्रामीण उपस्थित थे।

विधायक प्रतिनिधि ने किया नपं में 13.80 लाख के दो योजनाओं का शिलान्यास

आदिवासी एक्सप्रेस W . Alam

साहिबगंज। राजमहल नगर पंचायत क्षेत्र के वार्ड संख्या 9 एवं 13 के लिए लगभग 13.80 लाख की लागत से बनने वाले दो योजनाओं का शिलान्यास राजमहल विधानसभा के माननीय विधायक प्रतिनिधि मो मारूफ उर्फ गुड्डू जी , नपं प्रशासक स्मिता किरण जी व झामुमो नगर अध्यक्ष मो आजाद जी ने संयुक्त रूप से किया। नगर पंचायत प्रशासक ने बताई की वार्ड संख्या 9 में निखिल मंडल के घर से मिडिल स्कूल नया बाजार तक पेवर्स ब्लॉक लगाने एवं वार्ड संख्या 13 में गार्डवाल निर्माण की योजना संचालित होनी है जिसका शिलान्यास किया गया है. विधायक प्रतिनिधि जी ने संबंधित संवेदक को कहा कि जनहित की योजनाएं हैं. गुणवत्तापूर्ण तरीके से योजना का क्रियान्वयन करना सुनिश्चित करेंगे. मौके पर दिनेश कुमार मंडल, बाबूजी हेंब्रम, जितेश चौधरी सहित अन्य मौजूद थे.

नव नियुक्त बीटीएम एवं एटीएम कर्मियों का तीन दिवसीय प्रेरण प्रशिक्षण प्रारंभ

आदिवासी एक्सप्रेस W . Alam

साहिबगंज। आत्मा सभागार, साहेबगंज में नव नियुक्त बीटीएम (ब्लॉक टेक्निकल मैनेजर) एवं एटीएम (असिस्टेंट टेक्निकल मैनेजर) कर्मियों के लिए तीन दिवसीय प्रेरण प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ आज किया गया। यह प्रशिक्षण 26 अप्रैल, 2024 तक आयोजित किया जाएगा, जिसमें जिले के कुल 15 नव नियुक्त कर्मी भाग ले रहे हैं। प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य नव नियुक्त अधिकारियों को कृषि एवं उससे सम्बंधित विभागों की विभिन्न योजनाओं, नीतियों तथा तकनीकी पहलुओं की जानकारी देना है, ताकि वे जमीनी स्तर पर किसानों को योजनाओं का लाभ दिला सकें और कृषि क्षेत्र में नवाचार व तकनीकी सुधार को प्रोत्साहित कर सकें। प्रशिक्षण के दौरान विशेषज्ञों द्वारा आत्मा योजनान्तर्गत क्रियान्वित हो रही योजनाओं, कृषि यांत्रिकीकरण, जैविक खेती, पीएम-किसान योजना, मृदा स्वास्थ्य कार्ड योजना आदि पर विस्तृत जानकारी दी जा रही है। कार्यक्रम का संचालन जिला कृषि पदाधिकारी तथा आत्मा के परियोजना निदेशक के मार्गदर्शन में किया जा रहा है। इस प्रशिक्षण से नव नियुक्त कर्मियों को अपने कार्यक्षेत्र में प्रभावी ढंग से कार्य करने की दिशा में सशक्त आधार मिलेगा।

प्रखंड कार्यालय सभागार में बुधवार को प्रखंड क्षेत्र के ग्राम प्रधानों की बैठक कर ग्राम प्रधानों ने सौंपा ज्ञापन

आदिवासी एक्सप्रेस
बरहेट जय ठाकुर

प्रखंड कार्यालय सभागार में बुधवार को प्रखंड क्षेत्र के ग्राम प्रधानों की बैठक मांझी परगना के अध्यक्ष बेटका मुर्मू की अध्यक्षता में हुई। बैठक में ग्राम प्रधान व नाइकी परगनैत को कल्याण विभाग से दो पहिया वाहन उपलब्ध कराने की दिशा में हुई कार्रवाईपर चर्चा हुई। वित्तीय वर्ष 2023-24 में कल्याण विभाग इस संबंध में एक पत्र निर्गत किया है। ग्राम प्रधानों का कहना था कि छह माह बीतने के बाद भी इस संदर्भ किसी भी प्रकार की पहल नहीं हुई है। हालांकि इसके लिए आवश्यक दस्तावेज विभाग को दे दिया गया है। बैठक में सीओ के माध्यम से जिला कल्याण पदाधिकारी को ज्ञापन सौंपा गया। मौके पर पौलुस माल्तो, बड़का टुडू, महेश माल्तो, बड़का सोरेन, बालेबीटी मुर्मू, करुण पहड़िया सहित क्षेत्र के सभी ग्राम प्रधान मांझी परगनैत शामिल थे।

संक्षिप्त समाचार

गिरिडीह: पूर्व सांसद डॉ रविन्द्र कुमार राय ने पहलगाम घटना की निंदा करने के साथ ही सेक्यूलर नेताओं पर कसा तंज

गिरिडीह, प्रतिनिधि। कश्मीर के पहलगाम में हिन्दुओ को चिन्हित कर हत्या किये जाने की घटना से देश में उबाल है। लोग मोदी सरकार से पाकिस्तान के आंतकियो के खिलाफ कड़ी करवाई की मांग कर रहे है। इसी क्रम में गुरुवार को गिरिडीह पहुंचे पूर्व सांसद सह भाजपा के प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष डॉ रविन्द्र कुमार राय ने प्रेसवार्ता कर पहलगाम कि घटना पर देश के सेक्युलर नेताओं पर कड़ा प्रहार करते हुए कहा कि पेंट खोलकर लिंग परीक्षण कर व धर्म पूछ कर हिन्दुओ की हत्या की गई, इससे अधिक शर्मनाक बात सेक्यूलर नेताओं के लिए ओर क्या हो सकती है। उन्होंने कहा कि एक तरफ देश का इकोनॉमिक मोदी सरकार मे तेजी से बढ़ा है वहीं दूसरी तरफ अब आतंकी इसे ध्वस्त करने में जुटे हुए है। कहा कि देश की शांति व्यवस्था और समाजिक सद्भाव को पाकिस्तान के इस्लामिक आंतकी बर्बाद करने में लगे हुए है। इस दौरान उन्होंने चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि जिस प्रकार झारखण्ड में बांग्लादेशी बसते जा रहे है उससे भविष्य में झारखंड की स्थिति भी भयावह हो सकती है। वहीं हेमंत सरकार के मुस्लिम मंत्री का बयान भी चिंता बढ़ाने वाला है। प्रेसवार्ता के दौरान भाजपा नेता कामेशर पासवान, प्रकाश दास, संजीत सिंह पप्पु, चिंतामणि वर्मा मौजूद थे।

गिरिडीह: श्री गुरुनानक विद्यालय में योग अभ्याश शिविर का आयोजन

गिरिडीह, प्रतिनिधि। गुरुवार को शहर के स्टेशन रोड स्थित श्री गुरुनानक विद्यालय में योगाभ्यास का आयोजन किया गया। जिसमें विद्यालय के छात्र छात्राओं को हरिद्वार से आए युवा सन्यासी विश्वदेव के द्वार सभी को योग अभ्यास कराया गया और योग से होने वाले लाभों के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। मौके पर स्वामी जी ने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि अगर बच्चों को शारीरिक और मानसिक रूप से अपने आप को मजबूत और स्वस्थ रखना है तो उनको अपने जीवन में योग अभ्यास को जरूर शामिल करना चाहिए। वहीं विद्यालय की प्रधानाध्यापिका स्वपना कुमार ने कहा कि इतने बड़े योग गुरु का विद्यालय में आना और सभी को योगाभ्यास के साथ साथ योग की महत्पूर्ण जानकारी देना विद्यालय परिवार के लिए गर्व की बात है। इस दौरान विद्यालय के अध्यक्ष देवेंद्र सिंह ने स्वामी जी का आभार प्रकट किया। मौके पर भारत स्वाभिमान के जिला प्रभारी नवीन कांत सिंह, विद्यालय के सचिव कुंवरजीत सिंह, शारीरिक शिक्षक अमित स्वर्णकार, शिक्षक तारिक अहमद, गौरभ सिंह, ब्यूटी बनर्जी के अलावा विद्यालय के अन्य सभी शिक्षक उपस्थित थे।

गिरिडीह: आतंकवादी हमले के खिलाफ श्रद्धांजलि सभा का आयोजन

गिरिडीह, प्रतिनिधि। गिरिडीह के भंडारीडीह स्थित माहुरी छात्रावास सह माँ मथुरासिनी मंदिर परिसर में कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले में मारे गए लोगों की आत्मा की शांति के लिए श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। इस दौरान कैडिल जलाकर पुष्प अर्पित किए गए और दो मिनट का मौन रखा गया। पूर्व उप महापौर प्रकाश सेठ ने सरकार से दोषियों को कठोर सजा देने की मांग की, वहीं महामंत्री उमा शंकर चरणपहाड़ी ने घटना की कड़ी निंदा करते हुए भारत सरकार से सख्त कार्रवाई की अपील की। कार्यक्रम में कई सामाजिक और राजनीतिक प्रतिनिधियों सहित छात्रावास के छात्र भी शामिल हुए।

इंडिया मास्टर शेफ विक्की साव ने पाककला में कला से ज्यादा स्वाद पर जोर दिया

आदिवासी एक्सप्रेस मुबंई/चौपारण
शेफ विक्की साव ,भोजन बनाने में है माहिर, कई प्रकार के व्यजंन के के लिए मुबंई में महशूर है। बात कर रहे है झारखंड के हजारीबाग , चौपारण गाँव से निकले एक युवक की जो होटल मैनजमेंट की पढ़ाई कर मुबंई गया और होटल में काम करने लगा। विक्की 2001 में मुंबई गया और होटल में काम में लगा तब से आज तक मुबंई में ही काम कर रहे है। उन्होंने बताया कि मैं बहुत तरह का डिश बनाता हूँ। मुझे खाना बनाने में कई शेफ अवार्ड भी मिला है। साथ ही साथ मुबंई के बहुत से फेमस होटलों में भी काम किया हूँ।
विक्की अपने टेस्टी भोजन बना कर हज़ारो ग्राहकों के दिलो पर राज करते है। आपको बता दु सेलिब्रिटी शेफ विक्की साव का अपना स्टाइल है। जो मुंबई सहित कई राज्य में फेमस है। यदि शेफ विक्की साव से कॉन्टेस्ट करना है तो 9819637129 से कर सकते है।

जमुआ: जमीन विवाद को लेकर मारपीट की घटना घटी, कई लोग घायल

हर्वे हथियार से लैश होकर विपक्षी लोगो ने सुदामा प्रसाद वर्मा समेत समस्त परिवार को गंभीर रूप से घायल कर दिया

जमुआ, प्रतिनिधि। जमुआ थाना क्षेत्र अंतर्गत श्यामसिंह नावाडीह में जमीन विवाद को लेकर मारपीट की घटना घटी, जिसमें कई लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों का ईलाज जमुआ स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र में किया गया। गंभीर रूप से घायल गर्भवती महिला को बेहतर इलाज के लिए अन्यत्र रेफर किया गया।इस बावत सुदामा प्रसाद वर्मा ने जमुआ थाना में मामला दर्ज कराया है। जिसमें अभ्यावेदन में उल्लेख किया गया है कि सुदामा प्रसाद वर्मा उम्र 55 वर्ष पिता हुरो महतो साकिन श्यामसिंह नवाडीह पो बाटी थाना जमुआ जिला गिरिडीह का रहने वाला है। विदित हो कि मौजा श्यामसिंह नवाडीह थाना जमुआ खाता नंबर 45 प्लोट नंबर 1238 रकवा 9 एकड़ 33 डी0 के मध्य 35 डी0 जमींन है जो जमींन गैर मजुरवा खास जमींन जो मेरे दादा के नाम से हुकुमनामा से प्राप्त है जिसका सरकारी रशीद कट रहा है, इस जमीन को मेरे पूर्वजों से हि जोत कोड करते तथा दखल कब्जा चलता आ रहा है, जो दिनांक 24/04/2025 को सुबह 6 बजे के करीब अपने घर पर था तभी बाहर शोर सुनाई दिया जब मैं घर से बाहर निकला तो देखा कि मेरे घर के सामने स्थित मेरे जमीन पर 1. सुबोध वर्मा पिता नुनुराम महतो 2. बाबूलाल महतो पिता सोमार महतो 3. अजय वर्मा पिता बाबूलाल महतो 4. बालेश्वर महतो पिता स्व0 गणेश महतो 5. लिलो महतो पिता स्व0 पुनीत महतो 6. फुलवा देवी पति एतवारी महतो तथा अन्य 30 से 35 लोग सभी ग्राम श्यामसिंह नवाडीह थाना जमुआ जिला गिरिडीह का है जो इनलोग मेरे जमींन पर जबरन कब्जा कर रहा है जिसे देखकर मै डर गया तथा डरते हुए मै जमींन पर जब उनलोग को जमींन में काम करने से मना करने लगा तो उपरोक्त लोग हर्वे हथियार से लेश था जो हमलोग के साथ मारपीट लड़ाई झगड़ा गाली गलौज व जान से मारने के नियत से मेरे व मेरे परिवार लोग को लाठी डंडा कुल्हाड़ी से हमला कर दिया व सुबोध वर्मा रड से माथा में जान से मारने के नियत से सर पे वार करना चाहा तभी मेरी पत्नी दाए की और झुकी उसके बाद रड जाकर बाह में लगा जो उसका हाथ टूट गया जिसे देखकर मै दोड़ कर बचाने के कोशिश किया इसी क्रम में बाबूलाल महतो जान से मारने के नियत से मेरे सर पर वार किया कुल्हाड़ी जाकर मेरे कनपटी पर लगा जो मैं जख्मी हो गया और काफी खून बहने लगा हम दोनों को मारते देख मेरा भतीजा देवेन्द्र वर्मा वहां पंहुचा जिसे लिलो महतो पीछे से पकड लिया और बालेश्वर महतो ने कुल्हाड़ी से माथा पर वार किया जिससे मेरा भतीजा लहू लुहान होकर गिर पड़ा ।इसी क्रम में प्रियंका वर्मा जो गर्भवती है उसे भी इनलोग लात और इट से मारा जिस कारण बेहोश होकर जमींन पर गिर पड़ी। तथा दो दिन पूर्व अजय वर्मा तथा सुबोध वर्मा ने कहा थी कि तुम्हारे बाप-दादा ने बहुत प्रोपटी रखा है। अगर तुमलोग सुरक्षित रहना चाहते हो तो रंगदारी के रूप में (2,00,000) दो लाख रुपया देना होगा। बहरहाल पुलिस मामले की तहकीकात कर मामला दर्ज करने की कारवाई कर रही है। घायलों का ईलाज जमुआ अस्पताल में किया गया है। इधर द्वितीय पक्ष के बालेश्वर महतो ने बताया कि हमलोग बजरंग बली मंदिर का चारो तरफ पीपल, फूल, बरगद आदि का पेड़ लगा रहें थे। इस दौरान सुदामा वर्मा एवं अन्य सदस्यों द्वारा मारपीट की घटना घटी।

गिरिडीह: झारखंड विधानसभा की अनागत प्रश्न क्रियान्वयन समिति पहुंची गिरिडीह

गिरिडीह, प्रतिनिधि। झारखंड विधानसभा की अनागत प्रश्न क्रियान्वयन समिति गुरुवार को गिरिडीह पहुंची और परिसदन भवन में विभिन्न विभागों के अधिकारियों के साथ बैठक की। बैठक में समिति के अध्यक्ष सुरेश पासवान ने ग्रामीण विकास, सड़क, जल संसाधन, स्वास्थ्य, विद्युत, पंचायती राज, पर्यटन, भूमि संरक्षण व विशेष प्रमंडल समेत कई विभागों की योजनाओं की विस्तृत जानकारी ली। संबंधित विभागों से कार्य प्रगति प्रतिवेदन प्राप्त करने क साथ ही कार्यों की प्रगति रिपोर्ट भी ली। इस दौरान उन्होंने विभागीय अधिकारियों को सुदूरवर्ती क्षेत्रों में पेयजल और विद्युत आपूर्ति की व्यवस्था को सुदृढ़ करने का निर्देश दिया। जिले में निर्माणाधीन सड़कों की प्रगति की जानकारी लेते हुए समिति के अध्यक्ष ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि तय समय सीमा में कार्य पूरा कराया जाये। साथ ही उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा संचालित विभिन्न विकासात्मक योजनाओं को धरातल पर उतारा जाय और ग्रामीणों को लाभान्वित किया जाय। उन्होंने कहा कि योजनाओं के क्रियान्वयन में पारदर्शिता और तत्परता बरती जाय, जिससे किसी भी प्रकार की कोताही नहीं हो। बैठक में अपर समाहर्ता, निदेशक डीआरडीए, जिला आपूर्ति पदाधिकारी, जिला नजारत उप समाहर्ता, जिला पंचायती राज पदाधिकारी, जिला शिक्षा पदाधिकारी, जिला शिक्षा अधीक्षक, श्रम अधीक्षक समेत विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय पदाधिकारी उपस्थित थे।

बुढ़मू पुलिस ने फरार वारंटी के घर इश्तिहार चिपकाए

आदिवासी एक्सप्रेस
बड़कागांव। रांची जिले के बुढ़मू थाने के पुलिस ने बड़कागांव पुलिस के सहयोग से बड़कागांव प्रखंड के देवगढ़ निवासी वारंटी दिवाकर गंझु उर्फ प्रताप जी के घर पहुंच कर इश्तिहार चिपका कर न्यायालय में उपस्थित होने को कहा गया है। दिवाकर 17 सीएलए एक्ट के एक गंभीर मामले में फरार है। न्यायालय के निर्देश पर इश्तिहार चिपकाया गया है। मौके पर बुढ़मू थाना के पुलिस अवर निरीक्षक रवि रंजन कुमार ,सअनि लवकुश कुमार, एवं बड़कागांव थाना के सअनि बसंत भगत एवं सशस्त्र बल शामिल थे।

गिरिडीह में राहगीरों के लिए राहत: बरगंडा में अस्थायी प्याऊ का शुभारंभ

गिरिडीह, प्रतिनिधि। गिरिडीह के बरगंडा क्षेत्र में भीषण गर्मी से जूझ रहे राहगीरों को राहत देने के उद्देश्य से चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज- गिरिडीह द्वारा वंडर वर्ल्ड के बाहर अस्थायी प्याऊ की शुरुआत की गई। सीसीआई अध्यक्ष राहुल वर्मन, सचिव विकास गुप्ता और संयोजक अरविंद कुमार ने इसका उद्घाटन किया। इस प्याऊ में शीतल जल, सत्तू शर्बत और चना-गुड़ का निःशुल्क वितरण किया जा रहा है, जो अगले 70 दिनों तक लगातार जारी रहेगा। उद्घाटन के पहले दिन ही सैकड़ों लोगों ने सेवा का लाभ उठाया आयोजकों की सराहना की।

डीटीओ ने दिया मानवता का परिचय: सड़क दुर्घटना में घायल महिला को अपनी गाड़ी से पहुंचाया अस्पताल

आदिवासी एक्सप्रेस लालू कुमार यादव हुसैनाबाद पलामू
हुसैनाबाद पलामू: जिला परिवहन पदाधिकारी जितेंद्र यादव ने गुरुवार को मानवता का परिचय देते हुए सड़क दुर्घटना में घायल महिला को अपनी गाड़ी से अस्पताल पहुंचाया। दरअसल, छत्तरपुर थाना क्षेत्र के टेलाड़ी मोड़ में हुए सड़क हादसे में एक महिला गंभीर रूप से घायल हो गयी थी जिसे डीटीओ जितेंद्र यादव ने अपने कार्यालय कर्मियों संग मिलकर घायल महिला को इलाज हेतु छतरपुर अनुमंडलीय अस्पताल में एडमिट कराया। घायल महिला अपने पति व बच्चे संग बाइक पर सवार होकर पाटन के किशुनपुर से हरिहरगंज जा रही थी इसी क्रम में टेलाड़ी मोड़ के समीप बाइक असंतुलित होकर गिर गया जिसमें महिला चोटिल हो गयी। ज्ञातव्य है कि कैंप कार्यालय के तहत आज पलामू उपायुक्त का हुसैनाबाद अनुमंडल परिसर में कार्यक्रम है जिसमें भाग लेने डीटीओ जा रहे थे।जिला परिवहन पदाधिकारी ने आमजनों से भी सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्तियों को अस्पताल पहुंचाने की अपील की है। उन्होंने कहा कि सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्तियों को अस्पताल पहुंचने वाले लोगों को गुड सेमेरिटन योजना के तहत पुरस्कृत भी किया जाता है।

टंडवा में अवैध बालू का भंडारण पर विभाग मौन, कमीशन खोरी का आरोप

- **चतरा उपायुक्त द्वारा अवैध बालू भंडारण पर संलिप्त अधिकारी व कर्मी पर कारवाई का आदेश के बाद भी नहीं होती है कारवाई**

आदिवासी एक्सप्रेस संवाददाता
टंडवा, (चतरा)। अवैध बालू भंडारण थमने का नाम नहीं ले रहा है। आस-पास के विभिन्न नदियों से अवैध बालू की ढुलाई कर कंपनियों के साइड में डंप किया जा रहा है। सम्बन्धी विभाग द्वारा कार्रवाई के नाम पर केवल खानापूर्ति की जा रही है। टंडवा अंचल के उड़सू के बैगनत्तरी व बिंगलात की नदियों से रात और दिन के उजाले में अवैध बालू की ढुलाई कर शहीद चौक के एनटीपीसी जाने वाली रास्ते के समीक्ष हरदियाबांध तालाब पास अवैध बालू भंडारण कर के खपाया जाता है। जबकि बालू की ढुलाई टंडवा प्रखंड के नदियों से किया जाता है लेकिन कंपनियों द्वारा रॉयल्टी की पेपर अन्य जिला का होना बहुत बड़ा भ्रष्ट का मामला सामने आने लगा है। सबसे आश्चर्य की बात है उक्त सड़क से कई आला अधिकारी को आना जाना होता है पर किसी को नजर नहीं है या कार्रवाई के नाम पर सभी लोग आंख बंद किए हुए हैं, जिसका चर्चा जोरों पर है। बताया जाता की बालू माफिया एवं विभाग के कुछ अधिकारियों की मिली भगत से बालू का अवैध उठाव व भंडारण हो रहा है। यह सिलसिला पिछले कई दिनों से चल रहा है। अवैध बालू की खनन्न से राज्य सरकार की करोड़ों रुपये का नुकसान का खामियाजा भुगतना पड़ रहा है। वही दूसरी तरफ जिला खनन्न विभाग द्वारा बालू की चालान की व्यवस्था नहीं हो पाना बहुत बड़ा दुर्भाग्य दर्शाता है। ऐसे इन दिनों नदियों का भौगोलीय संरक्षण को तार-तार कर बालू माफियाओं ने तहस नहस कर दिया है। और खबर प्रकाशित होने के बाद कई दलाल मैनेजिंग में जुट जाते हैं। चतरा उपायुक्त पूर्व में ही अवैध बालू भंडारण में संलिप्त अधिकारियों पर कार्रवाई का निर्देश दिए हैं। विगत जनवारी माह में मयूरहंड प्रखंड में भारी मात्रा में अवैध बालू के भंडारण जप्ती मामला पर चतरा उपायुक्त सख्त कार्रवाई करते हुए संलिप्त अधिकारी व कर्मियों पर भी कार्रवाई कर चुके हैं।

पूर्व विधायक अंबा प्रसाद की अनुशंसा पर स्वीकृत पथ का निर्माण कार्य हुआ शुरू

- **सुकुल खपिया से अंबाजीत तक 2 करोड़ की लागत से निर्माण कार्य जारी**

आदिवासी एक्सप्रेस
बड़कागांव। बड़कागांव विधानसभा क्षेत्र के पूर्व विधायक अंबा प्रसाद के द्वारा अनुशंसित कई सड़कों का निर्माण तेजी से विधानसभा क्षेत्र में हो रहा है।इसी कड़ी में ग्रामीण कार्य विभाग द्वारा स्वीकृत बड़कागांव प्रखंड क्षेत्र के सुकूलखपिया (तारा पोखर से अंबाजीत) पथ तक लगभग 2.800 किमी सड़क एक करोड़ 93 लाख की लागत? से हो रहा है। सड़क निर्माण होने से स्थानीय निवासी काफी प्रसन्न है एवं पूर्व विधायक का आभार भी व्यक्त कर रहे हैं।पूर्व विधायक अंबा प्रसाद ने इस संबंध में बताया कि विगत जुलाई माह में ही स्वीकृति के लिए योजना को राज्य स्तर से स्वीकृत करने का कार्य किया गया है। इस योजना के साथ ही कई दर्जन सड़क निर्माण की स्वीकृति हुई है जिसके लिए निविदा जारी होते ही कार्य शुरू हो जाएगा।

उपायुक्त की अध्यक्षता में हुई नार्कोटिक्स समन्वय समिति की बैठक, पुलिस अधीक्षक समेत अन्य संबंधित विभागों के पदाधिकारी हुए शामिल

आदिवासी एक्सप्रेस
हजारीबाग। उपायुक्त नैंसी सहाय की अध्यक्षता में नार्कोटिक्स समन्वय समिति (NCORD) की बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक में पुलिस अधीक्षक श्री अरविंद कुमार सिंह, एसडीएम सदर समेत अन्य संबंधित विभागीय पदाधिकारी मौजूद रहे। बैठक में नशे के विरुद्ध जागरूकता अभियान व इसके रोकथाम को लेकर की जा रही कार्रवाई की समीक्षा की गई। एनडीपीएस एक्ट के तहत दर्ज मामलों, नशीले पदार्थों के उत्पादन, प्रसंस्करण और तस्करी की रोकथाम पर चर्चा की गई। इसके अलावा, नगर क्षेत्र के युवा आबादी में नशे के खिलाफ जागरूकता लाने और दवा दुकानों में बिना प्रिस्क्रिप्शन के दवा देने तथा ड्रग पेडलर के विरूद्ध प्रभावी कार्रवाई को सभी विभागों को आपसी समन्वय से कार्रवाई हेतु निर्देशित किया गया।
उपायुक्त ने स्पष्ट निर्देश दिया कि बगैर चिकित्सक के परामर्श के बिक्री हेतु प्रतिबंधित दवाओं की सूची सभी मेडिकल संचालक अपने दुकानों में डिस्पले करेंगे। उन्होने नशीली दवाओं के दुरुपयोग और अवैध व्यापार को समाप्त करने के लिए ठोस कार्रवाई के निर्देश दिए। मादक पदार्थों अफीम आदि की खेती के संभावित क्षेत्रों की पहचान कर नियमित कारवाई करते हुए फसलों को नष्ट करने का निर्देश दिया। अंतर्राज्यीय और अंतरजिला मार्गों पर तस्करी की प्रवृत्तियों के बारे में जानकारी एकत्र कर प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करने की बात की गई ।
थाना स्तर पर सभी निजी व सरकारी स्कूल के प्राचार्य के साथ बैठक करने, पैरेंट्स- टीचर मीटिंग में ड्रग्स को लेकर जागरूक करने, सभी स्कूलों और शिक्षण संस्थानों में सघन जागरूकता अभियान चलाने का निर्देश दिया गया। साथ ही स्कूलों के 100 गज के दायरे में मादक पदार्थों की बिक्री के विरूद्ध अभियान चलाकर कार्रवाई का निर्देश दिया गया।

संक्षिप्त समाचार

पांचवां दिन: टीम बिल्डिंग, स्वच्छता अभियान और स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन

संवाददाता द्वारा

रांची। संत जेवियर्स कॉलेज, रांची द्वारा आयोजित सात दिवसीय राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) विशेष शिविर के पांचवें दिन की शुरुआत सुबह 7 बजे टीम बिल्डिंग गेम पिट्ठो के साथ हुई। इस खेल के माध्यम से स्वयंसेवकों के बीच सहयोग, तालमेल और नेतृत्व क्षमता को बढ़ावा दिया गया। इसके बाद, स्वयंसेवकों ने नदी किनारे स्वच्छता अभियान चलाया और ग्रामीणों को स्वच्छता के महत्व के बारे में जागरूक किया। दोपहर के समय गाँव में एक स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें लगभग 50 ग्रामीणों ने भाग लिया और अपने स्वास्थ्य की निशुल्क जांच कराई। शिविर में विशिष्ट अतिथि के रूप में डॉ. अनिर्बन गुप्ता, एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी, संत जेवियर्स कॉलेज, रांची, रवि प्रकाश, संयुक्त निदेशक, आईईसी, झारखंड राज्य एड्स नियंत्रण समिति, तथा डॉ. असबाब, सदर अस्पताल से उपस्थित रहे। उन्होंने शिविर की सराहना की और युवाओं को सामाजिक जिम्मेदारियों के प्रति सजग रहने के लिए प्रेरित किया। दिन के अंत में स्वयंसेवकों ने मिलकर भोजन तैयार किया, जिससे उनके बीच आपसी सहयोग और एकता की भावना और भी मजबूत हुई।

प्रखंड पंचायती राज कार्यालय में समारोह पूर्वक पंचायती राज दिवस के अवसर पर कार्यशाला आयोजित

बांका फुल्लीडुमर से कामेश्वर साह की रिपोर्ट

गुरुवार को फुल्लीडुमर प्रखंड पंचायती राज कार्यालय में समारोह पूर्वक पंचायती राज दिवस के मौके पर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। वही कार्यशाला का शुभारंभ पथड्डा पंचायत की पंचायत समिति सदस्या बबीता देवी, केंदुआर पंचायत की पंचायत समिति सदस्या प्रतिमा देवी, प्रखंड पंचायती राज कार्यालय के मनीष कुमार, सूरज कुमार, जेई राकेश कुमार सहित अन्य के द्वारा समारोह पूर्वक संयुक्त रूप से केक काटकर किया गया। तत्पश्चात सबों ने एक दूसरे को केक खिलाकर समारोह पूर्वक पंचायती राज दिवस मनाया गया। इस अवसर पर प्रखंड पंचायती राज कार्यालय के सहायक सूरज कुमार के द्वारा पंचायती राज व्यवस्था में सरकार द्वारा जो महिलाओं की 50त्न भागीदारी सुनिश्चित की गई है उसकी विस्तृत जानकारी देते हुए पंचायत के विकास हेतु राज्य एवं केंद्र सरकार द्वारा चलाई जा रही लोक जनकल्याणकारी योजनाओं की भी जानकारी उपस्थित लोगों को दी गई। वहीं आयोजित कार्यशाला के मौके पर मुख्य रूप से पंचायती राज कार्यालय के सहकर्मी मनीष कुमार, सूरज कुमार, संदीप कुमार, राकेश कुमार, अनिल, मोहम्मद मामू, बालकिशोर, प्रसेनजीत कुमार राय, निरंजन यादव सहित अन्य लोग मौजूद थे।

प्रधानमंत्री उत्कृष्टता पुरस्कार प्राप्त करने वाले तिनसुकिया जिला आयुक्त को दिया अधिकारियों और कर्मचारियों ने सम्मान

पंकज नाथ, आदिवासी एक्सप्रेस, असम

असम के तिनसुकिया जिले के जिला आयुक्त स्वप्निल पाल ने कहा कि तिनसुकिया जिले को वर्ष 2024 के लिए लोक प्रशासन में उत्कृष्टता के लिए जो प्रधानमंत्री पुरस्कार मिला है, उसका श्रेय काफी हद तक आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं-सहायकों, आशा कार्यकर्ताओं, ग्रामीण क्षेत्र कार्यकर्ताओं आदि को जाता है। उन्होंने आज जिला आयुक्त कार्यालय के अधिकारियों व कर्मचारियों द्वारा दी गई अभिनंदन प्राप्त करते हुए कहा कि हाल ही में जिले की ओर से प्रधानमंत्री से मुझे जो पुरस्कार प्राप्त हुआ है, वह सामूहिक प्रयास का परिणाम है। उन्होंने कहा कि पिछले दो वर्षों में 60,000 से अधिक बच्चों को टीका लगाकर दिखाई गई उपलब्धि के लिए स्वास्थ्य विभाग का प्रत्येक अधिकारी और कर्मचारी आभार का पात्र है। उन्होंने कहा कि आज जिले में एक भी ऐसा बच्चा नहीं है जिसे टीका नहीं लगा है। इसी तरह 2022-23 तक जिले में मातृ मृत्यु दर 39 प्रतिशत या उससे अधिक थी। इसका मुख्य कारण यह था कि गर्भवती महिलाओं को नियमित रूप से आसान रक्तचाप परीक्षणों तक पहुंच नहीं थी। आशा कार्यकर्ताओं के बीच रक्तचाप मापने के उपकरणों की व्यवस्था, पर्याप्त एम्बुलेंस का एकीकृत उपयोग, राज्य सरकार द्वारा एम्बुलेंस की नई आपूर्ति आदि ने वित्तीय वर्ष 2024-25 में मातृ मृत्यु दर को 17 प्रतिशत तक कम कर दिया है। जिला आयुक्त ने दो साल के भीतर 1.35 लाख लोगों के घरों में नल से पेयजल उपलब्ध कराने जैसे भारी कार्य को सफलतापूर्वक करने के लिए जन स्वास्थ्य तकनीकी विभाग के सभी अधिकारियों और कर्मचारियों की सराहना की। उन्होंने प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के तहत फुटपाथ व्यापारियों को नियमित करने में नगरपालिकाओं द्वारा निभाई गई उल्लेखनीय भूमिका की भी सराहना की। उन्होंने कहा कि इन योजनाओं का सफल क्रियान्वयन जिले में शांतिपूर्ण वातावरण में ही संभव है। इसके लिए उन्होंने पुलिस विभाग, आपदा प्रबंधन विभाग, जल संसाधन विभाग, लोक निर्माण विभाग और सबसे बढ़कर स्थानीय जनप्रतिनिधियों के साथ-साथ जनता के सहयोग की सराहना की। जिला आयुक्त कार्यालय के बैठक कक्ष में आयोजित इस संक्षिप्त सम्मान सभा में जिला विकास आयुक्त पवित्र कुमार दास, अतिरिक्त आयुक्त, जिला सूचना और जनसंपर्क अधिकारी, खाद्य और नागरिक आपूर्ति विभाग के प्रभारी उप निदेशक, जन स्वास्थ्य तकनीकी विभाग के कार्यकारी अधिकारी, असम विद्युत वितरण संस्थान के तिनसुकिया सर्कल के महाप्रबंधक, सहायक आयुक्त और अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। आज जिला आयुक्त को फूलम गमोसा, गुलदस्ता और पट्टिका देकर सम्मानित किया गया।

प्रधानमंत्री ने मधुबनी में आयोजित कार्यक्रम से रेलवे की तीन नवनिर्मित रेल लाइनें राष्ट्र को किया समर्पित

संवाददाता द्वारा

हाजीपुर। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने मधुबनी जिला के लोहना में आयोजित कार्यक्रम से रेलवे की तीन नवनिर्मित रेल लाइनें राष्ट्र को समर्पित किया तथा बिहार को चार नई ट्रेनों की सौगात दी। जिन ट्रेनों को माननीय प्रधानमंत्री ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया उनमें जयनगर पटना नमो भारत रैपिड रेल और सहरसा लोकमान्य तिलक अमृत भारत एक्सप्रेस तथा दो पैसेंजर ट्रेनें शामिल हैं।

नमो भारत रैपिड रेल के बारे में विस्तार से बताते हुए रेलवे बोर्ड के सूचना एवं प्रचार के कार्यकारी निदेशक दिलीप कुमार ने पत्रकारों को बताया कि दो शहरों के बीच तेज रफ्तार, आधुनिक सुविधाओं से युक्त रेल ट्रांसपोर्ट का सपना अब हकीकत बन गया है। नमो भारत रैपिड रेल अमृतकाल में भारतीय रेल के विकास का नया सारथी है। यह ट्रेन इंटरसिटी ट्रैवल के लिए देश के अंदरूनी इलाकों में स्थानीय लोगों को आधुनिक सुविधाओं से युक्त सफर की गारंटी देती है। उन्होंने बताया कि नमो भारत रैपिड रेल मॉडर्न सुविधाओं से लैस है। यह इंटरसिटी ट्रेन जयनगर को पटना से जोड़ेगी। 16 कोच में 2 हजार से ज्यादा यात्री क्षमता के साथ इस ट्रेन का संचालन बिहार के विकास को नई रफ्तार देने वाली है। यह ट्रेन जयनगर से पटना के बीच मधुबनी, दरभंगा, समस्तीपुर, बेगूसराय, मोकामा और पटना जिला को कनेक्ट करेगी। अहमदाबाद-भुज के बाद यह देश की दूसरी नमो भारत रैपिड रेल सेवा है। इससे दो शहरों के बीच न केवल दूरी कम होगी बल्कि बिहार के सपनों को भी नई उड़ान मिलेगी।

नमो भारत रैपिड रेल तेज़ एक्सेलरेशन और आधुनिक ब्रेकिंग सिस्टम से लैस है। इसके दोनों सिरों पर ड्राइविंग कैब्स होने के कारण इसे टर्नअराउंड की ज़रूरत नहीं होगी, जिससे समय की बचत होगी। नमो भारत पूरी तरह से एयर कंडीशन्ड है और इसमें एर्गोनॉमिकली डिज़ाइन सीटें लगी हैं। ट्रेन में वैक्यूम आधारित मॉड्यूलर टॉयलेट, दिव्यांग अनुकूल शौचालय और डस्ट-प्रूफ सील्ड गैंगवे भी हैं, जिससे ट्रेन का सफर अधिक स्वच्छ, सुलभ और शांतिपूर्ण बनता है।

इस ट्रेन की एक खासियत इसका कवच सुरक्षा सिस्टम से लैस होना है। इसके हर कोच में सीसीटीवी कैमरे, फायर डिक्टेशन सप्रेशन सिस्टम और आपातकालीन टॉक-बैक सिस्टम सुरक्षित सफर का आश्वासन देते हैं। ट्रेन के कोच ऑटोमैटिक दरवाजों के साथ सेमी-परमानेंट कपलर्स से युक्त हैं, जो यात्रियों को झटके का अनुभव नहीं होने देते। इससे तेज गति का सफर सुगम और सुरक्षित रहता है। ट्रेन में रूट-मैप इंडिकेटर भी हैं, जो हर स्टेशन की जानकारी देंगे। यह सुविधा ओपन लाइन रेलवे में पहली बार दी जा रही है। आपातकालीन लाइटिंग, एलईडी लाइटिंग और अल्ट्रा मॉडर्न डिजाइन से यात्रियों को एक शांत और रोशनी से भरा माहौल मिलता है।

सहरसा और लोकमान्य तिलक के बीच चलाई गई अमृत भारत एक्सप्रेस के बारे में बताते हुए रेलवे बोर्ड के कार्यकारी निदेशक ने कहा कि अमृत भारत 2.0 ट्रेन भारतीय रेल की आधुनिक पहल है। यह ट्रेन आम यात्रियों को कम किराए में बेहतर सुविधा, आराम और स्वदेशी तकनीक का अनुभव देती है। इस ट्रेन को विशेष रूप से मिडिल क्लास और अंत्योदय के लिए डिज़ाइन किया गया है। इसके कोच पूरी तरह से भारत में बने हैं और आत्मनिर्भर भारत की भावना को और मजबूती देते हैं।

अमृत भारत ट्रेन सुविधाजनक है। इसका लुक और डिज़ाइन भी अत्यंत आकर्षक है। ये किसी प्रीमियम ट्रेन जैसा अनुभव देती है। रेलवे की यह कोशिश है कि आम आदमी भी शान और आराम के साथ यात्रा कर सके और इसी सोच के साथ यह ट्रेन शुरू की गई है।

पर्यावरण के प्रति सजगता, ऊर्जा की बचत और यात्रियों की सुविधा- ये तीनों पहलू इस ट्रेन की पहचान हैं। यह ट्रेन देश के विकास की नई रफ्तार और बदलते भारत की झलक है। अमृत भारत एक्सप्रेस की सेफ्टी फीचर के बारे में बताते हुए उन्होंने कहा कि अमृत भारत 2.0 ट्रेन में सुरक्षा और तकनीकी दृष्टिकोण से कई महत्वपूर्ण सुधार किए गए हैं। सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए कपलर में क्रैश ट्यूब और श्वक्कअसिस्टेड ब्रेक सिस्टम की सुविधा दी गई है, जिससे तेजी से ब्रेक लग सकेगा। ये पूरी तरह से सील्ड गैंगवे और वैक्यूम एवैक्यूशन सिस्टम से लैस है। हर कोच में टॉक बैक यूनिट तथा गार्ड रूम में रिस्पॉन्स यूनिट से यात्रियों की सुरक्षा को और मजबूत किया गया है। गैर-एसी कोचों में पहली बार फायर डिटेक्शन सिस्टम की सुविधा यात्रियों की सुरक्षा में नई क्रांति है।

अमृत भारत 2.0 के साथ भारतीय रेल में पहली बार ट्रेन में सेमी-ऑटोमैटिक कपलर का उपयोग किया गया है जिससे ट्रेन जुड़ते या अलग होते वक्त झटका नहीं लगता और ना ही आवाज आती है। इसमें लगा डिफॉर्मेशन ट्यूब किसी टक्कर की स्थिति में झटका कम कर देता है, जिससे यात्रियों की सुरक्षा बढ़ती है। लोकोमोटिव के साथ यह रेक न केवल स्थिरता प्रदान करता है, बल्कि उच्चतम गति एवं बेहतर संचालन की क्षमता भी सुनिश्चित करता है।

यह ट्रेन एक एलएचबी पुश-पुल ट्रेन है। बेहतर गति के लिए इसके दोनों सिरों पर इंजन लगे होते हैं, जिससे ऊर्जा की खपत कम होती है। ट्रेन तेजी से गति पकड़ सकती है और ब्रेक लगा सकती है। अधिकतम 130 किलोमीटर प्रति घंटे की स्पीड इसे रफ्तार का महारथी भी बनाती है। इसके कोच में फोल्डेबल स्नैक्स टेबल, मोबाइल होल्डर, फोल्डेबल बॉटल होल्डर जैसी सुविधाएँ हैं। साथ ही, रेडियम इल्यूमिनेटेड फ्लोरिंग स्ट्रिप, एयर स्प्रिंग बोगी जैसी सुविधा यात्रा को और भी आरामदायक बनाती है। प्रत्येक शौचालय में इलेक्ट्रो-न्यूमेटिक फ्लशिंग प्रणाली, ऑटोमेटिक सोप डिस्पेंसर और एरोसोल-आधारित फायर सप्रेशन सिस्टम जैसी सुविधाएँ दी गई हैं, जो स्वच्छता व सुरक्षा को प्राथमिकता देती हैं। हर यात्री के लिए फास्ट मोबाइल चार्जिंग पोर्ट, पेन्ट्री कार और बेहतर और आरामदायक सीट की व्यवस्था की गई है। इसके अतिरिक्त दिव्यांगजनों के लिए विशेष शौचालय भी प्रदान किए गए हैं, ताकि सभी यात्रियों को समान सुविधा मिल सके।

पीएचडी हाउस में वरिष्ठ आईएफएस अधिकारियों के साथ पीएचडीसीसीआई सदस्यों का संवाद सत्र

उत्तर प्रदेश राज्य चैप्टर, पीएचडीसीसीआई ने 23 अप्रैल 2025 को पीएचडी हाउस, लखनऊ में वरिष्ठ आईएफएस अधिकारियों के साथ एक सदस्य संवाद सत्र का आयोजन किया, जिसमें विदेशों में वर्तमान उद्योग परिदृश्य और व्यापार के अवसरों पर चर्चा की गई और साथ ही मुख्य रूप से विकसित भारत के प्रति उत्तर प्रदेश के दृष्टिकोण पर जागरूकता पैदा की गई।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के दूरदर्शी नेतृत्व में, उत्तर प्रदेश ने उल्लेखनीय परिवर्तन देखा है और राज्य व्यापार और निवेश के लिए एक प्रमुख गंतव्य के रूप में उभरा है। जैसा कि हम विकसित भारत बनने के लक्ष्य की ओर अग्रसर हैं, इस सार्थक सभा का उद्देश्य पीएचडीसीसीआई के उद्योग सदस्यों के बीच आंतरिक सामंजस्य को बढ़ावा देना और भारत की निवेश आउटरीच पहलों में सक्रिय भागीदार के रूप में इस मिशन में उनके महत्वपूर्ण योगदान पर जोर देना है। इस इंटरैक्टिव फोरम में 10 से अधिक वरिष्ठ आईएफएस अधिकारियों ने भाग लिया, जिनमें शामिल थे - सुश्री दीप्ति गंजी, मिशन उप प्रमुख, ई/एल, मेक्सिको सिटी, श्री आशीष शर्मा, मिशन उप प्रमुख, ई/एल, यांगून, डॉ. बसीर अहमद, निदेशक (विदेश मंत्रालय), सुश्री सुधि चौधरी, निदेशक (विदेश मंत्रालय), श्री राज कमल, वाणिज्य दूत, सीजीएल- मिलान, श्री विनय कुमार, निदेशक, (विदेश मंत्रालय), श्री आशीष गुप्ता, निदेशक (विदेश मंत्रालय), श्री आनंद प्रकाश, निदेशक (विदेश मंत्रालय), श्री जय सिंह, निदेशक (विदेश मंत्रालय), श्री शिव सागर, परामर्शदाता, ई/एल, साओ टोम; उन्होंने विदेशों में विभिन्न व्यावसायिक अवसरों के बारे में चर्चा की और कैसे सरकार उन्हें व्यावसायिक अवसरों का पता लगाने के लिए समर्थन कर सकती है।

श्री अतुल श्रीवास्तव, क्षेत्रीय निदेशक-यूपी स्टेट चैप्टर, पीएचडीसीसीआई ने उद्योग सदस्यों के लिए व्यवसाय विविधीकरण के महत्व पर प्रकाश डाला और इस बात पर जोर दिया कि सदस्यों को विभिन्न क्षेत्रों में निवेश के अवसर के साथ आगे आना चाहिए और सरकार के साथ मिलकर काम करना चाहिए ताकि राज्य के औद्योगिक मोर्चे को मजबूत करने की दिशा में आगे बढ़ा जा सके। इसके लिए उन्हें एसजीडीपी को बढ़ाना चाहिए और व्यवसाय विकास और रोजगार अनुपात को विकसित करना चाहिए, ताकि 2027 तक 1 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था प्राप्त करने के उद्देश्य को प्राप्त किया जा सके। अंत में उन्होंने धन्यवाद ज्ञापन दिया और इस संवादात्मक सत्र के लिए इन्वेस्ट यूपी की सराहना की। संवादात्मक सत्र में श्री संजीव सरीन, अध्यक्ष-रिटेल स्टेट सब-कमेटी, यूपी स्टेट चैप्टर, पीएचडीसीसीआई, के साथ-साथ 20 से अधिक अन्य वरिष्ठ सदस्यों ने भाग लिया, जिनमें श्री अमित गुजराल, श्री अजय जैन, श्री के.एम. भार्गव, श्री अनूप किशोर अग्रवाल, सुश्री हिना शीराज़, सुश्री अस्मा हुसैन और कई अन्य शामिल थे।

एशिया यूनिवर्सिटी रैंकिंग 2025 प्रकाशित : एशिया में 184वें स्थान पर कीट

● भारत में 8वें स्थान पर रहा कीट

नई दिल्ली, (आरएनएस)। हर साल की तरह, टाइम्स हायर एजुकेशन (टीएचई) एशिया यूनिवर्सिटी रैंकिंग की घोषणा की गई है और भुवनेश्वर स्थित कीट डीम्ड विश्वविद्यालय भुवनेश्वर को एक बार फिर उल्लेखनीय स्थान हासिल हुआ है। 2025 के घोषित नतीजे में कीट ने एशिया में 184वीं रैंक हासिल किया है, जो पिछले साल के 196वें स्थान से उल्लेखनीय सुधार है। यह विकास कीट की निरंतर प्रगति और वैश्विक शैक्षणिक उत्कृष्टता के क्षेत्र में इसकी बढ़ती मान्यता की पुष्टि करती है। इस लेटेस्ट रैंकिंग के साथ कीट को भारत में सरकारी और निजी दोनों संस्थानों में 8वां सर्वश्रेष्ठ विश्वविद्यालय के रूप में मान्यता मिली है। इसने कई प्रतिष्ठित भारतीय संस्थानों के बीच यह स्थान हासिल किया है। विश्वविद्यालय ने पूर्वी और उत्तरी भारत में टॉप रैंक वाले डीम्ड विश्वविद्यालय के रूप में अपना गौरव भी बरकरार रखा है। इसके अलावा, खेल विज्ञान विषय में कीट भारत में दूसरे स्थान पर है। इस वर्ष की रैंकिंग में 35 देशों/क्षेत्रों के 853 विश्वविद्यालय शामिल हैं। यह उनके शोध, शिक्षण, ज्ञान आदान - प्रदान और अंतर्राष्ट्रीय दृष्टिकोण का आकलन करता है। 18 प्रदर्शन संकेतकों (मानदंडों) पर आधारित रैंकिंग पर दुनिया भर के छात्र, शिक्षाविद, नीति निर्माता और उद्योग जगत के नेता भरोसा करते हैं। कीट -कीस और कीम्स, के संस्थापक प्रो. अच्युत सामंत ने इस उपलब्धि में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले समर्पित फैकल्टीज, कर्मचारियों, छात्रों, पूर्व छात्रों और शुभचिंतकों के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया है। उन्होंने कहा, ÷यह मान्यता सामूहिक प्रयासों और मिशन-संचालित भावना को दर्शाती है, जो कीट को परिभाषित करती है। हम इस सफलता को हर उस व्यक्ति के साथ साझा करते हैं जो हमारे मूल्यों में विश्वास करता है।÷ गौरतलब है कि कीट लगातार प्रतिष्ठित वैश्विक रैंकिंग में शामिल रहा है, जिसमें द वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग और ह्नस्स्न रैंकिंग शामिल हैं। विश्वविद्यालय ने आईईटी, एबीईटी और अन्य जैसे प्रमुख अंतरराष्ट्रीय मान्यताएँ भी अर्जित की हैं, जिससे उच्च शिक्षा में उत्कृष्टता के वैश्विक केंद्र के रूप में इसकी स्थिति और मजबूत हुई है।उल्लेखनीय है कि सिर्फ 27 साल पुराना होने के बावजूद, कीट ने लिस्ट में मौजूद कई सुप्रतिष्ठित संस्थानों से बेहतर प्रदर्शन किया है, जिनमें से कई 50 साल से ज्यादा समय से मौजूद हैं। इसके अलावा, गौर करें कि कीट को डीम्ड-टू-बी-यूनिवर्सिटी का दर्जा सिर्फ 21 साल पहले ही मिला था।

BDO की उपस्थिति में पंचायती राज दिवस के अवसर पर एकदिवसीय प्रशिक्षण सह उन्मुखीकरण कार्यक्रम आयोजित

बांका फुल्लीडुमर से कामेश्वर साह की रिपोर्ट

विभागीय निर्देशानुसार 24 अप्रैल 2025 गुरुवार को पंचायती राज दिवस के अवसर पर फुल्लीडुमर प्रखंड सभागार में प्रखंड विकास पदाधिकारी कृष्णा कुमार की उपस्थिति में एक दिवसीय प्रशिक्षण सह उन्मुखीकरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित प्रखंड के पदाधिकारी एवं जनप्रतिनिधियों ने पंचायती राज दिवस के अवसर पर बिहार के मधुबनी में आयोजित प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यक्रम एवं देश तथा राज्य के विकास हेतु सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं संबंधी प्रधानमंत्री के अभिभाषण का सीधा प्रसारण लाइव वीडियो के माध्यम से उपस्थित लोगों द्वारा देखी गई। वहीं कार्यक्रम में उपस्थित प्रखंड विकास पदाधिकारी कृष्णा कुमार, अंचलाधिकारी मनोज कुमार, प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी नवीन कुमार, प्रखंड श्रम प्रवर्तन पदाधिकारी सह प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी मनोज प्रभाकर, कार्यक्रम पदाधिकारी मनरेगा राजीव कुमार सहित अन्य पदाधिकारी द्वारा अपने-अपने विभाग द्वारा संचालित की जा रही विकास संबंधी योजनाओं की जानकारी एवं प्रशिक्षण कार्यशाला में उपस्थित जनप्रतिनिधि पदाधिकारी एवं अन्य लोगों को दी गई। इस अवसर पर प्रखंड विकास पदाधिकारी ने उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि पंचायत के विकास में पंचायती राज विभाग द्वारा 50त्न जो महिलाओं की भागीदारी सुनिश्चित की गई है वह महिला सशक्तिकरण की दिशा में सरकार द्वारा उठाया गया एक ठोस कदम है।

प्रेस वार्ता के दौरान जनसुरज पार्टी के सूत्रधार प्रशांत किशोर ने कहा केंद्र एवं राज्य सरकार जनता के पैसे लूटने पर तूली

● 24 अप्रैल, 2025 को जनसुरज के सूत्रधार PK ने पहलगाम आतंकी हमले पर भाजपा को घेरा, बोले - अगर भाजपा आतंकी हमले को धर्म से जोड़कर समाज में नफरत फैलाना चाहती है तो इसका कड़ा विरोध होना चाहिए ● PM मोदी के बिहार दौरे पर PK ने साधा निशाना, बोले - मोदी जी को देश के सबसे गरीब राज्य में जनता के पैसे से अपना प्रचार नहीं करना चाहिए, 1 लाख 25 हजार करोड़ की योजना का भी जवाब दे पीएम

आदिवासी एक्सप्रेस बांका फुल्लीडुमर

बांका। जन सुराज के सूत्रधार प्रशांत किशोर गुरुवार को जन सुराज उद्घोष यात्रा के तहत एक दिवसीय दौरे पर बांका पहुंचे। बांका में प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान उन्होंने भाजपा पर नफरत की राजनीति करने का आरोप लगाया और कहा कि भाजपा आतंकी घटना को धर्म से जोड़कर समाज में विद्वेष पैदा करना चाहती है। भाजपा की नफरत की राजनीति हो या फिर दूसरे दलों की तुष्टीकरण की राजनीति, दोनों ही पूरी तरह से गलत हैं और इसका विरोध होना चाहिए। उन्होंने कहा कि आतंकवाद की घटनाएं गलत हैं और आतंकी हमले की घटना पर देश को एकजुट होना चाहिए।

इसके साथ ही उन्होंने पीएम मोदी के आज के बिहार दौरे पर तंज कसते हुए कहा कि हम मोदी जी से अनुरोध करते हैं कि वो गरीब और पिछड़े राज्य बिहार की जनता के पैसे से प्रचार करना बंद करें। सरकार ने एक प्रेस विज्ञप्ति जारी की है जिसमें कहा गया है कि पंचायती राज पदाधिकारियों को मधुबनी में प्रधानमंत्री की रैली में लोगों को सरकारी खर्चे पर ले जाने का आदेश दिया गया है। और अगर भाजपा को प्रचार करना है तो वो अपने पास मौजूद करोड़ों रुपये से करे, वो गरीब जनता का पैसा क्यों बर्बाद कर रही है। इसके साथ ही प्रशांत किशोर ने मीडिया के जरिए प्रधानमंत्री से सवाल किया कि मोदी जी ने 2015 में आरा की रैली में बिहार के लिए 1 लाख 25 हजार करोड़ के पैकेज की घोषणा की थी। उनकी घोषणा को 10 साल हो गए हैं। मोदी जी को बताना चाहिए कि उन्होंने राशि भेजी या नहीं। और अगर उन्होंने राशि भेजी तो उन्हें बताना चाहिए कि बिहार में उनकी और जदयू की सरकार ने उस राशि को लूट लिया।

प्रशांत किशोर का CM नीतीश पर हमला, बोले - 20 साल के शासन में सिर्फ 2 लाख 34 हजार दलित परिवारों को ही 3 डिसमिल जमीन मिला, 50 लाख परिवारों को देने का था वादा

प्रशांत किशोर ने कहा कि नीतीश सरकार ने 2006 में घोषणा की थी कि 50 लाख भूमिहीन दलित महादलित परिवारों को 3 डिसमिल जमीन दी जाएगी। लेकिन नीतीश कुमार के 20 साल के शासन के बाद भी मात्र 2 लाख 34 हजार परिवारों को ही 3 डिसमिल जमीन दी गई है। इसलिए जीविका दीदी, विकास मित्र, टोला सेवक चाहे जितना भी जदयू का प्रचार कर लें, जनता नीतीश कुमार को वोट नहीं देने वाली है।

झारखंड में स्कूल सर्टिफिकेशन से भागने वाले हेडमास्टरों पर होगी कार्रवाई

संवाददाता द्वारा

रांची। स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग के सचिव उमाशंकर सिंह ने कहा है कि सभी विद्यालयों को प्रमाणीकरण में भाग लेना अनिवार्य होगा। इससे दूर भागने वाले विद्यालयों के प्रधानाध्यापकों के विरुद्ध अनुशासनिक कार्रवाई की जाएगी। इसके लिए जिलों के पदाधिकारियों की भी जवाबदेही तय होगी।

सचिव गुरुवार को विद्यालय प्रमाणीकरण तथा टीचर्स नीड असेसमेंट की समीक्षा बैठक वर्चुअल मोड में कर रहे थे। उन्होंने कहा कि विद्यालय प्रमाणीकरण गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए पहल है। इस बार इसे संगठित तरीके से लागू किया जा रहा है।

जैसे ही पहले चरण का प्रमाणीकरण संपन्न होगा, उसके बाद राज्यस्तरीय कार्यक्रम आयोजित कर सभी चयनित विद्यालयों को सम्मानित किया जाएगा। राज्य में संचालित सभी 35,000 सरकारी स्कूलों को चरणबद्ध तरीके से प्रामाणीकरण के दायरे में लाया जाएगा। इससे सभी स्कूलों में एक स्वस्थ प्रतिस्पर्धा हो सकेगी।

सचिव ने कहा कि टीचर्स नीड असेसमेंट और विद्यालय प्रमाणीकरण से घबराने की जरूरत नहीं है। किसी के ऊपर किसी तरह की कोई कार्रवाई नहीं होगी। मगर विद्यालय इसका ध्यान रखे कि एक बार प्रमाणीकरण हो जाने के बाद भी हालात नहीं सुधरे तो सख्त कार्रवाई होगी।

सचिव ने कहा कि अधिकारी सिर्फ कार्यालयों में न बैठें, फील्ड में जाकर काम करें। उन्होंने साहिबगंज और जमशेदपुर के जिला शिक्षा पदाधिकारियों की कार्यशैली से नाराजगी जताते हुए कार्यशैली में सुधार लाने के निर्देश दिए।

विद्यालय प्रमाणीकरण के लिए एक महत्वपूर्ण शर्त बच्चों की 75 प्रतिशत उपस्थिति भी है। ऐसे में जिन विद्यालयों में बच्चों की उपस्थिति 75 प्रतिशत से कम है, वे स्वतः ही इस प्रक्रिया से बाहर हो जाएंगे। ऐसे विद्यालय जो प्रमाणीकरण से बाहर होंगे उनके विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी।

वर्तमान में चल रहे प्रमाणीकरण में राज्य के कक्षा एक, नौ और 11 के छात्र शामिल नहीं होंगे। इन बच्चों का जुलाई के प्रथम सप्ताह में अलग से एक दिवसीय असेसमेंट किया जाएगा। सभी कक्षाओं के विद्यार्थियों का असेसमेंट पूर्ण होने के बाद विद्यालय के प्रदर्शन का आंकलन होगा।

राज्य के सभी जिलों में गुरुवार से टीचर्स नीड असेसमेंट की शुरुआत हो गई। पहले दिन इसमें 23,000 शिक्षकों ने उत्साह के साथ भाग लिया। इसमें शिक्षकों से सेंटा ऐप के माध्यम से ऑनलाइन 200 प्रश्न पूछे गए। असेसमेंट के लिए तीन घंटे का समय दिया गया था। दो पालियों में यह आंकलन परीक्षा ली गई।

संक्षिप्त समाचार

पंचायत सचिवालय चीरू में पंचायती राज के महत्व और भूमिका पर चर्चा

आदिवासी एक्सप्रेस संवाददाता

छतरपुर, (पलामू)- गुरुवार को छतरपुर प्रखंड अंतर्गत पंचायत सचिवालय चीरू में राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस के मौके पर शपथ कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें पंचायती राज के महत्व तथा इसकी भूमिका पर पंचायत प्रतिनिधि के अलावे पदाधिकारी और कर्मियों ने शपथ ली। मुखिया सोनामती देवी ने पंचायती राज के प्रस्तावना का पाठ पढ़ाया और ग्रामीण विकास में पंचायती राज की भागीदारी में महत्वपूर्ण भूमिका का चर्चा की। मुखिया पति सह समाजसेवी प्रमोद यादव ने कहा कि पंचायत की जिम्मेदारी स्वास्थ्य, शिक्षा, स्वच्छता और बुनियादी सुविधाएं देने का प्रावधान है। पंचायत की चुनौतियां जैसे धन की कमी, भ्रष्टाचार और क्षमता की कमी के बीच ग्रामीण अभियान में महिलाओं का अहम भूमिका होती है।जल संचयन अन्य संसाधनों का निर्माण के साथ महिला सशक्तिकरण और सामाजिक न्याय के साथ डिजिटलीकरण पंचायती राज व्यवस्था को अधिक कुशल बनाता है। पंचायत सचिव, रोजगार सेवक,जेई और स्वयंसेवक आदि ने प्रस्तावना का पाठ पढ़ा और मुखिया के साथ शपथ ली। इस दौरान कई कर्मी मौजूद थे।

हुसैनाबाद सहायक अध्यापक ने दिवंगत धर्मेन्द्र कुमार सिंह के परिवार को दिया सहयोग राशि

आदिवासी एक्सप्रेस लालू कुमार यादव हुसैनाबाद पलामू

हुसैनाबाद पलामू सहायक अध्यापक हुसैनाबाद के द्वारा दिवंगत साथी धर्मेंद्र कुमार सिंह के परिवार को सहयोग राशि के तौर पर एक लाख पांच हजार रुपए प्रदान की गई जिसमें एक लाख रुपए की चेक तथा पांच हजार रुपए की नगद राशि दी गई।बताते चले कि धर्मेंद्र कुमार सिंह उक्रमित मध्य विद्यालय कुसुआ में कार्यरत थे।उनकी तबियत काफी दिनों से खराब चल रही थी जिसके चलते इलाज के अभाव में उनकी मृत्यु हो गई थी। वे मृदुभाषी,एवं व्यवहार कुशल व्यक्ति थे?। उनको चले जाने से संगठन को अपूर्णीय छती हुई है।

मौके पर मौजूद रहे।अध्यक्ष मनोज कुमार सिंह,जिला प्रतिनिधि विजय बहादुर सिंह हुसैनाबाद अनुमंडलीय अध्यक्ष पप्पू पटेल, हुसैनाबाद प्रखंड अध्यक्ष अभीषेक शर्मा ,हैदर नगर प्रखंड अध्यक्ष बीरेंद्र कुमार सिंह के साथ साथ प्रखंड उपाध्यक्ष राम प्रवेश जी, रजनीश जी अविनाश जी,संकुल प्रभारी उपेंद्र ठाकुर जी अरविंद जी दिलीप जी विनय जी कृष्णा जी रामचन्द्र जी धर्मेंद्र जी हरि जी हरीश जी पप्पू जी धर्मेंद्र जी दिलीप भगत जी मनोज जी बिनोद जी सुजीत जी धनंजय प्रसाद जी बिनोद जी एवं वरिष्ठ सहायक अध्यापक अमरेश सिंह उर्फ लाल भैया सहित कई लोग उपस्थित थे।

गुरु काशी यूनिवर्सिटी ने पहलगाम आतंकी हमले में प्रभावित परिवारों को समर्थन देने की घोषणा की

- अनाथ बच्चों को निःशुल्क शिक्षा देगी यूनिवर्सिटी

नई दिल्ली, (आरएनएस)।

कश्मीर के पहलगाम में हाल ही में हुए भयावह आतंकी हमले में 26 निर्दोष लोगों की जान चली गई, जिसने पूरे देश को झकझोर दिया है। इस अमानवीय घटना की कड़ी निंदा करते हुए, गुरु काशी यूनिवर्सिटी (जीकेयू) ने एक संवेदनशील कदम उठाया है। यूनिवर्सिटी ने घोषणा की है कि इस हमले में जिन बच्चों ने अपने पिता को खोया है, उन्हें जीकेयू में निःशुल्क शिक्षा प्रदान की जाएगी। यह घोषणा यूनिवर्सिटी के कुलाधिपति श्री गुरलाभ सिंह सिद्धू द्वारा की गई है। उन्होंने कहा कि इस फैसले का उद्देश्य प्रभावित परिवारों को दीर्घकालिक शैक्षणिक सहायता देना है ताकि इस संकट की घड़ी में बच्चों का भविष्य प्रभावित न हो। कुलाधिपति सिद्धू ने कहा कि ÷पहलगाम में निर्दोष लोगों की जान जाना पूरे देश के लिए दुखद है। सेवा और शिक्षा जैसे मूल्यों पर आधारित संस्था के रूप में, गुरु काशी यूनिवर्सिटी इन बच्चों के साथ खड़ी है। इनकी शिक्षा अब हमारी जिम्मेदारी होगी और हम पूरी कोशिश करेंगे कि ये बच्चे अपनी सबसे कठिन घड़ी में पीछे न रह जाएं।÷ कुलाधिपति सिद्धू ने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और भारत सरकार द्वारा आतंकवाद के खिलाफ लिए गए कठोर रुख का समर्थन भी प्रकट किया। उन्होंने कहा कि ÷हम इस निर्दयी और कायरतापूर्ण हमले की कड़ी निंदा करते हैं, जिसे नफरत और डर से प्रेरित लोगों ने अंजाम दिया। लेकिन वे हमारे समाज को तोड़ने में कभी सफल नहीं होंगे। एक नागरिक और एक शिक्षक के नाते, हमारा जवाब होगा एकता, सहानुभूति और संकल्प। गुरु काशी यूनिवर्सिटी आतंकवाद के खिलाफ भारत सरकार के रुख और कश्मीर में न्याय व शांति बहाल करने के प्रयासों का पूरा समर्थन करती है। जीकेयू ने हमले में प्रभावित सभी परिवारों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त की है और इस कठिन समय में कश्मीर के लोगों के साथ खड़े रहने की बात कही है। यूनिवर्सिटी ने कश्मीरी समाज की मजबूती और आत्मीयता की सराहना करते हुए हिंसा फैलाने वाली ताकतों द्वारा शांति और एकता को बिगाड़ने की कोशिशों को सिरे से खारिज किया है। गुरु काशी यूनिवर्सिटी राष्ट्र निर्माण, सामुदायिक सहयोग और शिक्षा को समाज में बदलाव और सशक्तिकरण का माध्यम मानती है। यूनिवर्सिटी ने देशभर के शैक्षणिक संस्थानों और नागरिक समाज से अपील की है कि वे इस मानवीय पहल में साथ आएं और समाज को तोड़ने वाली शक्तियों का मिलकर विरोध करें।

पहलगाम आतंकी हमले पर भारत सरकार के हर निर्णय के साथ है झामुमो

संवाददाता द्वारा

रांची। जम्मू कश्मीर के पहलगाम में हुई आतंकी घटना को लेकर झारखंड मुक्ति मोर्चा केंद्रीय समिति सदस्य सुप्रियो भट्टाचार्य ने संवाददाता सम्मेलन कर कहा कि इस जघन्य और निर्मम हत्याकांड को अंजाम, देश के दुश्मनों द्वारा दिया गया है. पार्टी इसकी कठोर शब्दों में निंदा करती है. हमारी सार्वभौमिकता को बचाए रखने के लिए हम लोग, भारत सरकार के हर उस निर्णय के साथ हैं जिससे आतंकवाद और उसके घृणा भाव का समूल नाश हो. केंद्रीय कैम्प कार्यालय में आयोजित पीसी में सुप्रियो भट्टाचार्य ने कहा कि ये घटनाएं संयोग नहीं प्रयोग हो गया है, क्योंकि जब जब देश में संवेदनशील मुद्दे आते हैं, उन मुद्दों से ध्यान हटाने के लिए और जब विदेश से डिग्निटीज आते हैं तो उससे ध्यान हटाने के लिए ये संयोग हो जाता है तब ऐसा लगता है कि ये संयोग नहीं प्रयोग है.

सुप्रियो भट्टाचार्य ने कहा कि मंगलवार को पहलगाम में उस वक्त हमला होता है जब देश कई संवेदनशील मुद्दों पर चर्चा कर रहा होता है. झामुमो नेता ने कहा कि किसी लोकतांत्रिक दल के धरना में भी सबंधित क्षेत्र में पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था होती है लेकिन पहलगाम में सुरक्षा व्यवस्था क्यों नहीं थी?

सुप्रियो भट्टाचार्य ने कहा कि कश्मीर में टूरिस्ट का ये पीक सीजन है और ऐसे समय में जहां यह घटना घटी वहां सुरक्षा की कोई व्यवस्था नहीं होना कई सवाल खड़ा करता है. उन्होंने कहा कि 10 दिन पहले देश के गृह मंत्री कश्मीर में रहते हैं और रोज खबरें आती हैं कि उन्होंने सुरक्षा का जायजा लिया.अब सवाल उठता है कि अमित शाह सुरक्षा व्यवस्था का क्या और कैसा जायजा ले रहे थे.

झामुमो नेता ने कहा कि 03 मई से उसी पहलगाम में अमरनाथ यात्रियों का सुरक्षा कैंप होगा और वहां इस तरह की घटना घटती है. वहां टूरिस्ट अपने हिसाब से रहते हैं पर वहां सुरक्षा का इंतजाम नहीं होता है.

सुप्रियो भट्टाचार्य ने कहा कि सिर्फ पानी रोकने से नहीं होगा, अब आतंकवाद को भी रोकना होगा और कारगर तरीके से रोकना होगा. पूरा देश केंद्र सरकार के साथ खड़ा है.

वहां के आतिथ्य में कोई हिंदू और मुसलमान नहीं है. हिंदुस्तान में अलग अलग समुदायों के बीच की बॉन्डिंग को कोई तोड़ नहीं सकता और अब फिर से दुश्मन देश को सबक सिखाने की बारी है. झामुमो नेता ने कहा कि किसी देश का जनरल धर्म की बात करता है और हमारे यहां का सांसद भी उसी तरह की बात करता है तो दोनों में क्या फर्क रह जाता है? ये साधारण बातें नहीं हैं.

सुप्रियो भट्टाचार्य ने कहा कि पहलगाम की घटना पीछे भी देश के गद्दार होंगे, जिन्होंने आतंकियों को घटनास्थल तक पहुंचाया होगा? कौन है वह गद्दार. जब तक गद्दार को चिन्हित नहीं करेंगे तब तक आतंकवाद का सफाया नहीं होगा.

झामुमो नेता ने कहा कि भारत सरकार ये सुनिश्चित करे कि इस गर्मी में नॉर्थ ईस्ट से नॉर्दन एरिया में, कुछ साउथ के स्पॉट हैं जो ठंडा रहता है, पर्यटक स्थल है. वहां सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करेंगे. पहलगाम की घटना से जम्मू कश्मीर फिर से 20 साल पीछे चला गया, सिर्फ बोलने से नहीं जिम्मेवारी तय करनी होगा और जिम्मेदारी गृह मंत्री की बनती है, जो सुरक्षा समीक्षा करके आते हैं और इतना बड़ा हादसा हो जाता है.

झामुमो नेता ने दोहराया कि यह संयोग नहीं प्रयोग है, पुलवामा के बाद भी यही हुआ था. उसके बाद क्या था चुनाव था और आज ही पीएम को बिहार आना था क्योंकि बिहार में भी आने वाले दिनों में चुनाव है.

एक सवाल के जवाब में सुप्रियो भट्टाचार्य ने कहा कि घटना में मारे गए मनीष रंजन को एयरपोर्ट पर श्रद्धांजलि देने अगर इंडिया ब्लॉक से कोई नेता या मंत्री नहीं गए तो यह चूक हुई है. उन्होंने कहा कि वह खुद रांची में नहीं थे.

वर्ल्ड हिंदू फेडरेशन की नई दिल्ली में राष्ट्रीय कार्यकारिणी बैठक, पहलगाम आतंकी हमले की कड़ी निंदा

- डब्लूएचएफ ने हिंदू सशक्तिकरण के लिए वैश्विक रणनीति की रूपरेखा प्रस्तुत की

नई दिल्ली, (आरएनएस)।

वर्ल्ड हिंदू फेडरेशन (डब्लूएचएफ) ने नई दिल्ली के वसंत विहार में अपनी राष्ट्रीय कार्यकारिणी बैठक आयोजित की, जिसमें वैश्विक हिंदू समाज के सांस्कृतिक, आध्यात्मिक और सामाजिक-राजनीतिक सशक्तिकरण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को दोहराया गया। इस बैठक में भारत और विदेशों से आए वरिष्ठ नेता, कार्यकारिणी सदस्य और विशेष आमंत्रित प्रतिनिधि शामिल हुए। बैठक की अध्यक्षता अजय सिंह जी (अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष), डॉ. विनय प्रताप सिंह जी (राष्ट्रीय अध्यक्ष), सत्य बाबू (राष्ट्रीय उपाध्यक्ष), और प्रो. ज्योत्सना तिरुनागरी (राष्ट्रीय महासचिव) ने की। इनके साथ कई अन्य राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य एवं अमेरिका से आए प्रतिनिधि भी मौजूद रहे। बैठक की शुरुआत जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल, 2025 को हुए क्रूर आतंकी हमले में मारे गए हिंदू पर्यटकों के प्रति शोक प्रस्ताव पारित कर की गई। डब्लूएचएफ ने इस अमानवीय त्रासदी पर गहरा दुख और शोक प्रकट करते हुए पीड़ित परिवारों के प्रति संवेदना और दिवंगत आत्माओं की शांति के लिए प्रार्थना की। डब्लूएचएफ ने इस कायराना और अमानवीय कृत्य की कड़े शब्दों में निंदा करते हुए दोषियों के खिलाफ त्वरित, कठोर और निष्पक्ष कार्रवाई की मांग की। फेडरेशन ने कहा कि निर्दोष नागरिकों पर इस प्रकार के जघन्य हमलों को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता और राज्य व केंद्र सरकार से ऐसी घटनाओं में जवाबदेही तय करने और सभी पर्यटकों व नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने का आग्रह किया।

डब्लूएचएफ ने वैश्विक स्तर पर अपनी उपस्थिति को विस्तार देने का संकल्प लिया, ताकि हिंदू प्रवासी समुदाय को एकजुट किया जा सके। इस पहल के अंतर्गत सांस्कृतिक चेतना को बढ़ावा देना, सनातन धर्म से प्रेरित नेतृत्व मूल्यों को स्थापित करना और हिंदू युवाओं को सक्रिय भागीदारी, जागरूकता कार्यक्रमों व मूल्य-आधारित शिक्षा के ज़रिए सशक्त करना शामिल है। फेडरेशन ने पश्चिम बंगाल में हाल के दिनों में बढ़े साम्प्रदायिक तनाव और हिंसा पर गहरी चिंता व्यक्त की और हिंदू समुदायों पर हुए आक्रमणों की कड़ी निंदा की। साथ ही बांग्लादेश में हिंदुओं के उत्पीड़न को लेकर भी गंभीर चिंता जताई। ड्ड॥स्र ने राष्ट्रव्यापी एकजुटता, जवाबदेह शासन और प्रभावित समूहों के लिए त्वरित सुरक्षा उपायों की मांग की।कई क्षेत्रों में बढ़ती सामाजिक-राजनीतिक अस्थिरता के परिप्रेक्ष्य में डब्लूएचएफ ने हिंदुओं के अधिकारों, सुरक्षा और पहचान की रक्षा को अत्यावश्यक बताया, विशेष रूप से उन क्षेत्रों में जहाँ लक्षित हिंसा या व्यवस्थित बहिष्करण हो रहा है। संस्था ने स्वयं को हिंदू हितों की प्रहरी संस्था के रूप में पुनः स्थापित किया। बैठक का एक मुख्य निर्णय जमीनी स्तर पर पहलों को तेज़ करना रहा, जिसमें स्थानीय स्वयंसेवक नेटवर्क, विधिक सहायता प्रकोष्ठ और त्वरित प्रतिक्रिया दलों की स्थापना शामिल है। इन पहलों का उद्देश्य अन्याय का सक्रिय प्रतिकार करना, सामुदायिक सहयोग प्रदान करना और हिंदू विरोधी नैरेटिव्स का सच्चाई, करुणा और एकता से जवाब देना है।डब्लूएचएफ ने दोहराया कि हिंदू समाज की चुनौतियाँ अब सीमाओं तक सीमित नहीं हैं, इसलिए वैश्विक स्तर पर प्रभावी प्रतिनिधित्व, संवाद और रणनीतिक सक्रियता की आवश्यकता है। हम केवल संकटों का सामना नहीं कर रहे हैं, बल्कि सनातन धर्म के लिए एक सुदृढ़ भविष्य की नींव रख रहे हैं, अजय सिंह ने समापन टिप्पणी में कहा, और आने वाले समय में रणनीतिक एकाग्रता व आध्यात्मिक संकल्प की आवश्यकता पर बल दिया।

जाति प्रमाण पत्र फर्जी पुष्टि के बाद भी नहीं हुआ अभी तक सेविका पर करवाई

- आवेदिका कविता कुमारी ने उपायुक्त पलामू को लिखित आवेदन देकर जांच करने के लिए किया माँग
- सेविका के चयन प्रक्रिया में किया गया पैसो पर लीपा पोती

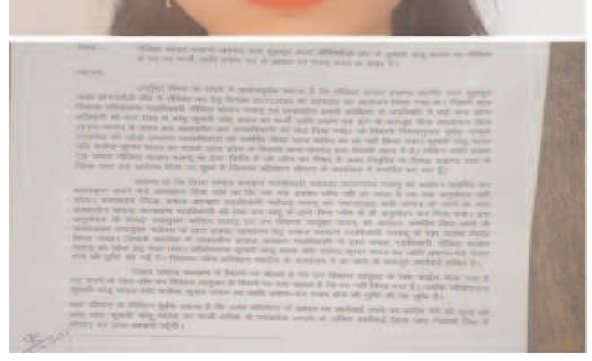

आदिवासी एक्सप्रेस संवाददाता- पप्पू यादव

नौड़ीहा बाजार, पलामू। जिले के नौड़ीहा बाजार प्रखंड के कुहकुह गाँव में वर्ष 2023 में आंगनबाडी सेविका पद के लिए ग्राम सभा का आयोजन किया। जिसमें कुल पांच आवेदन प्राप्त हुआ था जो दो आवेदन को छोड़कर शेष आवेदन को विचारधीन मे रखा गया जबकी आरक्षित सीट ओबीसी थी। नौड़ीहा बाजार प्रखंड के तत्कालीन बाल विकास परियोना पदाधिकारी व महिला पर्यवेक्षक के निगरानी ग्राम सभा करायी गई थी। जबकी आवेदक संजू कुमारी पति राजेंद्र यादव व कविता कुमारी पति विकास कुमार यादव शेष बचे । जबकी आवेदिका संजू कुमारी के मायके उत्तर प्रदेश के गोरखपुर में है जबकी पलामू जिले के नौड़ीहा बाजार अंचल कार्यालय से संजू कुमारी यादव पिता शंकर यादव के नाम से जाति प्रमाण निर्गत किया गया है। आखिर कार इस जाति प्रमाण निर्गत क्यों और कैसे हुआ है? इसके बावजूद भी अधिकारी ने आनन -फानन मे पदाधिकारी ने संजू कुमारी यादव के चयन कर आगे की करवाई के लिए अग्रसित कर दिया गया। इससे प्रतीत होता है कि इस मामला मे अधिकारी के द्वारा मोटी रकम लेकर फर्जी जाति प्रमाण पत्र के पुष्टि होने के बाद भी आवेदिका संजू कुमारी यादव पति राजेंद्र यादव के नियुक्ति पत्र दी गई। आवेदिका कविता कुमारी ने द्वारा उपायुक्त पलामू को लिखित आवेदन देकर जांच की मांग किया है। कविता कुमारी ने लिखित आवेदन दर्शाया है अंचल कार्यालय के पत्रांक 479 दिनांक 29/11/2024 के आलोक मे जिला समाज कल्याण पदाधिकारी को जांच कर आगे की करवाई के लिए पत्र भेजी गई है , फर्जी जाति प्रमाण पत्र के पुष्टि भी हो गई है । कविता कुमारी ने समाज कल्याण पदाधिकारी से मुलकात करने के बाद कहा जाता है कि आगे की करवाई के लिए उप विकास आयुक्त पलामू के फाइल भेज दी गई। जब उप विकास आयुक्त से मिलने के बाद पता चला कि अभी तक चयन प्रक्रिया को रद्द नहीं किया गया। कविता कुमारी ने लाचार व विवश होकर उपायुक्त पलामू को लिखित आवेदन देकर नव नियुक्त सेविका संजू कुमारी को चयन प्रकिया रद्द करने के लिए गुहार लगाई है।

पहलगाम में आतंकवादी हमले के विरोध में भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं द्वारा निकाला गया कैंडल मार्च

लगे पाकिस्तान मुर्दाबाद के नारे

आदिवासी एक्सप्रेस / संतोष कुमार दास

इटखोरी (चतरा)। जम्मू कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकवादी पूरे देश में आक्रोश का माहौल बना हुआ है। पाकिस्तानी आतंकवादियों के द्वारा की गई कायरतापूर्ण हरकत से पूरा देश मर्माहत है । भारत ही नहीं बल्कि वैश्विक मंचों पर भी पाकिस्तान के इस चरण हरकत की निंदा हो रही है। आतंकवादियों के इस कायरता पूर्ण हमले को लेकर भारतीय जनता पार्टी इटखोरी मंडल में भाजपाइयों द्वारा कैंडल मार्च निकालकर शहीदों को श्रद्धा सुमन अर्पित किया गया। भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं ने इस हमले में शहीद हुए निर्दोष लोगों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की। जुलूस के दौरान पाकिस्तान मुर्दाबाद, आतंकवाद नहीं सहेगा हिंदुस्तान, आतंकवादीयों का जड़ से सफाया करने के नारे लगाए जा रहे थे। भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं ने आतंकवादियों के द्वारा पाकिस्तान के शहर पर की गई इस कायराना हरकत की कड़े शब्दों में आलोचना की। उन्होंने आतंकवादियों को समूह समाप्त करने की मांग सरकार से की। भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं ने राज्य सरकार और केंद्र सरकार से अविलंब आतंकवादियों के विरुद्ध कठोर से कठोर कदम उठाने की बात कही। कैंडल मार्च में सम्मिलित कार्यकर्ताओं ने कहां की इस दुख की घड़ी में हमारी समस्त संवेदनाएं पीड़ित परिवार के साथ है। पूरा देश एक जुट होकर पीड़ित परिवार के साथ खड़ा है। कार्यक्रम में मुख्य रूप से जिला महामंत्री मृत्युंजय कुमार सिंह, भाजपा नेता रणधीर सिंह, ओबीसी मोर्चा उपाध्यक्ष श्री राम चौरसिया, मंडल महामंत्री युवा मोर्चा आशीष मिश्रा, सुरेंद्र सिंह, भाजपा नेता योगेंद्र सिंह, गूगल कंप्यूटर संस्थान के संचालक राजेश नायक तथा उनके छात्र-छात्राएं, भाजपा नेता शक्ति सिंह, भाजपा नेता मुकेश भारती, नगिन सिंह, बबलू राय, भाजपा नेता रणधीर सिंह, युवा नेता सोनू कुमार दांगी, बबलू दांगी, सम्भु चौरसिया , गोलू दांगी सुनील दांगी समेत सैकड़ो भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता उपस्थित है।

अब 10 लाख रुपये से अधिक कीमत वाले लक्जरी सामान पर एक फीसदी लगेगा टीसीएस

एजेंसी

नई दिल्ली। हैंडबैग, कलाई घड़ी, जूते और खेलकूद के कपड़े जैसे 10 लाख रुपये से अधिक कीमत वाले लक्जरी सामानों पर अब एक फीसदी स्रोत पर कर संग्रह (टीसीएस) लगेगा। आयकर विभाग ने 22 अप्रैल से विलासितापूर्ण वस्तुओं की बिक्री पर 1 फीसदी की दर से टीसीएस लगाने से जुड़ी अधिसूचना जारी की है। आयकर विभाग के मुताबिक केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने अधिसूचना जारी की है, जिसमें उन विलासिता वस्तुओं की सूची निर्दिष्ट की गई है, जिन पर स्रोत पर कर संग्रह (टीसीएस) लगाया जाएगा। विभाग ने 22 अप्रैल, 2025 को जारी अधिसूचना में कहा है कि नए नियम प्रकाशन की तिथि से प्रभावी होंगे। इसलिए, 22 अप्रैल, 2025 से उल्लिखित विलासिता वस्तुओं से कर वसूला जाएगा।सीबीडीटी ने इस संबंध में दो अधिसूचनाएं जारी की हैं। पहली अधिसूचना लग्जरी वस्तुओं की प्रकृति से संबंधित है, जबकि दूसरी अधिसूचना टैक्स की दर और खरीद की सीमा से संबंधित है, जिसके ऊपर कर लगाया जाएगा। आयकर विभाग के मुताबिक यह अधिसूचना कर आधार का विस्तार करने तथा अधिक वित्तीय पारदर्शिता को बढ़ावा देने के व्यापक नीतिगत उद्देश्य को दर्शाती है। विभाग के मुताबिक 22 अप्रैल से 10 लाख रुपये से अधिक की विशिष्ट लक्जरी वस्तुओं की बिक्री पर एक फीसदी की दर से टीसीएस की प्रयोज्यता को अधिसूचित किया गया है।

विश्व बैंक ने 2025-26 के लिए भारत के जीडीपी अनुमान को घटाकर 6.3 फीसदी किया

नई दिल्ली। विश्व बैंक ने चालू वित्त वर्ष 2025-26 के लिए भारत के विकास दर अनुमान को 0.40 फीसदी घटाकर 6.3 फीसदी कर दिया। विश्व बैंक ने पिछले पूर्वानुमान में वित्त वर्ष 2025-26 के लिए भारत की आर्थिक वृद्धि दर 6.7 फीसदी रहने का अनुमान जताया था। विश्व बैंक ने अपने द्विवार्षिक क्षेत्रीय दृष्टिकोण में कहा कि भारत में वित्त वर्ष 2024-25 में वृद्धि निराशाजनक रही, क्योंकि निजी निवेश में धीमी वृद्धि हुई तथा सार्वजनिक पूंजीगत व्यय सरकारी लक्ष्यों को पूरा नहीं कर सका। विश्व बैंक के मुताबिक वैश्विक आर्थिक कमजोरी और नीतिगत अनिश्चितता के बीच देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) को घटाने का यह फैसला लिया गया है। टैक्सिंग टाइम्स के दक्षिण एशिया वृद्धि दर अपडेट में कहा गया है, भारत में विकास दर वित्त वर्ष 2024-25 के 6.50 फीसदी से घटकर चालू वित्त वर्ष 2025-26 में 6.3 फीसदी रहने की उम्मीद है। ऐसा मौद्रिक सहजता और विनियामक सरलीकरण से निजी निवेश को होने वाले लाभ के वैश्विक आर्थिक कमजोरी और नीतिगत अनिश्चितता से प्रभावित की आशंका के कारण किया गया है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने एक दिन पहले मंगलवार को चालू वित्त वर्ष 2025-26 के लिए विकास दर के पूर्वानुमान को 6.5 फीसदी से घटाकर 6.2 फीसदी कर दिया था। इसके साथ ही वित्त वर्ष 2026-27 के लिए सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वृद्धि दर के अनुमान को भी 6.5 फीसदी से घटाकर 6.3 फीसदी कर दिया है।

डीएस ग्रुप का अगले पांच साल में 20 हजार करोड़ राजस्व का लक्ष्य

नई दिल्ली। एफएमसीजी समूह और बहुव्यवसायी कॉर्पोरेशन धर्मपाल सत्यपाल ग्रुप (डीएस ग्रुप) ने वित्त वर्ष 2024-25 में 10 हजार करोड़ रुपए का राजस्व हासिल करते हुए अगले चार से पांच वर्षों में इसको दोगुना करने का लक्ष्य तय किया है। कंपनी ने यहां जारी बयान में कहा कि 10 हजार करोड़ रुपए के राजस्व के साथ ही यह भारत की शीर्ष 15 एफएमसीजी कंपनियों में शामिल हो गया है। इस उपलब्धि में सबसे बड़ा योगदान खाद्य एवं पेय सेगमेंट का रहा, जो कुल राजस्व का 42 प्रतिशत है। इसके बाद माउथ फ्रेशनर सेगमेंट 38 प्रतिशत, हॉस्पिटैलिटी 3 प्रतिशत और अन्य व्यवसायों का संयुक्त योगदान रहा, जिसमें तंबाकू सेगमेंट का हिस्सा 10 प्रतिशत से भी कम है। पिछले तीन वर्षों में डीएस ग्रुप ने 16प्रतिशत की वार्षिक दर से सतत विकास किया है। डीएस ग्रुप के उपाध्यक्ष राजीव कुमार ने यह घोषणा करते हुए कहा, 10,000 करोड़ रुपए का आंकड़ा पार करना सिर्फ एक वित्तीय उपलब्धि नहीं, बल्कि भारत के विकास में हमारी अहम भूमिका का प्रतीक है। विविध उत्पाद पोर्टफोलियो, गुणवत्ता व नवाचार के प्रति हमारी प्रतिबद्धता और देश के सबसे बड़े वितरण नेटवर्क में से एक ने हमें एफएमसीजी क्षेत्र में अग्रणी बनाया है।

आईआईटी बॉम्बे और इंडस टावर्स की साझेदारी

नयी दिल्ली। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) बॉम्बे और दूरसंचार इंफ्रास्ट्रक्चर कंपनी इंडस टावर्स लिमिटेड ने सतत ऊर्जा क्षेत्र में दो परिवर्तनकारी शोध कार्यक्रमों के लिए समझौता किया है।कंपनी ने यहां जारी बयान में कहा कि शोध का मुख्य उद्येश्य सौर ऊर्जा उत्पादन और ऊर्जा भंडारण की प्रगति का विस्तार करना होगा ताकि भविष्य के लिए और व्यवहारिक समाधान निर्मित किये जा सके। यह कार्यक्रम इंडस टावर्स के मुख्य सामाजिक उत्तरदायित्व कार्यक्रम, प्रगति का एक भाग है। वर्तमान में जब जलवायु संबंधी जरूरतें और ऊर्जा की मांग पूरे विश्व की जरूरतों को परिवर्तित कर रही हैं और पूरा विश्व ऊर्जा की स्वच्छ, नई और हरित पद्धति को तेजी से अपना रही है, नवाचार सिर्फ एक विकल्प ही नहीं बल्कि अब यह एक आवश्यकता है। इंडस टावर्स के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) प्रचुर साह ने कहा, यह साझेदारी उद्योग और शिक्षाविदों के साथ में मिलकर काम करने का एक बेहतरीन उदाहरण है, जो अनुसंधान और नवाचार के द्वारा समस्त विश्व में आने वाली चुनौतियों का समाधान करते हैं।

देश का नया टेक्सटाइल हब बनेगा छत्तीसगढ़, सीएमएआई के साथ राज्य सरकार का समझौता

एजेंसी

मुंबई/रायपुर। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने राज्य में वस्त्र एवं परिधान क्षेत्र में निवेश की संभावनाओं पर जोर दिया। उन्होंने नवा रायपुर में नेशनल इंस्टीट्यूट आफ फैशन डिजाइन संस्थान खोलने की मंजूरी देने की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि इससे छत्तीसगढ़ में टैक्सटाइल उद्योग को बढ़ावा मिलेगा छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय बुधवार को मुंबई के बॉम्बे एग्जिबिशन सेंटर में आयोजित सीएमएआई फैब शो 2025 को संबोधित कर रहे थे। इस मौके पर छत्तीसगढ़ सरकार ने सीएमएआई (क्लोदिंग मैन्युफैक्चरर एसोसिएशन ऑफ इंडिया) के साथ एमओयू भी साइन किया है। इससे छत्तीसगढ़ को वस्त्र, गारमेंट और हैंडलूम सेक्टर में एक उभरता केंद्र बनने में मदद मिलेगी। इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री साय ने उद्योगपतियों को संबोधित करते हुए कहा कि हाल ही में हमने कैबिनेट में नेशनल इंस्टीट्यूट आफ फैशन डिजाइन के संस्थान को नवा रायपुर में खोलने की मंजूरी दी है। इस संस्थान के निर्माण पर 271 करोड़ रुपये की लागत आएगी और इस संस्थान से छत्तीसगढ़ में टैक्सटाइल उद्योग को बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ में चांपा की कोसा साड़ियां अपने शिल्प में बेमिसाल हैं। सीएमएआई से एमओयू और निफ्ट की स्थापना से चांपा के कोसा जैसे वस्त्रों की ब्रांडिंग, प्रमोशन में बड़ी मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि कपड़ा उद्योग प्रत्यक्ष रूप से ग्रामीण स्वरोजगार, तकनीक और कौशल विकास से जुड़ा है। नई औद्योगिक नीति में हमने इन सभी सुविधाओं का ख्याल रखते हुए टैक्सटाइल सेक्टर से जुड़े एमएसएमई को बढ़ावा देने का प्रयास किया है। हम एक हजार से अधिक स्थानीय लोगों को रोजगार देने वाले उद्यमों को विशेष अनुदान दे रहे हैं। एक सौ करोड़ के इन्वेस्टमेंट में 252 करोड़ की प्रतिपूर्ति हमारी सरकार कर रही है। उन्होंने बताया कि बस्तर और सरगुजा जैसे क्षेत्रों में उद्यम शुरू करने पर विशेष रियायतें दी गई हैं। उन्होंने कहा कि सिंगल विंडो सिस्टम, इज आफ डूइंग बिजनेस और स्पीड आफ डूइंग बिजनेस की नीतियों के चलते बहुत तेजी से निवेश प्रस्तावों को स्वीकृति दी जा रही है। ईज ऑफ डूइंग बिजनेस से अब हम स्पीड और बिजनेस की ओर बढ़ चुके हैं। हमने 350 से अधिक रिफार्म्स किये हैं और निवेश का वातावरण बेहद सहज कर दिया है।

एग्रीनोवेट इंडिया लिमिटेड ने वित्त वर्ष 2023-24 के लिए 1.42 करोड़ रुपये का लाभांश भुगतान किया

एजेंसी

नई दिल्ली। एग्रीनोवेट इंडिया लिमिटेड (एजीआईएन) ने वित्त वर्ष 2023-24 के लिए 1 करोड़ 42 लाख 23 हजार 513 रुपये का लाभांश घोषित किया है। एजीआईएन ने अपनी स्थापना के बाद से पहली बार लाभांश भुगतान किया है। एग्रीनोवेट इंडिया लिमिटेड कृषि अनुसंधान एवं शिक्षा विभाग (डीएआरई), कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय के तहत भारत सरकार का उद्यम है। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान की उपस्थिति में लाभांश को औपचारिक रूप से प्रदान किया गया। इस कार्यक्रम में कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के सचिव डॉ. देवेश चतुर्वेदी व भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के महानिदेशक डॉ. एमएल जाट उपस्थित थे। 2011 में स्थापित एग्रीनोवेट इंडिया लिमिटेड आईसीएआर की वाणिज्यिक शाखा के रूप में कार्य करता है, जो कृषि अनुसंधान और व्यावहारिक कार्यान्वयन को जोड़ता है। एजीआईएन किसानों और उद्यमियों को लाभ पहुंचाने के लिए पूरे भारत में कृषि-प्रौद्योगिकियों को हस्तांतरित करने, उनका मूल्यांकन करने और उन्हें बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

आंध्र प्रदेश, गुजरात, कर्नाटक, महाराष्ट्र और तेलंगाना में एमएसपी पर 3.92 लाख मीट्रिक टन तुअर की खरीद

एजेंसी

नई दिल्ली। आंध्र प्रदेश, गुजरात, कर्नाटक, महाराष्ट्र और तेलंगाना में नैफेड और एनसीसीएफ के माध्यम से एमएसपी पर 22 अप्रैल तक कुल 3.92 लाख मीट्रिक टन तुअर (अरहर) की खरीद की गई है। इससे इन राज्यों के 2,56,517 किसान लाभान्वित हुए हैं। यह जानकारी आज केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय ने दी। मंत्रालय ने बताया कि दालों के घरेलू उत्पादन को बढ़ाने में योगदान देने वाले किसानों को प्रोत्साहित करने और आयात पर निर्भरता कम करने के लिए सरकार ने खरीद वर्ष 2024-25 के लिए राज्य के उत्पादन के 100फीसदी के बराबर मूल्य समर्थन योजना (पीएसएस) के तहत तुअर, उड़द और मसूर की खरीद को मंजूरी दी है।केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने खरीफ 2024-25 सीजन के दौरान मूल्य समर्थन योजना के अंतर्गत आंध्र प्रदेश, छत्तीसगढ़, गुजरात, हरियाणा, कर्नाटक, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, तेलंगाना और उत्तर प्रदेश राज्यों में कुल 13.22 लाख मीट्रिक टन तुअर (अरहर) की खरीद को मंजूरी दी है। केंद्रीय मंत्री ने किसानों के हित में आंध्र प्रदेश में खरीद अवधि को 90 दिनों से आगे 30 दिन बढ़ाकर 22 मई 2025 तक करने को भी मंजूरी दी है। सरकार ने बजट 2025 में यह भी घोषणा की है कि देश में दालों में आत्मनिर्भरता हासिल करने के लिए केंद्रीय नोडल एजेंसियों अर्थात् नैफेड और एनसीसीएफ के माध्यम से 2028-29 तक अगले चार वर्षों के लिए राज्य के उत्पादन का शत-प्रतिशत तुअर (अरहर), उड़द और मसूर की खरीद की जाएगी।

एथर एनर्जी का आईपीओ 28 को लॉन्च होगा, 6 मई को बीएसई और एनएसई पर होगी लिस्टिंग

एजेंसी

नई दिल्ली। देश की प्रमुख इलेक्ट्रिक टू व्हीलर बनाने वाली कंपनियों में से एक एथर एनर्जी 28 अप्रैल को अपना आईपीओ लॉन्च करने वाली है। यह आईपीओ 28 अप्रैल से लेकर 30 अप्रैल तक सब्सक्रिप्शन के लिए खुला रहेगा, जबकि एंकर इन्वेस्टर्स के लिए इसकी ओपनिंग 25 अप्रैल को होगी। आईपीओ के तहत 304 से 321 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है। आईपीओ क्लोज होने के बाद 2 मई को शेयरों का अलॉटमेंट किया जाएगा और 6 मई को बीएसई और एनएसई पर इसकी लिस्टिंग होगी। मौजूदा वित्त वर्ष में एथर एनर्जी के आईपीओ के रूप में मेनबोर्ड सेगमेंट में पहले आईपीओ की लॉन्चिंग होने वाली है। एथर एनर्जी अपने आईपीओ के जरिए बाजार से पहले 3,100 करोड़ रुपये इकट्ठा करना चाहती थी। इसके लिए मार्केट रेगुलेटर सेबी से भी कंपनी को हरी झंडी मिल गई थी। हालांकि, अब कंपनी ने अपने आईपीओ का साइज घटा कर 2,626 करोड़ रुपये कर दिया है। माना जा रहा है कि घरेलू शेयर बाजार में जारी उतार-चढ़ाव के कारण कंपनी ने अपने आईपीओ के साइज को कम करने का फैसला लिया है। कंपनी के आईपीओ में 1.10 करोड़ शेयर ऑफर फॉर सेल विंडो के जरिए भी बेचे जाएंगे। इसके जरिए कंपनी के प्रमोटर तरुण संजय और स्वप्निल समेत कुछ कॉरपोरेट संस्थागत निवेशक अपनी हिस्सेदारी बेचेंगे। एथेर एनर्जी में फिलहाल 40 प्रतिशत की हिस्सेदारी हीरो मोटोकॉर्प के पास भी है, जिसने स्पष्ट किया है कि आईपीओ में वो अपनी हिस्सेदारी नहीं बेचेगी। आईपीओ के जरिए जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल महाराष्ट्र में नई फैक्ट्री लगाने, रिसर्च एंड डेवलपमेंट के काम को तेज करने, पुराने कर्ज को अदा करने और सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों में किया जाएगा। एथर एनर्जी इलेक्ट्रिक टू व्हीलर, चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर, बैट्री पैक और इससे संबंधित सॉफ्टवेयर सिस्टम का निर्माण और असेंबलिंग का काम करती है।

डॉलर के मुकाबले 21 पैसे की कमजोरी के साथ बंद हुआ रुपया

एजेंसी

नई दिल्ली। मुद्रा बाजार में डॉलर की मांग बढ़ने और जम्मू-कश्मीर में हुए आतंकी हमले को लेकर बने निगेटिव सेंटिमेंट्स के कारण आज रुपया डॉलर की तुलना में 21 पैसे की कमजोरी के साथ 85.42 (अस्थायी) के स्तर पर बंद हुआ। मुद्रा बाजार में भारतीय मुद्रा आज के करोबार के दौरान 32 पैसे तक कमजोर हो गई थी, लेकिन बाद में डॉलर की आवक बढ़ने के कारण रुपया डॉलर की तुलना में 11 पैसे की रिकवरी करके बंद होने में सफल रहा। इसके पहले पिछले कारोबारी दिन मंगलवार को भारतीय मुद्रा 85.21 रुपये प्रति डॉलर के स्तर पर बंद हुई थी। भारतीय मुद्रा ने आज सुबह डॉलर के मुकाबले 5 पैसे की कमजोरी के साथ 85.26 रुपये के स्तर से कारोबार की शुरुआत की थी। दिन के कारोबार के दौरान डॉलर की मांग बढ़ने पर रुपया 32 पैसे की गिरावट के साथ 85.53 के स्तर तक भी आ गया था, लेकिन इसके बाद शेयर बाजार में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों द्वारा आक्रामक अंदाज में खरीदारी करने की वजह से डॉलर की आवक बढ़ गई, जिसके कारण रुपया निचले स्तर से 11 पैसे की रिकवरी करने में सफल रहा। भारतीय मुद्रा रुपये ने डॉलर के साथ ही ज्यादातर दूसरी प्रमुख अंतरराष्ट्रीय मुद्राओं के मुकाबले भी मजबूती दिखाई। आज के कारोबार के बाद ब्रिटिश पौंड (जीबीपी) की तुलना में रुपया 10 पैसे की मजबूती के साथ 113.80 के स्तर पर पहुंच गया। इसी तरह यूरो की तुलना में रुपया आज 35 पैसे की मजबूती के साथ 97.53 के स्तर पर पहुंचने में सफल रहा। मार्केट एक्सपर्ट्स का कहना है कि आयातकों की बढ़ती मांग की वजह से डॉलर की मांग जरूर बढ़ गई है, लेकिन स्टॉक मार्केट से रुपये के लिए सकारात्मक संकेत भी मिल रहे हैं। घरेलू शेयर बाजार में विदेशी निवेशकों के लगातार बढ़ रहे निवेश से इस बात की भी उम्मीद बनी है कि आने वाले दिनों में रुपया पॉजिटिव सेंटीमेंट्स के साथ कारोबार करता हुआ नजर आएगा। सबसे बड़ी बात ये है कि डॉलर इंडेक्स लगातार कमजोरी का प्रदर्शन कर रहा है। ऐसी स्थिति में रुपये की कीमत को सहारा मिलने की उम्मीद बन गई है। दूसरी ओर अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की लगातार बढ़ रही कीमत के कारण ऑयल इंपोर्ट बिल बढ़ सकता है। इसका प्रतिकूल असर रुपये पर पड़ने वाले दबाव के रूप में भी नजर आ सकता है।

डीपीआईआईटी ने चार राज्यों में 14,096 करोड़ रुपये की मेगा बुनियादी ढांचा परियोजनाओं की समीक्षा की

एजेंसी

नई दिल्ली। उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) ने उत्तर प्रदेश, हरियाणा, पंजाब और उत्तराखंड राज्यों में स्थित मेगा बुनियादी ढांचा संबंधी परियोजनाओं की समीक्षा की। इन आधारभूत ढांचा संबंधी वृहत परियोजनाओं की कुल लागत 14,096 करोड़ रुपये से अधिक है।वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने एक बयान में बताया कि डीपीआईआईटी के सचिव अमरदीप भाटिया ने उत्तर प्रदेश, हरियाणा, पंजाब और उत्तराखंड राज्यों में आधारभूत ढांचा संबंधी वृहत परियोजनाओं की समीक्षा के लिए एक उच्चस्तरीय बैठक की अध्यक्षता की। परियोजना निगरानी समूह के तत्वावधान में आयोजित इस समीक्षा बैठक में केंद्रीय मंत्रालयों, राज्य सरकारों और परियोजना प्रस्तावकों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। मंत्रालय के अनुसार बैठक के दौरान 17 महत्वपूर्ण परियोजनाओं में 19 मुद्दों की समीक्षा की गई। इन परियोजनाओं की कुल लागत 14,096 करोड़ रुपये से अधिक है। इस बैठक के दौरान अंतर-मंत्रालयी और अंतर-राज्य समन्वय को बढ़ाकर कार्यान्वयन चुनौतियों के त्वरित समाधान पर अधिक ध्यान दिया गया। बैठक में जिन प्रमुख परियोजनाओं की समीक्षा की गई उनमें जौनपुर-अकबरपुर सड़क परियोजना को चार लेन का बनाना शामिल है, जिसकी लागत 3,164.72 करोड़ रुपये है।

सर्राफा बाजार में गिरावट का रुख जारी, सोना और चांदी की घटी कीमत

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में लखटकिया होने का गौरव हासिल करने बाद से ही सोने की कीमत में लगातार करेक्शन हो रहा है। आज भी सर्राफा बाजार में सोना और चांदी के भाव में गिरावट का रुख बना हुआ है। सर्राफा बाजार में आज आई गिरावट के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 98,240 रुपये से लेकर 98,340 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है।

इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 90,050 रुपये से लेकर 90,200 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। इसी तरह, चांदी के भाव में भी कमजोरी आने के कारण ये चमकीली धातु आज दिल्ली सर्राफा बाजार में 1,00,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर कारोबार कर रही है। दिल्ली में 24 कैरेट सोना 98,340 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 90,200 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है।

वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 98,240 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 90,050 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 98,240 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 90,100 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 98,240 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 90,050 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 98,240 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 90,050 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 98,340 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 90,200 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 98,240 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 90,100 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 98,340 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 90,200 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

लगातार 7वें दिन मजबूती के साथ बंद हुआ शेयर बाजार, सेंसेक्स और निफ्टी की शानदार रिकवरी

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार लगातार 7वें कारोबारी दिन मजबूती के साथ बंद होने में सफल रहा। आज के कारोबार की शुरुआत भी मजबूती के साथ हुई थी। इस मजबूती के कारण सेंसेक्स आज 18 दिसंबर, 2024 के बाद पहली बार 80 हजार अंक के स्तर को पार करने में सफल रहा। हालांकि, बाजार खुलने के बाद मुनाफा वसूली के चक्कर में हुई बिकवाली के कारण शेयर बाजार कुछ देर के लिए लाल निशान में भी गया, लेकिन दोपहर 11 बजे के बाद बाजार में लगातार लिवाली का जोर बना रहा। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.65 प्रतिशत और निफ्टी 0.67 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुए। आज दिन भर के कारोबार के दौरान ऑटोमोबाइल, आईटी और रियल्टी सेक्टर के शेयरों में लगातार खरीदारी होती रही। इसी तरह फार्मास्यूटिकल, मेटल, कैपिटल गुड्स, एफएमसीजी, पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज, ऑयल एंड गैस और टेक इंडेक्स भी बढ़त के साथ बंद हुए। बैंकिंग और कंज्यूमर ड्यूरेबल्स सेक्टर के शेयरों में बिकवाली का दबाव बना रहा। ब्रॉडर मार्केट में भी आज आमतौर पर खरीदारी होती रही, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.94 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 0.26 प्रतिशत की बढ़त के साथ आज के कारोबार का अंत किया। आज शेयर बाजार में आई मजबूती के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में करीब 3 लाख करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद बढ़ कर 430.27 लाख करोड़ रुपये (अस्थाई) हो गया। जबकि पिछले कारोबारी दिन यानी मंगलवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 427.37 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को आज के कारोबार से करीब 2.90 लाख करोड़ रुपये का मुनाफा हो गया। आज दिन भर के कारोबार में बीएसई में 4,106 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 2,089 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 1,866 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 151 शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में आज 2,567 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई।

घरेलू म्यूचुअल फंड उद्योग का एएयूएम सालाना आधार पर 21.32 फीसदी बढ़ा : इक्रा

कोलकाता।घरेलू म्यूचुअल फंड उद्योग की औसत प्रबंधनाधीन संपत्ति (एएयूएम) ने मार्च 2025 को समाप्त अवधि में सालाना आधार पर 21.32 प्रतिशत की उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की है, जबकि मासिक आधार पर इसमें 1.25 प्रतिशत की गिरावट आई है। इक्रा एनालिटिक्स लिमिटेड की ताजा रिपोर्ट के मुताबिक, गोल्ड ईटीएफऔर अन्य ईटीएफ श्रेणियों ने सबसे अधिक बढ़त दिखाई, जिनमें क्रमशः 89.88 प्रतिशत और 15.06 प्रतिशत की सालाना वृद्धि दर्ज की गई। इसके विपरीत अन्य श्रेणियों में एएयूएम में गिरावट देखने को मिली। विकास/इक्विटी-उन्मुख योजनाएं कुल एएयूएम में 53.72 प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ सबसे आगे रहीं जबकि ऋण-उन्मुख योजनाएं 15.06 प्रतिशत और लिक्विड योजनाएं 13.21 प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ पीछे रहीं। राज्यवार विश्लेषण में महाराष्ट्र ने 40.64 प्रतिशत के साथ सबसे अधिक योगदान दिया।

इसके बाद नई दिल्ली, गुजरात, कर्नाटक और पश्चिम बंगाल शामिल रहे। हालांकि इन राज्यों का योगदान 10 प्रतिशत से कम रहा। शीर्ष पांच राज्यों का कुल योगदान 65 प्रतिशत से अधिक रहा।

भारत सबसे तेजी से विकास करने वाला देश बना रहेगा : वित्त मंत्रालय

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत एक बार फिर वैश्विक अर्थव्यवस्था का नेतृत्व करने के लिए तैयार है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के वित्त वर्ष 2025-26 में सकल घरेलू उत?पाद (जीडीपी) के अनुमान को घटाकर 6.2-6.7 फीसदी किए जाने के बावजूद भारत सबसे तेजी से विकास करने वाला देश बना रहेगा। वित्त मंत्रालय नेजारी एक बयान में कहा कि वैश्विक अनिश्चितताओं और अन्य बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के लिए विकास पूर्वानुमानों में गिरावट के बावजूद भारत वैश्विक आर्थिक वृद्धि में अपना नेतृत्व बनाए रखने के लिए तैयार है। मंत्रालय ने कहा, बुनियादी ढांचे, नवाचार और वित्तीय समावेशन में सुधारों के साथ भारत ने वैश्विक आर्थिक गतिविधि के प्रमुख चालक के रूप में अपनी भूमिका को बढ़ाना जारी रखा है। मंत्रालय ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि मौजूदा टैरिफ युद्ध और अमेरिकी व्यापार नीति पर अनिश्चितता के बीच अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों ने चालू वित्त वर्ष 2025-26 के लिए भारत के विकास दर के अनुमानों में 0.5 फीसदी तक की कटौती की है। हालांकि, देश सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था बना रहेगा। मंत्रालय ने अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के अनुमान का हवाला देते हुए कहा कि अगले दो वित?त वर्षों में भारत सबसे तीव्र गति से बढ़ने वाली प्रमुख अर्थव्यवस्था बनी रहेगी। आईएमएफ के वर्ल्ड इकॉनोमिक आउटलुक के अप्रैल 2025 संस्करण के अनुसार भारत की अर्थव्यवस्था वित्त वर्ष 2025-26 में 6.2 फीसदी और 2026-27 में 6.3 फीसदी की दर बढ़ने की उम्मीद है, जो वैश्विक और क्षेत्रीय स्तर पर मिलती-जुलती अर्थव्यवस्था वाले देशों पर ठोस बढ़त बनाए रखेगा। आईएमएफ ने वैश्विक आर्थिक वृद्धि दर को बहुत कम 2025 में 2.8 फीसदी और 2026 में 3.0 फीसदी रहने का अनुमान जताया है, जो भारत के असाधारण बेहतर प्रदर्शन को दर्शाता है।इसके अलावा आईएमएफ ने अन्य प्रमुख वैश्विक अर्थव्यवस्थाओं के लिए अपने विकास दर के अनुमान को भी संशोधित किया है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष ने 2025 के लिए चीन के जीडीपी विकास पूर्वानुमान को घटाकर 4.0 फीसदी कर दिया गया है, जो विश्व आर्थिक परिदृश्य के जनवरी 2025 संस्करण में 4.6 फीसदी से कम है। इसी तरह संयुक्त राज्य अमेरिका में भी मंदी की आशंका है, आईएमएफ ने इसकी वृद्धि को घटाकर 1.8 फीसदी कर दिया है।वित्त मंत्रालय ने कहा कि इन संशोधनों के बावजूद भारत की मजबूत विकास गति इसे वैश्विक मंच पर अलग पहचान दिलाती है। अमेरिकी अर्थव्यवस्था के मंदी की ओर जाने, चीन की वृद्धि दर में भारी गिरावट आने तथा वैश्विक स्तर पर देशों में आर्थिक गतिविधियों में मंदी आने की संभावना के बावजूद भारत की चालू वित्त वर्ष में आर्थिक वृद्धि दर 6.2-6.7 फीसदी के दायरे में रहने की उम्मीद है। मंत्रालय ने कहा है कि मजबूत बुनियादी ढांचे और रणनीतिक सरकारी पहलों के समर्थन से देश आगे आने वाली चुनौतियों से निपटने के लिए अच्छी स्थिति में है।

शरवरी वाघ

नहीं, रणवीर सिंह की फिल्म में नेशनल अवॉर्ड विनर एक्ट्रेस की एंट्री! कब और कहां होगा शूट? पता लग गया

रणवीर सिंह जल्द से जल्द अपनी अपकमिंग फिल्मों की शूटिंग खत्म कर दूसरे प्रोजेक्ट्स की तरफ बढ़ना चाहते हैं. हाल ही में पता लगा था कि उन्होंने 'धुरंधर' का काम लगभग पूरा कर लिया है. इसके बाद वो अगले प्रोजेक्ट्स की तरफ बढ़ेंगे. यहां एक फिल्म का काम पूरा हुआ, तो दूसरी ओर 'डॉन 3' को लेकर नया अपडेट आ गया. कियारा आडवाणी के फिल्म से एग्जिट के बाद से ही नई फीमेल लीड की तलाश की जा रही थी. बीते दिनों शरवरी वाघ का भी नाम सामने आया था. लेकिन अब मेकर्स ने एक नेशनल अवॉर्ड जीतने वाली एक्ट्रेस को फाइनल कर लिया है.

पिंकविला पर एक रिपोर्ट छपी. जिससे पता लगा कि कृति सेनन की फिल्म में एंट्री हो गई है. वो डॉन 3 में बतौर फीमेल लीड नजर आएंगी. वो इस प्रोजेक्ट के लिए हामी भर चुकी हैं. दरअसल एक्ट्रेस को फिल्म 'मिमी' के लिए नेशनल अवॉर्ड मिला था. हालांकि, पहले इस रोल के लिए शरवरी वाघ का नाम सामने आ रहा था.

रणवीर सिंह की 'डॉन 3' में किसकी एंट्री ?

रिपोर्ट के मुताबिक, कृति सेनन की फिल्म में एंट्री होने की खबरें हैं. ऐसी उम्मीद जताई जा रही है कि वो दो हफ्ते के अंदर इस फिल्म के लिए साइन कर देंगी.

फरहान अख्तर और एक्सेल एंटरटेनमेंट की क्रिएटिव टीम 'डॉन 3' में एक एक्सपीरियंस एक्ट्रेस को लेना चाहते हैं. उनके मुताबिक, कृति सेनन इस प्रोजेक्ट के लिए बिल्कुल सही हैं. उनके पास स्क्रीन पर रोमांटिक किरदार निभाने का एक्सपीरियंस भी है. ऐसा कहा जा रहा है कि एक्ट्रेस भी इस फिल्म के लिए काफी एक्साइटेड हैं.

इस फिल्म को देखते ही रोने लगा था अजय देवगन का बेटा युग, फिर मार दिया था 'सिंघम' को थप्पड़

हिंदी सिनेमा के मशहूर अभिनेता अजय देवगन ने अपने करियर में कई बेहतरीन फिल्में दी हैं. उन्होंने बड़े पर्दे पर हर तरह के किरदार निभाए हैं. अजय के करियर में एक फिल्म ऐसी भी रही जिसे देखने के बाद उनका बेटा युग देवगन रोने लगा था. इतना ही नहीं तब युग ने पिता अजय देवगन को थप्पड़ भी मार दिया था.जिस फिल्म को देखने के बाद अजय देवगन के बेटे युग के आंसू छलक पड़े थे उसका नाम है 'गोलमाल अगेन'. साल 2017 में आई इस फिल्म को अजय देवगन एक बार अपनी फैमिली के साथ बैठकर देख रहे थे. तब परिणीति चोपड़ा के किरदार की मौत के बाद युग इमोशनल हो गए थे और उनकी आंखों में आंसू आ

गए थे.

युग ने अजय को मारा था थप्पड़

अजय देवगन अपने दोनों बच्चों बेटे युग और बड़ी बेटी नीसा देवगन को बेहतर परवरिश देने के लिए जाने जाते हैं. इंडस्ट्री में अजय को 'बेस्ट पिता' के रूप में भी जाना जाता है. उनका अपने दोनों ही बच्चों के साथ खास बॉन्ड है. लेकिन ऐसा क्या हुआ था जो युग ने अजय को गोलमाल अगेन देखते हुए अपने नन्हे-नन्हे हाथों से मार दिया था.

अजय देवगन से एक इंटरव्यू के दौरान बेटे युग को लेकर कोई किस्सा शेयर करने के लिए कहा गया था. इस पर उन्होंने बताया था कि गोलमाल अगेन देखने के दौरान जब परिणीति के किरदार की मौत हुई तो युग रोने लगा था और बाकी सब हंस रहे थे. अभिनेता ने कहा, वे जोर से हंसे. काजोल हंसना बंद नहीं करती हैं. मेरा बेटा सेकेंड हाफ में रोया, दो बार और उसने मुझे भी थप्पड़ मारा. परी (परिणीति चोपड़ा) की मौत पर उसके आंसू लुढ़क रहे थे. वो मेरी गोद में बैठा था और मैंने उससे पूछा कि क्या हुआ और उसने मुझे सिर्फ यह कहते हुए एक दिया कि 'मुझे रोते हुए मत देखो'. यह बहुत मजेदार है. यहां तक कि मेरे साथ घर के लोग भी इस पर हंसते हैं.